THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 264 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष शु.1 2080 बुधवार, 13 दिसंबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

भजनलाल शर्मा राजस्थान के सीएम

*** दीया कुमारी-प्रेमचंद बैरवा डिप्टी सीएम * देवनानी स्पीकर होंगे**
*** आरएसएस से जुड़े हैं पहली बार के विधायक शर्मा**

सीएम भजनलाल शर्मा, डिप्टी सीएम दीया कुमारी एवं प्रेमचंद बैरवा और विधानसभा अध्यक्ष देवनानी।

जयपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के नए मुख्यमंत्री का ऐलान हो गया है। सांगानेर से विधायक भजनलाल शर्मा को विधायक दल का नेता चुना गया है।

प्रदेश कार्यालय में हुई विधायक दल की बैठक में भाजपा हाईकमान द्वारा तय किए गए नाम का ऐलान किया गया और उस नाम पर सभी की सहमति बन गई। सूत्रों के मुताबिक नए मुख्यमंत्री के नाम का प्रस्ताव वसुंधरा राजे ने ही रखा। भजनलाल शर्मा संघ पृष्ठभूमि से आते हैं। वे मूलत: भरतपुर के रहने वाले हैं। वे प्रदेश महामंत्री के पद पर भी थे। विधायकों की ग्रुप फोटो में भजनलाल शर्मा चौथी लाइन में बैठे थे। इसके साथ ही दीया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा उपमुख्यमंत्री होंगे। वहीं, वासुदेव देवनानी विधानसभा स्पीकर होंगे। भाजपा ने तीनों बड़े पद जयपुर को ही दिए हैं। भजनलाल शर्मा जयपुर की सांगानेर सीट से विधायक हैं। वहीं, दीया कुमारी जयपुर की विद्याधर नगर सीट से जीती हैं तो प्रेमचंद बैरवा जयपुर जिले की दूदू सीट से विधायक हैं। बैठक से पहले राजनाथ सिंह ने भाजपा के सभी वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की। जानकारी के मुताबिक राजनाथ सिंह ने वसुंधरा राजे को बैठक से पहले ही नए मुख्यमंत्री का नाम प्रस्तावित करने के लिए मना लिया था।

शर्मा बोले, सबके सहयोग से विकास करेंगे :

विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद भजनलाल शर्मा ने कहा कि भाजपा के सभी नेताओं के साथ मिलकर राजस्थान का सर्वांगीण विकास करेंगे।

चौथी पंक्ति में बैठे थे भजनलाल शर्मा

प्रदेश मुख्यालय में बैठक से पहले राजनाथ के साथ सभी विधायकों का ग्रुप फोटो सेशन हुआ है। फोटो सेशन के दौरान वसुंधरा राजे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बिल्कुल बगल में बैठे थे। वहीं भजनलाल शर्मा चौथी पंक्ति में बैठे थे। दीया कुमारी दूसरी पंक्ति में थीं।

राजनाथ ने वसुंधरा से की वन-टु-वन बातचीत :

राजनाथ सिंह नए मुख्यमंत्री का नाम लेकर आए। बैठक से पहले उन्होंने होटल में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से वन-टु-वन बातचीत की। दोनों के बीच करीब 10 मिनट तक बातचीत चली। इसके बाद सभी नेताओं के बीच भी कुछ देर चर्चा हुई।

हैदराबाद, साइबराबाद व राचाकोंडा के पुलिस आयुक्तों का तबादला

के. श्रीनिवास रेड्डी | जी. सुधीर बाबू | अविनाश मोहंती

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में सत्ता परिवर्तन के बाद नौकरशाही में पहले बड़े बदलाव के तहत नई सरकार ने राज्य राजधानी क्षेत्र में तीन पुलिस आयुक्तों का तबादला कर दिया है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, संगठन और कानूनी, के. श्रीनिवास रेड्डी को स्थानांतरित कर हैदराबाद के पुलिस आयुक्त के रूप में तैनात किया गया है। भारत के चुनाव आयोग द्वारा सी.वी. आनंद को हटाए जाने के बाद पद संभाल रहे संदीप शांडिल्य अब तेलंगाना स्टेट एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो के निदेशक के रूप में तैनात हैं। सरकार ने हैदराबाद के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, यातायात, जी. सुधीर बाबू को स्थानांतरित कर राचकोंडा का पुलिस आयुक्त नियुक्त किया है। साइबराबाद के संयुक्त पुलिस आयुक्त (प्रशासन) अविनाश मोहंती साइबराबाद के नए पुलिस आयुक्त होंगे। वर्तमान राचाकोंडा आयुक्त देवेंद्र सिंह चौहान और साइबराबाद आयुक्त एम. स्टीफन रवींद्र को पुलिस महानिदेशक के कार्यालय में रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया है। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने तबादलों और पोस्टिंग पर सरकारी आदेश जारी किया।

अक्टूबर में, भारत के चुनाव आयोग ने हैदराबाद के तत्कालीन आयुक्त सी.वी. आनंद सहित कुछ पुलिस अधिकारियों के स्थानांतरण का आदेश दिया था और संदीप शांडिल्य को आयुक्त नियुक्त किया गया था।

'भारत में मनी हाईस्ट जैसी काल्पनिक सीरीज किसे चाहिए'

पीएम मोदी ने वीडियो साझा कर कसा तंज

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद के परिवार के स्वामित्व वाली एक शराब निर्माता कंपनी के खिलाफ छापेमारी के दौरान आयकर अधिकारियों ने अब तक 351 करोड़ रुपये जब्त किए हैं।

इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार इस घटना को लेकर कांग्रेस को घेर रहे हैं। उन्होंने मंगलवार को ही भाजपा के एक्स हैंडल पर पोस्ट किए एक वीडियो को साझा किया। प्रधानमंत्री ने इस पर कैप्शन में लिखा, भारत में मनी हाईस्ट जैसी काल्पनिक सीरीज की क्या जरूरत, जब आपके पास कांग्रेस है, जिसकी चोरियां 70 साल से ज्यादा से प्रसिद्ध हैं। पीएम ने जो वीडियो पोस्ट किया है, उसे भाजपा के एक्स हैंडल से पोस्ट किया गया है। इसमें पार्टी ने मनी हाईस्ट की थीम का इस्तेमाल करते हुए आयकर विभाग द्वारा कांग्रेस सांसद के परिसरों से जब्त रुपये का वीडियो पोस्ट किया है। वीडियो में मनी हाईस्ट का बैकग्राउंड म्यूजिक भी इस्तेमाल किया गया है। इसी वीडियो में सांसद की कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के साथ तस्वीर को भी दिखाया गया है। इतना ही नहीं क्लिप में मनी हाईस्ट की क्लिप को एडिट कर के एक कैरेक्टर के चेहरे पर राहुल गांधी का चेहरा लगाया गया है और उसे बड़े से लॉकर से निकलकर नोटों की गड्डियों पर लेटते दिखाया गया है। गौरतलब है कि आयकर विभाग ने झारखंड से कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य धीरज प्रसाद साहू के रांची और अन्य स्थानों पर स्थित परिसरों की भी तलाशी ली है।

यह स्पष्ट नहीं है कि साहू के घर से अब तक कितनी और नकदी और अन्य दस्तावेज जब्त किए गए। गिनती में आयकर विभाग और विभिन्न बैंकों के लगभग 80 लोगों की नौ टीमें शामिल थीं, जो सातों दिन 24 घंटे काम कर रही थीं। सुरक्षा कर्मियों, चालकों और अन्य कर्मचारियों सहित 200 अधिकारियों की एक और टीम गिनती से जुड़े काम में तब शामिल हुई जब कर अधिकारियों को कुछ अन्य स्थानों के अलावा नकदी से भरी 10 अलमारियां मिलीं थी।

प्रणव मुखर्जी की बेटी बोलीं-मेरे पिता चापलूस नहीं थे

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने कहा है कि उनके पिता चापलूसी नहीं करते थे, इसलिए राजीव गांधी ने उन्हें अपनी कैबिनेट में शामिल नहीं किया था। शर्मिष्ठा ने कहा कि उनके पिता ने बताया था कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यकाल में किया काम उनके राजनीतिक जीवन का गोल्डन पीरियड था। शर्मिष्ठा ने ये भी बताया कि राष्ट्रपति रहते हुए उनके पिता और पीएम नरेंद्र मोदी ने एक टीम की तरह काम किया था।

सोमवार 11 दिसंबर को शर्मिष्ठा ने अपने पिता पर लिखी किताब- 'प्रणव माई फादर: ए डॉटर रिमेंबर्स' को लॉन्च किया। इसी दौरान उन्होंने ये बातें बताईं। शर्मिष्ठा के मुताबिक, उन्होंने अपने पिता की डायरियों में लिखी बातों के आधार पर ये किताब लिखी है। इस किताब में राहुल गांधी से जुड़ी बहुत कम बातें हैं। शर्मिष्ठा ने राहुल गांधी को लेकर अपने पिता के विचार रखे। उन्होंने बताया कि उनके पिता उस ऑर्डिनेंस के विरोध में थे, जिसकी कॉपी सितंबर 2013 में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने फाड़ दी थी। शर्मिष्ठा बोलीं कि मैंने ही उन्हें ऑर्डिनेंस फाड़े जाने की खबर सुनाई थी।

गणतंत्र दिवस पर भारत नहीं आएंगे अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन

जनवरी में होने वाली क्वॉड की बैठक टाली

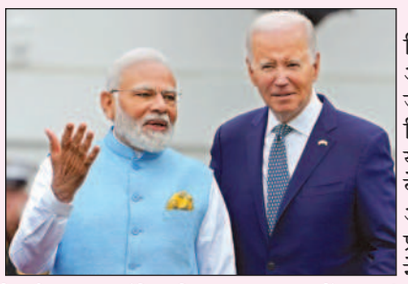

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन रिपब्लिक डे 2024 यानी गणतंत्र दिवस के लिए भारत नहीं आ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें चीफ गेस्ट के तौर पर आमंत्रित किया था। भारत में जनवरी में होने वाली क्वॉड समिट भी टाल दी गई है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक क्वॉड की मीटिंग के लिए भारत ने जो शेड्यूल बनाया है उस पर बाकी देश सहमत नहीं हैं। आखिरी बार 2015 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा गणतंत्र दिवस के समारोह में शामिल हुए थे। अपनी 3 दिन की यात्रा में ओबामा पीएम मोदी के साथ मन की बात कार्यक्रम में भी शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने जनता के कई सवालों के जवाब भी दिए थे।

हालांकि, इस बार अमेरिका ने अब तक भारत के गणतंत्र दिवस के न्योते पर कुछ नहीं कहा था। वहीं, क्वॉड के मेंबर देश ऑस्ट्रेलिया का नेशनल डे भी 26 जनवरी को होता है। इसके चलते एंथनी अल्बनीज उस वक्त क्वॉड की मीटिंग अटेंड नहीं कर सकते।

इसके चलते अब जापान के प्रधानमंत्री फुमिया किशिदा के भारत आने की भी ज्यादा उम्मीद नहीं है। 2023 की क्वॉड मीटिंग जी-7 देशों की बैठक के साथ जापान के हिरोशिमा शहर में हुई थी। इसी दौरान पीएम मोदी ने 2024 की बैठक भारत में होने की घोषणा की थी। इसके लिए सभी सदस्य देशों के प्रमुखों को भारत आना होगा। क्वॉड की अध्यक्षता हर साल सभी सदस्य देशों के बीच रोटेट होती है। 2023 में इसकी अध्यक्षता जापान के पास रही।

राज्यसभा में चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़ा बिल पेश

नियमों में बदलाव हो सकता है, नियुक्ति पैनल में कैबिनेट मंत्री के होने पर विवाद था

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद के शीतकालीन सत्र का (12 दिसंबर) सातवां दिन है। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और अन्य चुनाव आयुक्तों (ईसी) से नियुक्ति से जुड़ा बिल राज्यसभा में पेश कर दिया गया है। कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने यह बिल पेश किया है। यह बिल चुनाव आयोग (चुनाव आयुक्तों की सेवा की शर्तें और कामकाज का संचालन) अधिनियम, 1991 की जगह आया है।

इससे पहले, बिल इस साल 10 अगस्त को राज्यसभा में पेश किया गया था। तब यह सामने आया था कि ईसी की नियुक्ति प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष का नेता और कैबिनेट मंत्री वाला पैनल करेगा। पैनल में चीफ जस्टिस की जगह कैबिनेट मंत्री को लाने पर जमकर विवाद हुआ था। हालांकि विपक्ष, पूर्व चुनाव आयुक्तों के विरोध को देखते हुए सरकार इस बिल में बदलाव कर सकती है। फिलहाल, इस पर बहस जारी है। मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने मार्च 2023 में आदेश दिया था

कि इनकी नियुक्ति करने वाले पैनल में प्रधानमंत्री, विपक्ष का नेता और चीफ जस्टिस होना चाहिए। अगर लोकसभा में विपक्ष का नेता ना हो तो सबसे बड़े विपक्षी दल का नेता होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम जैसा सिस्टम होना चाहिए, ताकि पारदर्शिता रहे।

राहुल गांधी बोले, भाजपा मुद्दों से भटकाना चाहती है :

मंगलवार को संसद में जाने से पहले राहुल गांधी ने अमित शाह के नेहरू को लेकर दिए बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा, नेहरू जी ने इस देश के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। वे सालों तक जेल में थे। अमित शाह जी इतिहास नहीं जानते। मुझे उम्मीद नहीं है कि उन्हें इतिहास पता होगा क्योंकि वह इतिहास को फिर से लिखते रहते हैं। राहुल ने कहा, यह सब ध्यान भटकाने वाली बात है, मूल मुद्दा जाति जनगणना और भागीदारी का है। देश का पैसा किसके हाथ में जा रहा है। वे (भाजपा) इस मुद्दे पर चर्चा नहीं करना चाहती है। वो डरती है। और इससे भागती है। इससे पहले छठे दिन राज्यसभा की कार्यवाही हंगामेदार रही। गृहमंत्री ने जम्मू-कश्मीर आरक्षण (संशोधन) और पुनर्गठन (संशोधन) 2023 बिल पेश किए। इनके खिलाफ डीएमके सांसद एम अबदुल्ला ने पेरियार के देश बांटने वाले विचार बयान में शामिल किए। इस पर चेयरमैन जगदीप धनखड़ ने सख्ती दिखाते हुए कहा, देशविरोधी बातों की संसद में जगह नहीं।

ये दोनों बिल राज्यसभा से पास हो चुके हैं। यानी अब जम्मू में 43, कश्मीर में 47 विधानसभा सीटें होंगी। सीटें बढ़कर 90 होंगी। वहीं 24 सीटें पीओके के लिए रिजर्व की गई हैं। संसद में कश्मीरी पंडितों के लिए 2 और पीओके विस्थापितों की 1 सीट भी रिजर्व होंगी।

अमित शाह ने विपक्ष को चेतावनी दी :

राज्यसभा में बहस के दौरान अमित शाह ने धारा 370 हटाने का विरोध कर रहे विपक्ष को चेतावनी दी कि गलती किसी से भी हो सकती है। लौट आइए, नहीं तो जितने हो, उतने भी नहीं बचोगे। कांग्रेस अब भी 370 हटाने के फैसले को गलत बता रही है। वह कभी अच्छे काम का समर्थन नहीं करती। दरअसल, पूरे दिन बिल पर बहस के दौरान विपक्ष सुप्रीम कोर्ट के फैसले को गलत ठहराता रहा।

महुआ मोइत्रा को सरकारी आवास खाली करने का मिला नोटिस

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व सांसद और तृणमूल कांग्रेस नेता महुआ मोइत्रा को अगले 30 दिनों में सरकारी आवास खाली करने का नोटिस भेजा गया है। लोकसभा से निष्कासित किए जाने के बाद महुआ मोइत्रा ने सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका की है। उन्होंने अपनी याचिका में लोकसभा से अपने निलंबन को चुनौती दी है। लोकसभा सचिवालय ने शुक्रवार को एक अधिसूचना जारी कर 'कैश-फॉर-क्वेरी' आरोपों पर तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा को निचले सदन से निष्कासित करने की घोषणा की। यह अधिसूचना महुआ मोइत्रा को लोकसभा से निष्कासित किए जाने के कुछ घंटों बाद आई। लोकसभा की एथिक्स कमेटी ने अपनी एक रिपोर्ट में महुआ मोइत्रा को अपने हित को आगे बढ़ाने के लिए एक व्यवसायी से गिफ्ट स्वीकार करने का दोषी ठहराया गया था।

मणिपुर को दहलाने की कोशिश नाकाम : तेंगनौपाल जिले में भारी मात्रा में संदिग्ध आईईडी बरामद

इंफाल, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। मणिपुर में विद्रोही गुटों द्वारा मणिपुर को दहलाने की एक बड़ी साजिश को सुरक्षाबलों ने मंगलवार को विफल कर दिया। सुरक्षाबलों ने तेंगनौपाल जिले में सेनम और बोंगयांग के बीच भारी मात्रा में छिपाए गए संदिग्ध आईईडी की बरामदग की है। तेंगनौपाल थाने में मामला दर्ज कर आगे की जांच की जारी है। घटना की जानकारी मिलते ही तुरंत सुरक्षाबलों के अधिकारियों को घटनास्थल की ओर भेजा गया। पूरे इलाके को सुरक्षाबलों ने घेर लिया है।

सूत्रों के मुताबिक, मंगलवार सुबरह करीब 8.30 बजे मोहेर की ओर जाते समय बीएसएफ और एम एंड सी-1 अन्य सुरक्षाबलों के अधिकारियों ने तेंगनुपाल जिले में सेनम और बोंगयांग के बीच सड़क के किनारे भारी मात्रा में छिपाए गए संदिग्ध संदिग्ध वस्तुएं दिखी। इसके तुरंत बाद तेंगनौपाल से केएस-12 को भी मौके पर भेजा गया। एम एंड सी-1 और केएस-12 के सैनिकों ने संयुक्त रूप से तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान सड़क किनारे छिपाए गए आईईडी- 21 टुकड़े पाइप (संदिग्ध विस्फोटक से भरा हुआ), कॉर्डेक्स- करीब 700 मीटर, लचीला तार करीब 300 मीटर, दो कारें और खुदाई के उपकरण मिले।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू का तंज : कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियां फैला रही भ्रष्टाचार की बीमारी

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। भाजपा ने मंगलवार को कांग्रेस और उसकी गठबंधन पार्टियों पर भ्रष्टाचार फैलाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उनकी सहयोगी पार्टियों ने इतना भ्रष्टाचार फैलाया है कि इसके लिए सरकार के ही नहीं बल्कि लोगों को भी आंदोलन शुरू करना पड़ा। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता किरन रिजिजू ने कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियों के नेताओं पर लगे कई भ्रष्टाचार के मामलों की सूची जारी की। इसमें आरजेडी, टीएमसी और डीएमके भी शामिल हैं।

रिजिजू ने कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियों पर निशाना साधते हुए कहा, कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियां भ्रष्टाचार जैसी बीमारियां फैला रही है। इसके खिलाफ केवल सरकार को ही नहीं बल्कि देश की जनता को भी आंदोलन करना पड़ रहा है। कांग्रेस भ्रष्टाचार की दुकान बंद होना चाहिए और इसके लिए उचित कार्रवाई की जाएगी। भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई केवल मोदी जी की गारंटी है। जांच एजेंसियों को खुली छूट दे दी गई है। वह अब रुकने वाले नहीं हैं। भाजपा ने कांग्रेस सांसद धीरज साहु के ठिकानों से 200 करोड़ से अधिक की नगदी बरामद होने के बाद पार्टी (कांग्रेस) पर लगातार भ्रष्टाचार को लेकर निशाना साध रही है।

गुजरात को 338 करोड़ और हिमाचल प्रदेश को 633 करोड़ की वित्तीय मदद

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने मंगलवार को गुजरात सरकार को 338.24 करोड़ रुपये की वित्तीय मदद को मंजूरी दी है। मंत्रालय ने कहा कि राज्य चक्रवाती तूफान बिपरजॉय से प्रभावित था। 'बिपरजॉय' ने 16 जून को भारी बारिश के साथ गुजरात तट पर दस्तक दी थी। कच्छ और सौराष्ट्र क्षेत्र के कुछ हिस्सों में 140 किलोमीटर प्रति घंटे तक हवा की गति चली थी, जिससे पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ गए थे। बिपरजॉय के दस्तक देने से पहले एहतियात के तौर पर राज्य सरकार ने करीब एक लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया था। चक्रवात के कारण हुई भारी बारिश के चलते समुद्र का पानी निचले इलाकों में स्थित गांवों में घुस गया था।

इमरान खान की पार्टी पीटीआई को राहत

हाईकोर्ट ने आंतरिक चुनाव मामले पर ईसीपी को फैसला देने से रोका

इस्लामाबाद, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। पेशावर उच्च न्यायालय (पीएचसी) की ओर से पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) राहत मिली है। कोर्ट ने सोमवार को पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) को अंतर-पार्टी चुनावों पर फैसला देने से रोक दिया।

पेशावर उच्च न्यायालय की दो सदस्यीय पीठ- न्यायमूर्ति एसएम अतीक शाह और न्यायमूर्ति शकील शाह ने पीटीआई के आंतरिक-पार्टी चुनावों पर पाकिस्तान चुनाव आयोग के नोटिस के खिलाफ पीटीआई की याचिका पर सुनवाई की।

19 दिसंबर तक सुनवाई स्थगित :

रिपोर्ट के अनुसार, अदालत ने अपने फैसले में ईसीपी से पीटीआई के इंट्रा-पार्टी चुनावों पर अंतिम आदेश जारी नहीं करने को कहा और सुनवाई 19 दिसंबर तक के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले, ईसीपी ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के अंतर-पार्टी चुनावों को चुनौती देने वाली पार्टी के संस्थापक सदस्य अकबर एस बाबर की अपील के जवाब में पीटीआई को नोटिस जारी किया था। विशेष रूप से, पीटीआई के संस्थापक सदस्य अकबर एस बाबर ने इंट्रा-पार्टी चुनाव को नाटक बताया था। रिपोर्ट के अनुसार, एक वीडियो बयान में बाबर ने जोर देकर कहा कि पीटीआई ने पार्टी और उसके चुनाव चिन्ह 'बल्ले' को दांव पर लगा दिया है। उन्होंने चुनावों को दरकिनार करते हुए एक अंतर-पार्टी चुनाव आयोग के निर्माण का आह्वान किया।

'भारत-पाकिस्तान आपस में सुलझाएं मुद्दा'

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद चीन का बयान जारी

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के अनुच्छेद 370 के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए चीन ने अपनी राय रखी है। चीन का मानना है कि भारत और पाकिस्तान को कश्मीर मुद्दे को बातचीत और परामर्श के जरिए सुलझाना चाहिए।

चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि कश्मीर मुद्दे पर चीन की स्थिति स्पष्ट है।

कश्मीर मुद्दे पर चीन की सलाह

देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायधीशों की पीठ ने 11 दिसंबर को अनुच्छेद 370 पर फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू और कश्मीर से अनुच्छेद-370 को निरस्त करने के केंद्र के फैसले को वैध ठहराया है। अदालत ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस दिया जाए। साथ ही नए परिसीमन के आधार पर जम्मू-कश्मीर में जल्द से जल्द चुनाव करवाएं जाएं। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कश्मीर मुद्दों पर कहा, यह भारत और पाकिस्तान के बीच बहुत पुराना विवाद है। इसे यूएन चार्टर और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के प्रस्तावों और द्विपक्षीय समझौतों के अनुसार शांतिपूर्ण तरीकों से सुलझाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, दोनों पक्षों को बातचीत और परामर्श के जरिए विवाद को सुलझाकर क्षेत्र में शांति और स्थिरता की रक्षा करनी चाहिए। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया। इस फैसले पर पाकिस्तान ने कहा कि इसका कोई कानूनी मूल्य नहीं है। अंतर्राष्ट्रीय कानून ने पांच अगस्त 2019 को नई दिल्ली की एकतरफा और अवैध कार्रवाई को मान्यता नहीं देता है।

'351 करोड़ में कितने जीरो होते हैं, गिनना पड़ेगा

मैंने तो कभी जीवन में नहीं देखे', धीरज साहू पर बोले चिदंबरम

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री पी। चिदंबरम ने कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और कारोबारी धीरज साहू के ठिकानों से 350 करोड़ से ज्यादा कैश बरामद होने पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि मैंने अपने जीवन में 350 करोड़ रुपये नहीं देखे हैं। अगर आप मुझसे पूछें कि इसमें कितने शून्य होते हैं तो मुझे गिनना पड़ेगा।

कांग्रेस का इससे लेना-देना नहीं: चिदंबरम

चिदंबरम ने आगे कहा कि कांग्रेस का इससे कोई लेना-देना नहीं है। एक पार्टी सांसद के परिवार के स्वामित्व वाली डिस्टिलरी कंपनी के खिलाफ आईटी विभाग की छापेमारी के दौरान 351 करोड़ रुपये नकद जब्त किए गए। 'इतना कालाधन कहां से जमा कर लेते हैं।।।', 351 करोड़ की जब्ती के बीच धीरज साहू का पुराना ट्वीट वायरल, बीजेपी ने ली चुटकी उन्होंने कहा कि हम केवल एक पार्टी चलाते हैं, जहां एक पार्टी है और राजनीतिक उद्देश्यों के लिए पार्टी में सदस्य हैं। हमें इसकी चिंता नहीं है, ये एक व्यक्ति का बिजनेस है। वह जब समझाना चाहेगा, तब समझाएगा। 351 करोड़ की जब्ती हुई, एमपी को निलंबित नहीं किया, इंडिया गठबंधन को अमित शाह की फटकार

शराब कारोबारी हैं सांसद धीरज साहू

दरअसल, कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू शराब कारोबारी हैं। ये छापेमारी उनकी कंपनी बौद्ध डिस्टिलरी प्राइवेट लिमिटेड से जुडे.ठिकानों पर छह दिसंबर को शुरू हुई थी। धीरज साहू का परिवार शराब व्यवसाय से जुड़ा है। उनकी ओडिशा में शराब बनाने की कई फैक्ट्रियां हैं। संयुक्त पारिवारिक सहयोग से ये कारोबार चलाता है।

साहू ग्रुप पर टैक्स चोरी का आरोप

साहू ग्रुप पर टैक्स चोरी का आरोप है। इसी सिलसिले में 6 दिसंबर को छापेमारी की कार्रवाई शुरू हुई थी। इस छापेमारी में अब तक 351 करोड़ रुपये मिले हैं। इन गड्डियों को अलमारियों में रखा गया था। कैश की गिनती के काम में आयकर विभाग और विभिन्न बैंकों की लगभग 80 अधिकारियों की 9 टीमें जुटी थीं। इन्होंने 24 घंटे की शिफ्ट में काम किया।

बेंगलुरु पुलिस ने राजभवन को बम की धमकी वाले कॉल को बताया फर्जी

बेंगलुरु, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के राज्यपाल के आधिकारिक आवास राजभवन में बदमाशों द्वारा बम होने की अफवाह फैलाने की एक घटना मंगलवार को सामने आई। पुलिस के मुताबिक, राजभवन को बम की धमकी वाली कॉल सोमवार को रात 11.30 बजे की गई थी। अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे और तलाशी अभियान चलाया। बाद में पुलिस को पता चला कि यह एक फर्जी बम कॉल थी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कॉल राजभवन के लैंडलाइन फोन पर की गई थी और आरोपी ने दावा किया कि इमारत में बम लगाया गया है। विधान सौधा पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। 1 दिसंबर को बेंगलुरु के 60 से अधिक स्कूलों को एक धमकी भरा ईमेल मिला था,

'हम डरने वाले नहीं'

संजय राउत पर एफआईआर के बाद बोलीं सांसद प्रियंका चतुर्वेदी, 'सरकार इतनी तानाशाही '

सामना, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। सामना' में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित आपत्तिजनक लेख लिखने के लिए सोमवार को राज्यसभा सांसद संजय राउत के खिलाफ मामला दर्ज करने पर शिवसेना (यूबीटी) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, सरकार इतनी तानाशाही हो गई है कि कोई भी इनके खिलाफ बोले तो उन पर केस दर्ज दिया जाता है। कोई भी इनके खिलाफ मुद्दे उठाए तो उन्हें जेल में डाल दिया जाता है। ईडी, सीबीआई, आईटी को हथियार बनाया जा रहा है। विपक्ष को चुप कराने काम किया जा रहा है। 'सामना' हमेशा से प्रखरता से बोलता आया है। 'सामना' का संपादकीय जनता को आईना दिखाने वाला है। सरकारों को आईना दिखाने वाला है, वे काम हम करते आए हैं और करते रहेंगे। ऐसी शिकायतों से हम डरने वाले नहीं हैं।

संजय राउत के खिलाफ केस दर्ज

महाराष्ट्र के यवतमाल में पुलिस ने पार्टी के मुखपत्र 'सामना' में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ कथित आपत्तिजनक लेख लिखने के लिए शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत के खिलाफ सोमवार को मामला दर्ज किया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के यवतमाल के संयोजक नितिन भुटाडा ने 'सामना' अखबार के कार्यकारी संपादक राउत के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, भुटाडा ने दावा किया कि राउत ने 11 दिसंबर को प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक लेख लिखा था। पुलिस अधिकारी ने कहा कि विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने और अन्य अपराधों के लिए उमरखेड पुलिस थाने में राउत के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 153 (ए), 505 (2) और 124 (ए) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

आरिफ मोहम्मद खान

'का कार पर तीन बार हमला'

तिरुअनंतपुरम, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने सोमवार को सीएम पिनराई विजयन पर शारीरिक रूप से नुकसान पहुंचाने का गंभीर आरोप लगाया। आरोप के बाद केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के खिलाफ एसएफआई द्वारा काले झंडों के साथ विरोध प्रदर्शन किया गया। एसएफआई द्वारा काले झंडों के साथ विरोध प्रदर्शन पर केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा, । पुलिस को इन उपद्रवियों, अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने से रोका गया है। यह पांचवीं घटना थी। वे कार पर हमला करने के लिए काले झंडे के डंडे का उपयोग कर रहे थे। कार पर बहुत सारी खरोंचें हैं। ये लोग मुख्यमंत्री के निर्देश पर काम कर रहे हैं। मैं किसी को डराने की कोशिश नहीं करता और मेरे किसी भी चीज से डरने का सवाल ही नहीं उठता है।" केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के खिलाफ एसएफआई द्वारा काले झंडों के साथ विरोध प्रदर्शन पर केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता वी। मुरलीधरन ने कहा, तिरुवनंतपुरम में कल की घटना जहां केरल के राज्यपाल पर हमला किया गया, वह राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति के स्तर को दर्शाता है। राजभवन से हवाई अड्डे तक उनकी यात्रा के दौरान उन पर तीन बार हमला किया गया।

राम सेतु को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने का मामला कोर्ट में लंबित

लोकसभा में सरकार ने दी जानकारी

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद में एक बार फिर राम सेतु का जिक्र हुआ। सरकार ने संसद में बताया कि राम सेतु को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने का मामला कोर्ट में विचाराधीन है। केंद्रीय संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी ने लोक सभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह बात कहीं। अपने जवाब में उन्होंने यह भी कहा कि राम सेतु को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने का कोई प्रस्ताव फिलहाल लंबित नहीं है। उनसे पूछा गया था कि क्या देश में राम सेतु जैसे समुद्र में स्थित या डूबे हुए स्थलों को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने का अनुरोध भारत सरकार के पास लंबित है। उन्होंने कहा कि स्मारकों और स्थलों की घोषणा प्राचीन स्मारक और पुरातात्विक स्थल और अवशेष

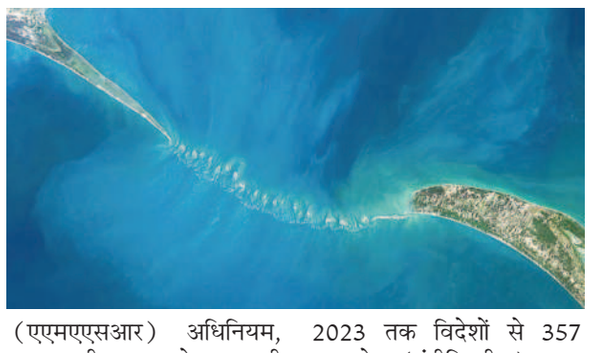

(एएमएएसआर) अधिनियम, 1958 की धारा 4 के तहत की जाती है। केंद्र सरकार दो महीने का समय देकर किसी भी प्राचीन स्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के अपने इरादे की अधिसूचना जारी करती है।

2014 के बाद 345 पुरावशेष विदेश से प्राप्त हुए

सरकार ने सोमवार को संसद में बताया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) ने 1976-2023 तक विदेशों से 357 पुरावशेष (एंटीक्विटीज) प्राप्त किए हैं। इसमें से 344 पुरावशेष 2014 के बाद प्राप्त किए गए हैं। केंद्रीय संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उनसे पिछले दस वर्षों के दौरान विदेशों से बरामद तमिलनाडु से संबंधित कलाकृतियों की संख्या के विवरण के बारे में भी पूछा गया था। उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि पिछले दस वर्षों के दौरान विदेशों से प्राप्त पुरावशेषों में से आस्ट्रेलिया, सिंगापुर, ब्रिटेन और अमेरिका से प्राप्त 31 पुरावशेष तमिलनाडु के हैं।

पीएम संग्रहालय के लिए 305.36 करोड़ रुपये खर्च किए गए

सरकार ने सोमवार को लोकसभा को बताया कि प्रधानमंत्री संग्रहालय परियोजना के लिए आवंटित बजट 340.33 करोड़ रुपये में से 30 नवंबर तक 305.36 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। केंद्रीय संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी ने भारत के प्रधानमंत्रियों पर आधारित संग्रहालय की मुख्य विशेषताओं और इस परियोजना के लिए आवंटित बजट से किए गए कुल सरकारी खर्च के बारे में एक सवाल के जवाब में यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री संग्रहालय का उद्घाटन माननीय प्रधान मंत्री द्वारा 14 अप्रैल, 2022 को किया गया था।

बीजेपी में अंदरूनी कलह बढ़ी, येदियुरप्पा पर आलाकमान को ब्लैकमेल करने का आरोप

बेंगलुरु, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में भाजपा के वरिष्ठ विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस। येदियुरप्पा पर अपने बेटे बी।वाई। विजयेंद्र को अध्यक्ष पद पर बिठाने के लिए आलाकमान को ब्लैकमेल करने का आरोप लगाने के बाद, पार्टी में अंदरूनी कलह बढ़ गई है। रात आरोप लगाने के बाद विधायक ने कहा, पता नहीं हाईकमान क्यों डर गया। वे अनुशासन की बात करते हैं। क्या हम गुलाम हैं? क्या हमारे पास ताकत नहीं है? हमें भी जनता का समर्थन हासिल है। येदियुरप्पा ने केंद्रीय नेताओं को यह कहकर ब्लैकमेल किया था कि वह 2025 के लोकसभा चुनावों के लिए प्रचार नहीं करेंगे। उन्होंने आलाकमान से कहा कि वह राज्य भर में नहीं घूमेंगे और खुद को शिवमोग्गा जिले तक ही सीमित रखेंगे। विधायक ने यह भी दावा किया कि इस साल के विधानसभा चुनाव में पूर्व मंत्री वी।

सोमन्ना को बलि का बकरा बनाया गया था। आश्चर्य की बात है कि विजयेंद्र ने पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई को हराने के लिए पैसे भेजे थे। अब, विजयेंद्र को भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बना दिया गया है। बोम्मई ने खुद अपनी हार के लिए विजयेंद्र द्वारा फंडिंग की बात साझा की थी। सच्चाई सामने आनी चाहिए कि पिता-पुत्र ने क्या साजिश रची।

क्या महाराष्ट्र में फिर से बहाल होगी पुरानी पेंशन योजना?

अजित पवार के बयान से बढ़ी हलचल

मुंबई, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने पुरानी पेंशन योजना को लेकर बड़ा बयान दिया है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान जब उनसे पुरानी पेंशन योजना को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि योजना के खिलाफ उनका पहले का रुख बदल गया है। साथ ही उन्होंने कहा इस मामले पर वह सकारात्मक रूप से पुनर्विचार करेंगे। नागपुर में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार वेतन, पेंशन राशि के बीच संतुलन बनाना चाहती है। राज्य सरकार पर वित्त पर बोझ न पड़े इसका ध्यान रखा जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि सीएम शिंदे, उपमुख्यमंत्री फडणवीस और मेरे बीच पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) के मुद्दे को लेकर चर्चा हुई थी। साथ ही कहा कि

उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने ओपीएस के प्रति अपना विरोध जताया था, जब मैं अतीत में राज्य का वित्त मंत्री था तब मैंने भी एक सत्र के दौरान ऐसी ही बातें कही थीं। हालांकि मेरी जानकारी के मुताबिक, केंद्र इस लंबित मामले पर विचार करने के बारे में सोच रहा है। महाराष्ट्र में कई सरकारी और अर्ध-सरकारी कर्मचारी पुरानी पेंशन योजना की बहाली की मांग कर रहे हैं, जिसे 2005 में राज्य में बंद कर दिया गया था। बता दें कि ओपीएस के तहत एक सरकारी कर्मचारी को उसके अंतिम आहरित वेतन के 50 प्रतिशत के बराबर मासिक पेंशन मिलती है। कर्मचारियों द्वारा अंशदान की कोई आवश्यकता नहीं थी। केंद्र सरकार लोकसभा चुनाव से पहले इस मुद्दे पर गंभीरता से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पात्र लोगों को वर्ष 2021 से वित्तीय लाभ मिलेगा। नई पेंशन योजना के मुताबिक, एक राज्य सरकार का कर्मचारी अपने मूल वेतन और महंगाई भत्ते का 10 प्रतिशत योगदान देता है और राज्य भी उतना ही योगदान देता है। फिर पैसा पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा अनुमोदित कई पेंशन फंडों में से एक में निवेश किया जाता है और रिटर्न बाजार से जुड़ा होता है।

फंड नहीं देने पर सुप्रीम कोर्ट ने फिर केजरीवाल सरकार को लगाई फटकार

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट को फंड न देने पर सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार इस बार फटकार लगाते हुए, न्यायाधीश सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने सवाल उठाए है कि आखिर दिल्ली सरकार फंड जारी करवाने क्या परेशानी आ रही है।हमें बृहस्पतिवार तक मंजूरी चाहिए। यह एक मॉडल हाईकोर्ट है और हालत देखिये। जजों की ट्रेनिंग हो रही है और कोई अदालत कक्ष नहीं है। गुरूवार तक फंड जमा करवाओ-सुप्रीम कोर्ट वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने कहा कि अभियोजकों और जजों को हाईकोर्ट में अपर्याप्त सुविधाओं के कारण समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। शीर्ष अदालत ने कहा कि शहर की जिला न्यायपालिका में 887 की स्वीकृत संख्या के मुकाबले 813 न्यायिक अधिकारी कार्यरत हैं।

अब मंजूरी प्राप्त इस संख्या को 118 कोर्टरूम की जरूरत है साथ ही 114 और कोर्टरूम्स की जरूरत है। गुरूवार तक फंड जमा करवाने को कहा। पीठ ने कहा, दिल्ली जिला न्यायपालिका की मांगों को पूरा करने में दिल्ली सरकार के रवैये के लिए हमें कोई कारण या औचित्य नहीं मिलता है। हम दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को इस मुद्दे पर कल एक बैठक बुलाने का निर्देश देते हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने भी पहले किया सवाल नवंबर में फंड की कमी की बात दिल्ली हाईकोर्ट भी उठा चुका है।

मराठा आरक्षण आंदोलन के प्रमुख मनोज जारांगे की बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में भर्ती

मुंबई, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। मराठा आंदोलन के प्रमुख चेहरे, शिवबा संगठन के अध्यक्ष और मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जारांगे पाटिल को बीड जिले के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। धाराशिव में एक सार्वजनिक रैली के दौरान उन्हें असहजता महसूस हुई और उन्हें अपना भाषण बीच में ही बंद करना पड़ा। जारांगे-पाटिल माकनी-करजगांव में एक विशाल सार्वजनिक बैठक में बोल रहे थे जब उन्हें अचानक कमजोरी महसूस हुई और फिर मंच पर बैठ गए। जैसे ही कुछ सहयोगी उनकी मदद के लिए दौड़े, वह कुछ मिनटों तक कमजोर ढंग से बोलते रहे, जिसके बाद उन्होंने हार मान ली और फिर उन्हें मंच से दूर ले जाया गया। उनकी जांच करने के लिए एक चिकित्सक को बुलाया गया और कहा गया कि उन्हें मधुमेह की कुछ समस्याएं हैं, उन्हें कुछ दवाएं दी गईं और उन्हें कुछ दिनों तक आराम से रहने की सलाह दी गई। हालांकि, एक सहयोगी ने कहा कि मराठा आरक्षण के लिए समर्थन जुटाने के लिए वर्तमान में कुछ जिलों के दौरे पर जारांगे पाटिल ने कथित तौर पर आराम करने के लिए चिकित्सा सलाह नहीं लेने का फैसला किया है और योजना के अनुसार अपने कार्यक्रम जारी रखेंगे। जारांगे-पाटिल ने महाराष्ट्र सरकार को ओबीसी कुनबी जाति श्रेणी में शामिल करके मराठा आरक्षण की घोषणा करने के लिए 24 दिसंबर का अल्टीमेटम दिया है, अन्यथा वह मुंबई की घेराबंदी करेंगे। पिछले महीने, जारांगे ने दावा किया था कि मराठा नेता पहले समुदाय के लिए आरक्षण के समर्थन में नहीं थे, और मराठों को आरक्षण नहीं देने के लिए सरकार पर 30-40 वर्षों से ओबीसी नेताओं का भी दबाव था। जारांगे ने महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर के एक निजी अस्पताल में संवाददाताओं से कहा, अगर हमें 24 दिसंबर तक आरक्षण नहीं दिया गया, तो हम इन नेताओं के नामों का खुलासा करेंगे। जारांगे के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन को देखते हुए, राज्य सरकार ने मराठा समुदाय के सदस्यों को कुनबी प्रमाण पत्र देने की व्यवहार्यता का अध्ययन करने के लिए गठित न्यायमूर्ति संदीप शिंदे (सेवानिवृत्त) समिति का दायरा बढ़ा दिया है।

दिल्ली हाईकोर्ट: उमर अब्दुल्ला को झटका

अलग रह रही पत्नी पायल से तलाक मांगने की याचिका खारिज

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला की एक याचिका को खारिज कर दिया है। इसके जरिये उमर ने अपने से अलग रह रही पत्नी पायल से तलाक मांगे जाने की अर्जी दायर की थी। इसे लेकर हाईकोर्ट ने कहा कि उनकी अपील में कोई योग्यता नहीं है। न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा और न्यायमूर्ति विकास महाजन की पीठ ने निचली अदालत के उस आदेश को बरकरार रखा, जिसने अब्दुल्ला को तलाक देने से इनकार कर दिया गया था। उच्च न्यायालय ने कहा कि ट्रायल कोर्ट के 2016 के फैसले को चुनौती देने वाली जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा दायर अपील में कोई दम नहीं है। अब्दुल्ला ने अलग रह रही पत्नी पायल अब्दुल्ला से इस आधार पर तलाक मांगा है कि पायल ने उसके साथ क्रूरता की है। अदालत ने फैसला सुनाते हुए कहा, 'क्रूरता के आरोप अस्पष्ट और अस्वीकार्य हैं। पारिवारिक अदालत के इस विचार में हमें कोई खामी नहीं मिली है। अपीलकर्ता ऐसे किसी भी कार्य को साबित करने में विफल रहा जिसे क्रूरता का कार्य कहा जा सकता है, चाहे वह उसके प्रति शारीरिक या मानसिक हो। 30 अगस्त 2016 को ट्रायल कोर्ट ने अब्दुल्ला की तलाक की मांग वाली याचिका खारिज कर दी थी।

तय हुई पीएम मोदी और सीएम ममता की मुलाकात

केंद्र से बंगाल का बकाया पैसा मांगेंगी 'दीदी'

कोलकाता, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी राज्य को वित्तीय बकाया जारी करने के लिए 20 दिसंबर को नई दिल्ली में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगी। रिपोर्ट के मुताबिक, ममता ने रविवार को दावा किया था कि केंद्र पर पश्चिम बंगाल का 1.15 लाख करोड़ रुपये बकाया है और भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को या तो फंड जारी कर देना चाहिए या कार्यालय खाली कर देना चाहिए। उन्होंने इसके लिए पीएम मोदी से समय मांगा और अब वह बुधवार (20 दिसंबर) को उनसे मुलाकात करेंगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अलीपुरद्वार में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए कहा था कि, बंगाल को बकाया 1.15 लाख करोड़ रुपये का फंड मांगा जाएगा। हम नारा लगाएंगे कि (या तो) गरीबों का पैसा दो या कुर्सी छोड़ दो। इस दौरान सीएम ममता ने 93 करोड़ रुपये से अधिक की 70 परियोजनाओं की भी घोषणा की थी। बैठक में बनर्जी ने कहा था कि, मैं कुछ सांसदों के साथ दिल्ली में रहूंगी। मैंने अपना बकाया दिलाने के लिए 18-20 दिसंबर के बीच प्रधानमंत्री से मिलने का समय मांगा है।

बंगाल की सीएम ने आगे कहा कि अगर केंद्र ने राज्य का बकाया चुका दिया होता, तो उनकी सरकार अपनी सामाजिक कल्याण योजनाओं के तहत और अधिक लोगों को शामिल कर सकती थी। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ममता बनर्जी ने कहा कि, "मैं हमेशा अपना वादा निभाती हूं, भाजपा के विपरीत, जिसने सभी बंद चाय बागानों को फिर से खोलने का वादा किया था।

अगर हमें अपना बकाया मिल जाता तो मैं और अधिक लोगों को सामाजिक योजनाएं पेश कर सकती थी। लंबित बकाए के बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र ने राज्य के लिए धनराशि रोक रखी है, जिसमें मनरेगा के तहत 100 दिनों का काम, आवास और जीएसटी संग्रह में राज्य का हिस्सा शामिल है। हालाँकि, पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में भाजपा नेतृत्व ने अक्सर दावा किया है कि मनरेगा के तहत बंगाल को धन जारी करना निलंबित कर दिया गया था क्योंकि राज्य सरकार पहले प्रदान की गई मौद्रिक सहायता का लेखा-जोखा प्रस्तुत करने में विफल रही थी।

छात्रा ने की मेट्रो ट्रैक से छलांग लगाने की कोशिश माता-पिता से हुई थी बहस

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली मेट्रो का एक और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ये वीडियो किसी की लड़ाई का नहीं और न ही रील्स बनाने का है। बल्कि एक महिला मेट्रो ट्रैक पर खड़ी होकर छलांग लगाने की कोशिश कर रही है। यह घटना शादीपुर मेट्रो स्टेशन पर सोमवार शाम की बताई जा रही है। जहां ट्रैक पर एक लड़की हाथ में मोबाइल लेकर खड़ी है। ट्रैक पर लड़की को देखने के बाद सड़क पर लोगों की भीड़ जुट गई। सोशल मीडिया पर 40 सेकेंड का वीडियो वायरल हो चुका है। समय रहते लड़की को पुलिस और स्टाफ की मदद से बचा लिया गया।

'तुम्हारी किडनी बेचकर खत्म करेंगे 1.50 करोड़ की उधारी, ब्याजखोरों ने दी व्यापारी को धमकी

अहमदाबाद, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात के अहमदाबाद में ब्याज पर उधार लेना एक व्यापारी को महंगा पड़ गया। उसने जिन ब्याजखोरों से पैसे उधार लिए थे, वे लोग व्यापारी को किडनी निकालकर बेचने की धमकी देने लगे। शख्स ने फिर पुलिस में मामला दर्ज करवा दिया।

मामला सेटेलाइट थानाक्षेत्र का है।

यहां वैलनेस हब नाम से स्पा एंड मसाज पार्लर चलाने वाले व्यापारी राजूभाई का धंधा अच्छा चलने के बाद उसने व्यापार बढ़ाने का सोचा। व्यापारी ने नई ब्रांच खोलने और उसमें फर्नीचर लगाने के लिए अपने मित्र हार्दिक त्रिपाठी के माध्यम से वन राजसिंह चावड़ा के पास से 10% ब्याज दर पर 55 लाख रुपए लिए। साथ ही मनोज खत्री से 45 लाख रुपए लिए और कमलेश पटेल एवं हार्दिक त्रिपाठी के पास से 65 लाख रुपए रुपए लिये।

कुछ वक्त तक तो व्यापारी ने पैसा समय पर लौटाया। लेकिन बीच में कुछ कारणों से वह पैसा लौटाने में लेट हो गया। जिसके बाद तीनों ब्याजखोर उसे धमकाने लगे। कहने लगे कि अगर पैसे नहीं लौटाए तो तुम्हारी किडनी बेच देंगे। उससे जो रकम आएगी हम रख लेंगे। यही नहीं, व्यापारी को जान से मार डालने की भी धमकी दी। एक दिन तो व्यापारी के घर आकर उसकी पत्नी की कार तक उठा ले गए। कहा कि तुम्हारे खिलाफ गलत केस बनवाकर जेल भिजवा देंगे। बार-बार की धमकियों से तंग आकर व्यापारी ने पुलिस के पास मामला दर्ज करवा दिया। फिलहाल पुलिस ने तीनों ब्याजखोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। जांच जारी है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 13 दिसंबर, 2023 3

युविचार

जब संसार प्रचण्ड तूफान का रूप धारण कर ले, तब सर्वोत्तम आश्रय-स्थल ईश्वर की गोद ही है

मंत्री कोंडा सुरेखा ने प्रजावाणी में लोगों की समस्याओं को सुना

दोपहर एक बजे के बाद शिकायतकर्ताओं को अनुमति नहीं

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन मंत्री कोंडा सुरेखा ने मंगलवार को यहां ज्योतिराव फुले प्रजा भवन में प्रजावाणी कार्यक्रम में भाग लिया और लोगों से आवेदन प्राप्त किए। बड़ी संख्या में लोग प्रजा भवन पहुंचे और अपने आवेदन जमा करने के लिए कतारों में खड़े दिखे।

राज्य सरकार ने प्रजा दरबार कार्यक्रम का नाम बदल दिया है, जिसे पिछले शुक्रवार को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने प्रजावाणी के रूप में लॉन्च किया था। प्रजावाणी में आए हर आवेदक की समस्या पूछी गई और उनके आवेदन लिए गए। अधिकारियों ने कहा कि प्रत्येक आवेदन के लिए एक अलग नंबर आवंटित किया गया है और आवेदकों के संदर्भ के लिए उनके मोबाइल नंबर पर एक संक्षिप्त संदेश भेजा गया है। सुबह 10 बजे से पहले प्रजा भवन में प्रवेश करने वाले सभी आवेदकों को अपनी शिकायतें दर्ज करने की अनुमति दी गई है।

जो लोग दोपहर 1 बजे के बाद प्रजा भवन आये थे उन्हें भवन के अंदर जाने की अनुमति नहीं थी। अधिकारियों ने बताया कि अगला प्रजा दरबार शुक्रवार 15, दिसंबर को यहां आयोजित होगा। इस दौरान जीएचएमसी कमिश्नर रोनाल्ड रॉस, आयुष विभाग के निदेशक हरिचंदना, वरिष्ठ आईएएस अधिकारी मुशर्रफ अली, हैदराबाद कलेक्टर अनुदीप दुरीशेट्टी, खैरताबाद जोनल कमिश्नर वेंकटेश डोत्री और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। गौरतलब है कि मंगलवार को प्रजावाणी कार्यक्रम सुबह 10 बजे से ज्योतिराव फुले प्रजा भवन, ग्रीनलैंड्स में जारी रहा। हालांकि, जो लोग सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे के निर्धारित समय के बाद आ रहे हैं, उन्हें भवन में जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है।

राज्य सरकार ने प्रजा दरबार कार्यक्रम का नाम बदल दिया है, जिसे पिछले शुक्रवार को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने प्रजावाणी के रूप में लॉन्च किया था। सुबह 10 बजे से पहले प्रजा भवन में प्रवेश करने वालों को शिकायतें दर्ज कराने की अनुमति दी जाएगी। कुछ लोग दोपहर 1 बजे के बाद प्रजा भवन पहुंचे तो उनकों शुक्रवार को आने के लिए कहा गया। इससे पहले दिन में, विभिन्न स्थानों से लोग बड़ी संख्या में आये और कार्यक्रम स्थल पर कतारबद्ध हो गये।

क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय में हज आवेदकों को विशेष सुविधा

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के हज आवेदकों की सुविधा के लिए, क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना राज्य हज समिति के समन्वय से, तीन दिनों यानी 13, 15 और 18 दिसंबर के लिए सिकंदराबाद में आरपीओ परिसर में एक विशेष काउंटर खोल रहा है। क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय द्वारा यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में आवेदकों से यह ध्यान देने का अनुरोध किया गया है कि इस काउंटर पर केवल तेलंगाना राज्य हज समिति के माध्यम से भेजे गए आवेदनों पर ही कार्रवाई की जाएगी। हज-2024 के संबंध में भारत सरकार की घोषणा के अनुसार, भारतीय हज समिति के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 4 दिसंबर को शुरू हुई और 20 दिसंबर को समाप्त होगी। आवेदकों के पास कम से कम 31 जनवरी, 2025 तक वैध पासपोर्ट होना चाहिए।

एआईएमआईएम विधायकों ने सीएम रेवंत से की मुलाकात

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को यहां सचिवालय में एआईएमआईएम विधायकों के साथ बातचीत की। बैठक के दौरान अकबरुद्दीन औवेसी के नेतृत्व में एआईएमआईएम विधायकों ने मुख्यमंत्री के संज्ञान में कई मुद्दे लाए हैं। उन्होंने पुराने शहर के विकास कार्यों और अन्य प्रस्तावित कार्यक्रमों पर चर्चा की है जो कुछ समय से लंबित हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मुख्य सचिव शांति कुमारी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अपने कक्ष में एक बैठक बुलाई और मुसी नदी और अन्य विकास कार्यों सहित विकास कार्यों पर चर्चा की। बहरहाल, एमआईएम विधायकों की मुख्यमंत्री से मुलाकात काफी मायने रखती है। यह पहली बार है कि मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद रेवंत रेड्डी ने एमआईएम विधायकों से मुलाकात की है। हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों के दौरान, कांग्रेस ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) सीमा में एक भी सीट नहीं जीत सकी और बीआरएस, बीजेपी और एमआईएम पार्टियों को सभी सीटें मिलीं। अब एमआईएम विधायकों से मुलाकात राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गई है। बैठक में मंत्री डी श्रीधर बाबू और दामोदर नरसिम्हा के साथ अन्य विधायक और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। मुख्यमंत्री से मुलाकात से पहले एमआईएम विधायकों ने यहां सोमाजीगुडा स्थित यशोदा अस्पताल में पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव से मुलाकात की और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। अकबरुद्दीन ओवैसी ने बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व मंत्री केटी रामाराव से कुछ देर बातचीत की और केसीआर का हालचाल लिया।

तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री ने श्रीवारी मंदिर में पूजा-अर्चना की

तिरुमाला, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ मंगलवार सुबह तिरुमाला में भगवान वेंकटेश्वर के मंदिर में पूजा-अर्चना की।

मंदिर के प्रवेश द्वार पर टीटीडी ईओ एवी धर्म रेड्डी द्वारा उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन के बाद, डिप्टी सीएम को रंगनायकुला मंडपम में वेदशिर्वचनम, भगवान का प्रसादम, शेष वस्त्रम और तीर्थम की पेशकश की गई।मंदिर के उप निदेशक श्री लोकानंदम, स्वागत अधिकारी श्री रामकृष्ण और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

केसीआर ने जनता से अस्पताल न आने की अपील की

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने लोगों से अनुरोध किया है कि वे यशोदा अस्पताल, सोमाजीगुडा न जाएं, जहां वह कुल हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी के बाद स्वास्थ्य लाभ कर रहे हैं। मंगलवार को जारी एक वीडियो में, उन्होंने लोगों से कहा कि वे अगले 10 दिनों तक उनसे मिलने न आएं, ताकि अस्पताल में मौजूद सैकड़ों अन्य मरीजों को असुविधा न हो और उन्हें संक्रमण होने का खतरा भी न हो, जिससे उनके ठीक होने में महीनों की देरी हो सकती है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने यशोदा अस्पताल का दौरा किया, केसीआर के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। चन्द्रशेखर राव ने अपने स्वास्थ्य की स्थिति को लेकर लोगों की चिंता के लिए उन्हें धन्यवाद देते हुए यह भी बताया कि अस्पताल के आसपास यातायात की भीड़ एक मुद्दा है, जिससे अस्पताल आने वाले अन्य मरीजों को भी असुविधा हो रही है।

शिक्षक, छात्र स्कूल में उगाने लगे हैं जैविक सब्जियां

हर दिन मिल रही है 2 किलोग्राम सब्जियां

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आत्मनिर्भरता प्राप्त करने और स्वस्थ भोजन प्रदान करने की एक कहानी में, एक प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक और छात्र संयुक्त रूप से दांडेपल्ली मंडल के पेद्दापेट गांव में स्कूल के परिसर में एक किचन गार्डन में विभिन्न सब्जियों की फसलें उगा रहे हैं और वह भी बिना किसी हानिकारक प्रभाव के। स्कूल में मध्याह्न भोजन के लिए सब्जियों का उपयोग किया जाता है। प्रधानाध्यापिका बी श्रीलता की माने तो स्कूल का बुनियादी ढांचा हाल ही में मन ऊरु-मन बड़ी योजना के तहत विकसित किया गया था। इस पहल के माध्यम से बनाई गई एक परिसर की दीवार, बोरवेल, ओवर हेड टैंक आदि के आगमन के साथ, संस्थान के एक कोने में एक खुली जगह पर टमाटर, हरी मिर्च, सेम, बैंगन, तुरई, पत्तेदार सब्जियां उगाना शुरू कर दिया। प्रधानाध्यापिका ने कहा कि वे हर दिन लगभग 2 किलोग्राम जैविक सब्जियां पैदा करने में सक्षम हैं।

मुख्यमंत्री नाश्ता योजना के तहत मध्याह्न भोजन और नाश्ता इन सब्जियों से तैयार किया जा रहा है, जिससे स्कूल के 52 छात्रों को स्वस्थ भोजन मिल रहा है। छात्र प्रतिदिन स्कूल से पहले और बाद में 30 मिनट बिताकर सब्जियां उगाने में शामिल होते हैं। मन ऊरु-मन बड़ी योजना की मदद से स्कूल में बदलाव आया। कुछ महीने पहले 22.80 लाख रुपये की अनुमानित लागत से स्कूल के बुनियादी ढांचे में सुधार किया गया, जिससे शिक्षकों और छात्रों को किचन गार्डन में सब्जियां उगाने में मदद मिली।

"योजना के तहत पुनर्निर्मित होने के बाद हमारा स्कूल अब कई मोर्चों पर एक कॉर्पोरेट संस्थान से कम नहीं है।" इस बीच, स्कूल की संख्या 2018 में 22 से बढ़कर 2023 में 52 हो गई। इसका श्रेय प्रधानाध्यापिका के निरंतर प्रयासों को जाता है, जिन्हें 2018 में यहां तैनात किया गया था। श्रीलता ने दावा किया कि उन्होंने कुछ बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए अपनी बचत से 2 लाख रुपये खर्च किए। विद्यार्थियों की सुविधा के लिए संस्था में पार्किंग टाइल्स, आधुनिक शौचालय आदि शामिल हैं।

पूर्व तट रेलवे

(1) निविदा सं.30236148,दिनांक:05.12.2023

कार्य का नाम : COFMOW विनिर्देश सं. COFMOW/HPSPMAE/2021(Rev.0) अथवा नवीनतम के अनुसार तीन फेज लोको ट्रैक्शन मोटर के लिए पिनियन माउन्टिंग एवं एक्सट्राक्शन (Extraction) हेतु ऑटोमेटेड हाई प्रेशर हाइड्रॉलिक सिस्टम की डिजाइन, उत्पादन, आपूर्ति, संस्थापन, प्रशिक्षण, परीक्षण एवं शुरुआत, क्षमता : सीनियर सेक्शन इंजीनियर/S/इलेक्ट्रिक लोको शेड/विशाखापट्टनम में सहगामी (Concomitant) उपकरण एवं आवश्यक स्पेयर्स के साथ 2500 बार (Bar)। वारंटी अवधि: सीनियर सेक्शन इंजीनियर/S/इलेक्ट्रिक लोको शेड/विशाखापट्टनम में वितरण की तारीख के बाद 30 महीने, मात्रा : 03 संख्यक। TPI द्वारा निरीक्षण।

दृष्टव्य : सामग्री 60 दिन के भीतर आपूर्ति की जानी चाहिए।

(2) निविदा सं.30236124,दिनांक: 06.12.2023

कार्य का नाम : वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक/वाल्टियर के विभिन्न स्थान में पूर्व तट रेलवे के वाल्टियर मण्डल (संलग्न विनिर्देश के अनुसार) में विभिन्न स्थान (संलग्न सूची के अनुसार) में 47 संख्यक स्मार्ट कार्ड ऑपरेटेड ऑटोमैटिक टिकट वेन्डिंग मशीन(ATVMs) की आपूर्ति, संस्थापन एवं शुरुआत। वारंटी अवधि: वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक/वाल्टियर के विभिन्न स्थान में आपूर्ति की तारीख के बाद 36 महीने, मात्रा : 47 सेट। TPI द्वारा निरीक्षण।

दृष्टव्य : सामग्री 120 दिन के भीतर आपूर्ति की जानी चाहिए।

(3) निविदा सं.30235888, दिनांक: 06.12.2023

कार्य का नाम : (1) RDSO विनिर्देश नं.ELRS/SPEC/SPM/0002[Rev.4] अथवा नवीनतम के अनुसार इलेक्ट्रिक इंजिनों (लोकोमोटिवों) के लिए माइक्रोप्रोसेसर बेस्ड इलेक्ट्रॉनिक स्पीड तथा एनर्जी मॉनिटरिंग सिस्टम [इंडिकेटिंग एवं रिकॉर्डिंग]। (2) RDSO विनिर्देश नं.ELRS/ SPEC/SPM/0002 [Rev.4] अथवा नवीनतम के अनुसार तीन फेज इलेक्ट्रिक लोकोमोटिवों के लिए माइक्रोप्रोसेसर बेस्ड इलेक्ट्रॉनिक स्पीड तथा एनर्जी मॉनिटरिंग सिस्टम (ESMON)। वारंटी अवधि: सीनियर सेक्शन इंजीनियर/S/इलेक्ट्रिक लोको शेड(ELS)/विशाखापट्टनम में वितरण की तारीख के बाद 30 महीने, मात्रा : 20 सेट। TPI द्वारा निरीक्षण।

दृष्टव्य : सामग्री 120 दिन के भीतर आपूर्ति की जानी चाहिए।

निविदा खुलने की तिथि एवं समय: दिनांक 04.01.2024 को 1500 बजे (क्रम सं.1 हेतु) एवं दिनांक 05.01.2024 को 1500 बजे (क्रम सं.2 एवं 3 हेतु)।

संपूर्ण विस्तृत विवरण उपलब्ध होंगे www.ireps.gov.in में।

वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक/वाल्टियर

PR-876/O/23-24

महिलाओं को परेशान करने वालों की खैर नहीं : टी. उषा

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा की शी टीमों ने पंद्रह दिनों में अंदर महिलाओं को परेशान करने के आरोप में 117 को पकड़ा है। डीसीपी उषा विश्वनाथ ने कहा कि रचाकोंडा शी टीम्स पुलिस लड़कियों और महिलाओं को परेशान करने वाले को नहीं छोड़ेगी और महिलाओं को निडर होकर शिकायत करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों, मेट्रो स्टेशनों, स्कूलों, कॉलेजों, सब्जी बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं और लड़कियों और महिलाओं का पीछा करने वाले गुंडों की हरकतों को सबूत के तौर पर लिया जाता है और पेश किया जाता है।

अदालत और उनके माता-पिता की उपस्थिति में परामर्श दिया गया। आज राचकोंडा कैंप कार्यालय में छेड़छाड़ करने वालों के लिए काउंसलिंग आयोजित की गई। शी टीमों ने 117 लोगों (मेजर-47, नाबालिग-70) को गिरफ्तार किया जो राचकोंडा कमिश्नरेट में महिलाओं और युवा महिलाओं को परेशान कर रहे थे। उन्हें भूमिका महिला कलेक्टिव (एनजीओ) द्वारा एलबी नगर सीपी कैंप कार्यालय (महिला सुरक्षा विंग कार्यालय) में परिवार के सदस्यों की उपस्थिति में परामर्श दिया गया।

पिछले महीने 16 से 30 नवंबर तक 135 शिकायतें मिलीं, महिला सुरक्षा विंग रचाकोंडा की डीसीपी सुश्री टी. उषा विश्वनाथ ने कहा कि उन्होंने बताया कि शिकायतों पर जांच कर कार्रवाई पूरी कर ली गई है। प्राप्त शिकायतों में से 24 को फोन द्वारा परेशान किया गया, 30 को व्हाट्सएप कॉल और संदेशों के माध्यम से परेशान किया गया। 18 को सोशल मीडिया ऐप के माध्यम से परेशान किया गया, 63 को सीधे तौर पर परेशान किया गया। इनमें आपराधिक मामले 04, छोटे मामले 47 थे और काउंसलिंग की गई। 68 लोगों को दिया गया।

लोकसभा चुनाव 2024

'मंच, माला और माइक से दूर रहें विस्तारक, बूथों को मजबूत करें, माहौल भाजपा के पक्ष में'

लखनऊ, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने कहा कि विधानसभा विस्तारक अपने विधानसभा क्षेत्र में मंच, माला, माइक और प्रलोभन से दूर रहकर बूथ को मजबूत बनाएं। वह लखनऊ के नहरिया में अवध, काशी और गोरखपुर क्षेत्र की 225 विधानसभा सीटों पर तैनात विस्तारकों के प्रशिक्षण शिविर को संबोधित कर रहे थे। यह प्रशिक्षण शिविर सोमवार को संपन्न हो गया। शिविर में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि वातावरण पूरी तरह पार्टी के अनुकूल हैं। वर्ष 2024 में भाजपा सरकार बनने के साथ ही देश सौ वर्ष आगे बढ़ जाएगा। वहीं, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी से विपक्षी दल बौखला गए हैं। सोशल मीडिया विभाग के संयोजक अंकित सिंह चंदेल और आईटी विभाग के संयोजक कामेश्वर मिश्रा ने चुनाव में आईटी व सोशल मीडिया प्लेटफार्म के उपयोग की जानकारी दी। शिविर में विस्तारकों को विधानसभा क्षेत्र आवंटित किए गए। इस दौरान अवध के क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा, उपाध्यक्ष राहुलराज रस्तोगी व अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

काशी आ रहे हैं पीएम मोदी

नमो घाट का करेंगे मुआयना; देंगे इन परियोजनाओं की सौगात

वाराणसी, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने काशी दौर में लगभग दो दर्जन परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे। इसमें 17 परियोजनाएं पूरी हो गई हैं। छह परियोजनाओं का शिलान्यास होगा। इन सभी की लागत करीब 1000 करोड़ है। इसके अलावा रेलवे की कई योजनाएं भी पूरी हो गई हैं। कुछ का शिलान्यास होना है। जिला प्रशासन इसका चयन कर रहा है। एक अनुमान है कि रेलवे की परियोजनाएं शामिल होने के बाद काशी को करीब 2000 करोड़ की परियोजनाएं मिलेंगी। प्रधानमंत्री 17 दिसंबर को दोपहर में आएंगे। इसके बाद वह छोटी कटिंग में विकसित भारत संकल्प यात्रा चौपाल कार्यक्रम में पहुंचेंगे। यहां पर नगर निगम के तीन वार्ड और कैंटोनमेंट क्षेत्र के लाभार्थी शामिल होंगे। जिला प्रशासन की तरफ से 14 विभागों के स्टाल लगाए जाएंगे। प्रधानमंत्री यहां लगभग 45 मिनट रहेंगे। वह अपने स्वभाव के अनुसार कुछ लाभार्थियों से बात भी कर सकते हैं। इसके बाद मोदी नमो घाट जाएंगे। वहां पर काशी और तमिल संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम का अवलोकन करेंगे। इसके बाद वह तमिलनाडु से आए हुए प्रतिभागियों को भी संबोधित करेंगे। यहां प्रधानमंत्री गरीब डेढ़ घंटे रहेंगे। प्रधानमंत्री अगले दिन 18 दिसंबर को सुबह 11:00 बजे के करीब सर्व वेद मंदिर पहुंचेंगे। वहां से सीधे सेवापुरी स्थित जनसभा स्थल बरकी पहुंचेंगे। बरकी में जनसभा को संबोधन के साथ ही मोदी लोकार्पण एवं शिलान्यास, विकसित भारत संकल्प यात्रा, खिलाड़ियों द्वारा प्रदर्शन और महिलाओं द्वारा ड्रोन उड़ाने आदि का अवलोकन करेंगे। इस प्रकार व करीब 2 घंटे बरकी में रहेंगे।

यूपी में फिर कमान संभालेंगी प्रियंका गांधी! 20 दिसंबर से शुरु होगा मिशन

सहारनपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 को देखते हुए कांग्रेस ने यूपी में अपनी तैयारी तेज कर दी है। राहुल गांधी का भारत जोड़ो यात्रा की तर्ज पर कांग्रेस जल्द ही यूपी में परिवर्तन यात्रा की तैयारी कर रही है। कांग्रेस की इस परिवर्तन यात्रा में खुद प्रियंका गांधी शामिल हो सकती है। माना जा रहा है कि इसके जरिए प्रियंका एक बार फिर से यूपी में कांग्रेस की कमान संभालते हुए एक्टिव नजर आ सकती हैं। कांग्रेस की ये परिवर्तन यात्रा 20 दिसंबर से शुरू होने जा रही है। ये पदयात्रा प्रदेश नौ जिलों से होकर गुजरेगी। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता जमीन स्तर पर लोगों को कांग्रेस के साथ जोड़ने की कोशिश करेंगे और संगठन को मजबूत बनाने पर काम किया जाएगा। इस पदयात्रा के लिए 25 दिनों का कार्यक्रम तैयार किया गया है।

सहारनपुर से शुरू होगी पदयात्रा

कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा की शुरुआत 20 दिसंबर से सहारनपुर के गंगोह से होगी, जहां से ये यात्रा बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद होते हुए सीतापुर पहुंचेगी। इसी के साथ कांग्रेस अपना स्थापना दिवस भी जनता के बीच ही मनाएगी। इस दौरान प्रदेश के तमाम हिस्सों से बड़े स्तर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के शामिल होने की उम्मीद है। पिछले दिनों लखनऊ में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की अध्यक्षता में एक बैठक हुई थी, जिसमें यूपी में कांग्रेस के संगठन को मजबूत बनाने के लिए भारत जोड़ो यात्रा की तर्ज पर परिवर्तन पदयात्रा निकालने का सुझाव दिया गया था, पार्टी के तमाम अधिकारियों ने इस पर अपनी सहमति जताई थी, जिसके बाद आगामी चुनाव को देखते हुए इसे बेहद अहम माना जा रहा है। आपको बता दें कि प्रियंका गांधी कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव हैं और यूपी की प्रभारी भी हैं। पिछले साल हुए यूपी विधानसभा चुनाव में प्रचार की कमान उन्ही के हाथों में थी। प्रियंका गांधी ने इन चुनावों में जमकर प्रचार किया था, हालांकि पार्टी को इसका ज्यादा फायदा नहीं हुआ और कांग्रेस को सिर्फ दो सीटों पर ही जीत हासिल हुई थी। यूपी में कांग्रेस की स्थिति काफी कमजोर है। यहां कांग्रेस के दो विधायक और रायबरेली से एक सांसद वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी हैं। 2019 लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी को अमेठी में बीजेपी की स्मृति ईरानी के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

आठ हजार से अधिक मौतें! बिहार में सड़क हादसों में लगातार जा रही है जान, एनसीआरबी के आंकड़े देख फटी की फटी रह जाएंगी आंखें

पटना, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। ओवरस्पीड और वाहन चलाते समय सुरक्षा मानकों की धज्जियां उड़ाना कितना खतरनाक हो सकता है, इसका एक प्रमाण है बिहार में जान से असमय हाथ धो लेने वाले 8,898 लोग। यह एक आंकड़ा भर नहीं, सड़क पर चलते समय लापरवाही के कारण दुर्घटना की वह भयावहता है, जिसे वे सैकड़ों परिवार कभी नहीं भूल पाएंगे। इनमें वाहन चलाने वालों ने स्वयं की भी जिंदगी लील ली, साथ-साथ औरों को भी लेते चले गए। एनसीआरबी (नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो) की रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2022 में जितने घायल हुए, उससे कहीं अधिक मौतें हुईं। 8,898 लोगों की मौत हुई, तो 7068 घायल हुए। दुर्घटना के शिकार होने वालों में ज्यादातर पैदल और बाइक सवार रहे। बाइक चलाने वाले किस तरह लापरवाही बरत रहे, ये आंकड़े बता रहे हैं और सचेत भी कर रहे। राज्य में सड़क दुर्घटना के 10,801 मामले आए थे। ओवर स्पीड में 4,868 और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण 3200 लोगों की मौत हो गई। पटना में भी ओवरस्पीड के कारण सबसे अधिक 69 लोगों की मौत हुई और 44 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जागरूकता के तमाम उपाय के बाद भी सड़क सुरक्षा का ध्यान नहीं रखने वाले दुर्घटना के कारण अपंगता और मौत का बड़ा कारण बनते जा रहे हैं। राजधानी की सड़कों पर ट्रैक्टर से 26, बस से दो, कार से 12, ऑटो से 30 और बाइक से 83 लोगों की जान गई। इसमें पैदल चलने वाले 28 लोगों वाहनों की चपेट में आ गए। सड़कों पर रेस लड़ाने वाले आटो, टैक्ट्रर और बाइक से अक्सर दुघटनाएं हो रही हैं। जो कैमरे की जद में आते हैं,

'भाजपा कुछ भी कहे, हम बिहार में शराबबंदी नहीं रहने देंगे'

जीतन राम मांझी ने खोला मोर्चा; नीतीश और लालू को कह दी ये बड़ी बात

पटना, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी आए दिन सीएम नीतीश कुमार और राजद प्रमुख लालू यादव को तमाम मुद्दों पर घेरते हैं। अब उन्होंने मीडिया से कहा कि नीतीश कुमार काम के बल पर नहीं बल्कि स्टंट के दम पर चुनाव जीतते हैं। उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश महिलाओं पर अभद्र टिप्पणी और अति पिछड़ों को लेकर अपने विचार को लेकर फंस गए हैं। मांझी ने कि चुनाव के लिए नीतीश के पास केवल एक ही स्टंट बचा है, वह बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने की बात। उन्होंने कहा कि जब उन्हें पता है कि चौदहवी वित्त आयोग, रघुराज राजन कमिटी और नीति आयोग ने साफ कर दिया है कि विशेष राज्य का दर्जा का कंसेप्ट सही नहीं है, इसे नहीं लाना चाहिए। मांझी ने आगे कहा कि जब यह सारी बातें हो चुकी हैं, तो नीतीश कितनी बार भी बोल लें बिहार को विशेष राज्य का दर्जा कैसे मिल सकता है? सच बात यह है कि भारत सरकार ने नीतिगत निर्णय लिया है कि अब वह विशेष राज्य का दर्जा किसी भी स्टेट को नहीं देगी, फिर बिहार को कैसे मिलेगा? वहीं, लालू और नीतीश पर करते हुए मांझी ने कहा कि यह बड़े भाई और छोटे भाई ने 33 साल तक बिहार पर राज किया लेकिन आज भी गरीबी खत्म नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि आज भी करोड़ों लोग ऐसे हैं, जिन्हें दो टाइम का भोजन नसीब नहीं है, यह कलंक की बात है। उन्होंने कहा कि अगर यह लोग संवेदनशील होते तो इस्तीफा दे देते।

शराबबंदी को लेकर मांझी का बयान

इसके आलवा, उन्होंने शराबबंदी को लेकर कहा कि भाजपा का अपना स्टैन्ड है, लेकिन हम बिहार में शराबबंदी नहीं रहने देंगे। इससे गरीबों को नुकसान होता है। थोड़ा भी शराब पीने पर उन्हें जेल में डाल दिया जाता है। वहीं, रात में दस बजे के बाद लाख रुपये का शराब पुरुष और महिलायें पीती हैं, उनपर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। मांझी ने कहा कि भाजपा का अपना स्टैन्ड है, हमारा अपना स्टैन्ड है। उन्होंने कहा कि हम बिहार में शराबबंदी नहीं रहने देंगे, अगर रहेगा भी तो गुजरात पैटर्न पर इसे लागू किया जाएगा।

किशोरी से दुष्कर्म मामले में भाजपा विधायक रामदुलार गोंड दोषी करार, इस दिन सुनाई जाएगी सजा

सोनभद्र, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र से एक बड़ी खबर आ रही है। किशोरी से दुष्कर्म मामले में दुद्धी सीट से भाजपा विधायक रामदुलार गोंड को दोषी पाया गया है। वर्ष 2014 में प्रधानपति रहते हुए नाबालिग से दुष्कर्म का आरोप लगा था। मामले पर अब 15 दिसंबर को सजा सुनायी जाएगी। किशोरी से दुष्कर्म के मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट ने भाजपा विधायक रामदुलार गोंड को दोषी करार दिया है। मंगलवार को सुनवाई के बाद एमपी-एमएलए कोर्ट के न्यायाधीश एहसानुल्लाह खान ने सजा सुनाने के लिए 15 दिसंबर की तिथि निर्धारित की है।

खतौली चेयरमैन हाजी शाहनवाज जाति प्रमाणपत्र के मामले में दोषी

अधिकार सीज, एसडीएम को बनाया प्रशासक

खतौली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। शासन ने जाति प्रमाणपत्र के मामले में चेयरमैन हाजी शाहनवाज लालू के अधिकार सीज कर दिए गए हैं। वह वित्तीय एवं प्रशासनिक रूप से पालिका के किसी कार्य में प्रतिभाग नहीं कर पाएंगे। चेयरमैन पर कार्रवाई होने के बाद खतौली एसडीएम को पालिका में प्रशासक नियुक्त किया गया है। शासन ने जाति प्रमाणपत्र के मामले में चेयरमैन को दोषी मना है। इस कार्रवाई से चेयरमैन समर्थकों में मायूसी है, जबकि विरोधी खेमा हर्ष जता रहा है। रालोद के सिंबल पर 13 मई को चुनाव जीतने के बाद हाजी शाहनवाज लालू ने चेयरमैन पद की शपथ ली थी। वह दूसरी बार चेयरमैन बने हैं। शपथ ग्रहण के अगले दिन चेयरमैन के विरुद्ध जाति प्रमाण-पत्र को लेकर शिकायत की गई थी। अध्यक्ष पद के प्रत्याशी रहे कृष्णपाल सैनी, कांग्रेस नेता जमील अंसारी ने चेयरमैन हाजी शाहनवाज पर मूल जाति छिपाकर पिछड़े वर्ग में कलाल जाति का अवैध प्रमाण-पत्र बनवाकर चुनाव जीतने के आरोप लगाए थे।

बीजेपी फर्जी सनातनी? जेडीयू ने खोजा मोहन यादव का पुराना वीडियो, कर दिया 'बेनकाब'!

पटना, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में बीजेपी ने मोहन यादव को अपना सीएम घोषित किया है। बीजेपी के इस कदम से बिहार तक खलबली मच गई है। जेडीयू ने बीजेपी को घेरते हुए मोहन यादव के एक पुराने वीडियो से हमला किया है। मंगलवार को जेडीयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने एक्स पर वीडियो को शेयर करते हुए कहा है कि बीजेपी का फर्जी हिंदुत्व आज बेनकाब हो गया है। अपने जारी किए गए बयान में नीरज कुमार ने कहा कि आज इस बात की पुष्टि हुई कि फर्जी सनातनी को बीजेपी में सम्मान मिलता है। मध्य प्रदेश के नवनियुक्त मुख्यमंत्री मोहन यादव उनका यह मंतव्य है कि सीता वन नहीं गई थी बल्कि उनका तलाक हुआ था। सीता पृथ्वी में नहीं समाई थी बल्कि आत्महत्या की थी। जगत

जननी सीता उनके बारे में ये कहना कि तलाक हुआ था और आत्महत्या की थी ये सीधे तौर पर मां सीता का अपमान है। ये बिहार की धरती है। जगत जननी का अपमान करने वाली भारतीय जनता पार्टी का नेता आज मुख्यमंत्री बन रहा।

'सीता के बिना प्रभु श्री राम का नाम अधूरा'

नीरज कुमार ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा- खुद को राम भक्त कहने वाले माता सीता का करते अपमान, जगत जननी मां सीता के बिना प्रभु श्री राम का नाम अधूरा है, यह कैसे फर्जी सनातनी हैं जिन्होंने माता सीता का अपमान कर रहे, मां सीता का तलाक कहने वाले और आत्महत्या कहने वाले को बीजेपी देती है सम्मान। मोहन यादव के वीडियो में क्या है? नीरज कुमार ने बयान जारी करते हुए एक एक्स पर मोहन यादव का वीडियो शेयर किया है जिसमें वो कह रहे हैं कि, ये तलाक के बाद वाला जीवन समझ लो आप, अच्छी भाषा में कहा जाए तो पृथ्वी फट गई और माता सीता समा गई, और सरल भाषा में सरकारी भाषा में कहा जाए तो एक तरह से उनकी पत्नी ने उनके सामने अपना शरीर छोड़ा और शरीर छोड़ने को आत्महत्या के रूप में ही माना जाता है।

तीन बच्चों का बाप बना सास का आशिक, रात के अंधेरे में मिलने पहुंचा तो ग्रामीणों ने पेड़ से बांधकर की पिटाई

जमुई, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। रिश्तों को तार-तार कर एक युवक का दिल पत्नी की बजाय सास पर आ गया। रात के अंधेरे में वह सास से मिलने पहुंच गया। लेकिन, इस दौरान युवक को ग्रामीणों ने रंगे हाथ पकड़ लिया और उसे पेड़ से बांध दिया। इसके बाद इसकी सूचना उसकी पत्नी को दी गई। मौके पर पहुंची पत्नी ने झाड़ू से पति की जमकर पिटाई कर दी। जिसका एक वीडियो भी सामने आया है और अब यह वीडियो इंटरनेट मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। बताया जाता है कि लक्ष्मीपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बघमा निवासी सुनील कुमार का दिल पत्नी के बजाय रिश्ते की मामी सास पर आ गया। उसकी मामी सास काला गांव की रहने वाली है। दोनों एक- दूसरे के प्रेम में पड़ गए और दोनों का मिलना-जुलना शुरू हो गया।

लखनऊ में अफसर की बेटी से गैंगरेप पर अखिलेश यादव ने तंज कसा

लखनऊ, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक गैंगरेप की घटना पर अब सियासत शुरु हो गई है। राजधानी में चलती एसयूवी कार के अंदर एक सेवारत पीसीएस अधिकारी की 23 वर्षीय बेटी के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना हुई थी। ये घटना राजधानी में बीते 5 दिसबंर को हुई थी। अब इसपर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की की प्रतिक्रिया आई है। सपा प्रमुख ने कहा, 'ये उप्र में अपराध के ख़िलाफ़ ज़ीरो टॉलरेंस के ज़ीरो हो जाने का परिणाम है। निंदनीय।' उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया सोशल मीडिया के एक्स पर दी है, जिसमें उन्होंने कुछ पेपर की क्लीप भी शेयर की है। दरअसल, रविवार रात को ये घटना तब सामने आई, जब पीड़िता ने वजीरगंज पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस ने सोमवार को तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जिनकी पहचान सत्यम मिश्रा (22), सुहैल (23) और असलम (31) के रूप में हुई है।

केजीएमयू में किया गया था भर्ती

जांच की निगरानी कर रहे अतिरिक्त डीसीपी पश्चिमी क्षेत्र चिरंजीव नाथ सिन्हा ने कहा कि पीड़िता 5 दिसंबर के दिन किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) गई थी, जहां उसका मनोचिकित्सक से इलाज चल रहा था। वह विभाग के गेट के पास एक चाय की दुकान पर गई थी, जिसे आरोपी व्यक्ति चला रहे थे। एडीसीपी ने कहा, हमने 120 कियोस्क/स्टॉलों का सत्यापन अभियान चलाया और उनकी तस्वीरें लीं और उन्हें बचे लोगों को दिखाया। इस संबंध में अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया, 'फिर हमने सत्यम को उठाया जो सुहैल और असलम की चाय की दुकान पर काम करता था, जिसकी कार का अपराध में इस्तेमाल किया गया था। निगरानी विवरण और सीसीटीवी फुटेज से अपराध में उनकी भूमिका का पता चला।' बता दें कि इस घटना के बाद राजधानी में एक बार फिर यूपी पुलिस सवालों के घेरे में है। तमाम राजनीतिक दल अब योगी सरकार की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहे हैं।

बहू निखत से बोला मुख्तार

मैं बहुत बदनसीब हूं, बांदा जेल में तीन घंटे तक पोते का चूमता रहा माथा

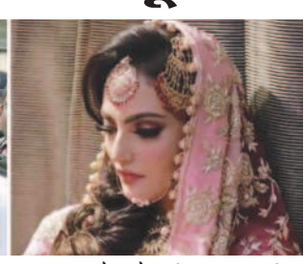

बांदा, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी के बाहुबली माफिया मुख्तार अंसारी बांदा जेल में बंद हैं। उनसे मुलाकात के लिए उनकी बहू निखत अपने बेटे के साथ बांदा जेल पहुंची। वकील की मौजूदगी में उनकी मुलाकात जेल मैनुअल के अनुसार माफिया मुख्तार अंसारी से कराई गई। इस दौरान जेल प्रशासन पूरी तरह चौकन्ना नजर आया। वहीं जेल में बहू निखत और दो साल के पोते को देखते ही मुख्तार ने उन्हें सीने से लगा लिया। इस दौरान भावुक हुए माफिया ने कहा कि अब कुछ दिन सुकून और चैन से कट जाएंगे। सुबह करीब साढ़े दस बजे बाहुबली माफिया की बहू निखत अपने दो साल के बेटे के साथ बांदा जेल पहुंची। इसके बाद बांदा के एक वकील की मौजूदगी में निखत 11 बजे जेल के अंदर दाखिल हुईं। इसके बाद सवा दो बजे वो जेल से बाहर निकलीं। इस दौरान निखत ने मीडिया से दूरी बनाए रखी। हालांकि उन्होंने धीमी आवाज में ये जरूर कहा कि यहां सच बोलना भी अपराध है। बांदा जेल अधीक्षक वीरेश राज शर्मा ने बताया कि सोमवार को कोर्ट के आदेश पर निखत की मुलाकात माफिया मुख्तार से कराई गई। इस दौरान जेल मैनुअल का पूरा पालन किया गया। मुलाकात के दौरान एलआईयू, जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में सीसीटीवी से दोनों की निगरानी की गई। करीब तीन घंटे की मुलाकात में ससुर-बहू ने एक-दूसरे की खैरियत जानी। जेल सूत्रों का कहना है कि मुलाकात के दौरान मुख्तार ने बहू निखत और पोते अजहर को देखते ही सीने से लगा लिया। बहू ने मुख्तार पूछा कि आप ठीक हो। चित्रकूट जेल में ज्यादा तकलीफ तो नहीं हुई। पोते का गाल चूमते हुए मुख्तार बोला मैं बहुत बदनसीब हूं। पोते को खुशियां देने के बजाय तकलीफें दे रहा हूं। बाद में खुद को संभालते हुए बहू से कहा कि खैर सब ठीक हो जाएगा।

सपा सांसद एसटी हसन ने लगाए गंभीर आरोप चुनावी तैयारियों के बीच चढ़ा सियासी पारा

मुरादाबाद, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के लिए अभी लगभग पांच महीने से ज्यादा का समय बाकी है, लेकिन सियासी पारा अभी से चढ़ता हुआ नजर आ रहा है। राजनैतिक बयान तो चुनावों में आम बात है, लेकिन समाजवादी पार्टी के सांसद डॉक्टर एसटी हसन ने निर्वाचन अधिकारियों पर बेहद गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) पर समुदाय विशेष के नाम वोटर लिस्ट से हटाने का गंभीर आरोप लगाया है। आगामी 2024 के लोक सभा चुनाव को लेकर चुनाव आयोग द्वारा तैयारियां की जा रही है, जिसके अंतर्गत चुनाव आयोग के विशेष निर्देश पर वोटर लिस्ट की जांच पड़ताल की जा रही है और नए वोटरों को बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है, मुरादाबाद से सपा सांसद डॉक्टर एसटी हसन ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा वोटर लिस्ट का पुनरीक्षण किया जा रहा है,

कांग्रेस और राहुल गांधी को अमेठी में सपा देगी चुनौती? शिवपाल यादव बोले- 'अभी इसपर विचार विमर्श होगा'

अमेठी, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान सपा और कांग्रेस के बीच तल्खियां के बाद सवाल उठ रहे हैं कि क्या एमपी में हुए अपमान का बदला समाजवादी पार्टी यूपी में कांग्रेस से लेगी। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि खुद सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव भी इस बात को कह चुके हैं। ऐसे में कयास लग रहे है कि सपा अमेठी में कांग्रेस या राहुल गांधी के खिलाफ अपना उम्मीदवार उतार सकती है, जिस पर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव का बड़ा बयान सामने आया है।

सपा नेता शिवपाल यादव रविवार को अमेठी पहुंचे थे, जहां उन्होंने पार्टी के कार्यकर्ताओं से बात की। इस दौरान उन्होंने आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर भी पत्रकारों से खुलकर बात की। सपा नेता से जब ये सवाल किया गया कि क्या 2024 में सपा अमेठी से अपना उम्मीदवार उतार सकती है तो शिवपाल ने इस पर बड़ी बात कह दी।

राहुल गांधी के खिलाफ उम्मीदवार उतारेगी सपा

अमेठी से उम्मीदवार उतारने के सवाल पर शिवपाल यादव ने कहा कि, 'ये हमारा राष्ट्रीय नेतृत्व तय करेगा, कहां से किसको उतारना है और किसको नहीं है। अभी समय है, अभी इसपर विचार विमर्श होगा।

उसके बाद चाहे तो प्रत्याशी भी उतारा जाएगा।' वहीं जब उनसे इंडिया गठबंधन को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि, हमारी पूरी तरह से राय है कि भारतीय जनता पार्टी को हटाने के लिए 'इंडिया' गठबंधन जो बना है वो मजबूत हो।

स्मृति ईरानी पर भी साधा निशाना

शिवपाल यादव ने इस दौरान अमेठी से बीजेपी सांसद स्मृति ईरानी पर भी निशाना साधा और कहा कि इस बार जनता उनकों यहां से हराकर भेजेगी। सपा नेता ने कहा, उनके (स्मृति ईरानी) बारे में तो आप लोगों को ज्यादा पता होगा, यहां की जनता को पता है उनके बारे में।। और मुझे तो लग रहा है यहां का जो माहौल मैंने देखा है। उससे तो लगता है कि यहां की जनता उन्हें हरा कर ही भेजेगी। आपको बता दें कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस से गठबंधन नहीं होने पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव काफी नाराज हो गए थे। इस दौरान दोनों दलों के बीच तीखी बयानबाजियां भी हुई। जिसके बाद अखिलेश यादव ने कांग्रेस को धोखेबाज पार्टी बताते हुए कहा था कि अच्छा हुआ कांग्रेस का चाल चरित्र पहले ही पता चल गया। यही नहीं उन्होंने ये भी कहा था कि जैसा उनके साथ एमपी में हुआ कांग्रेस के साथ यूपी में भी वैसा ही होगा।

कृषि, बागवानी और विपणन विभाग के अधिकारी मिलकर काम करें : तुम्मला

मंत्री ने विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि और विपणन विभाग के मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने सुझाव दिया कि कृषि, बागवानी और विपणन विभागों को समन्वय में काम करना चाहिए ताकि राज्य के किसानों को लाभ हो। मंत्री ने मंगलवार को कृषि सचिव के कार्यालय में दोनों विभागों के शीर्ष अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

उन्होंने राज्य में कृषि, बागवानी और विपणन विभागों के प्रदर्शन की जानकारी ली। इस अवसर पर मंत्री तुम्मला ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी कृषि क्षेत्र पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। सरकार कृषि क्षेत्र में कई सुधार करेगी। उन्होंने कहा कि यह दृढ़ संकल्प के साथ है। इस मौके पर संबंधित विभाग के वरीय पदाधिकारियों को कृषि एवं विपणन विभाग की पूरी जानकारी के साथ एक विशेष रिपोर्ट तैयार करने की सलाह दी गयी। कृषि एवं बागवानी विश्वविद्यालयों के उच्च अधिकारियों के साथ एक बैठक आयोजित करने का सुझाव दिया गया है। उद्यानिकी विभाग के संबंध में प्रदेश भर की भूमियों का विवरण प्रस्तुत किया जाये। सचिवालय में कृषि क्षेत्र के सभी निगमों के शीर्ष अधिकारियों के साथ एक विशेष बैठक आयोजित की जाएगी और वे सभी मुद्दों पर पूरी चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि कृषि विकास कार्यों के लिए स्थानीय स्तर पर सिंचाई, आरएंडबी तथा पंचायत राज विभाग की सेवाओं का उपयोग किया जाना चाहिए। विपणन विभाग के अधिकारियों को राज्य के सभी 197 मार्केट यार्डों की स्थिति, उनके प्रदर्शन और वर्तमान स्थितियों के बारे में व्यापक विवरण प्रदान करने का निर्देश दिया गया। कृषि विपणन विभागों में विकास कार्यों की प्रगति पर एक वीडियो के रूप में एक व्यापक रिपोर्ट प्रदान करने का सुझाव दिया गया है। पहले से स्वीकृत जो कार्य शुरू नहीं हुए हैं, उनसे संबंधित कार्यों की पूरी जानकारी संलग्न करने का आदेश दिया गया है।

अन्य राज्यों की तुलना में हमारे राज्य में विपणन मुद्दे, बिक्री, कीमतें आदि का पूरा विवरण प्रस्तुत किया जाना चाहिए। वे बाजार प्रांगण तय करना चाहते हैं जहां किसानों द्वारा उगाई गई फसलों के उत्पाद बेचे जाएं ताकि उन्हें फायदा हो सके। यह सुझाव दिया जाता है कि विपणन अधिकारियों को समय-समय पर बाजार प्रांगणों में समस्याओं की निगरानी करनी चाहिए। वे यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि बारिश और अन्य समस्याओं से किसानों को कोई परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि राज्य की सभी मंडियों को आधुनिक बनाने की दिशा में कदम उठाये जायेंगे। इसके लिए अन्य राज्यों में अच्छा प्रदर्शन करने वाली मंडियों को मॉडल के रूप में लेते हुए यहां एक या दो मार्केट यार्ड विकसित करने के कदम उठाए जाएं। मंत्री तुम्मला ने चेतावनी दी कि यदि कोई भी अधिकारी विपणन विभाग में लापरवाही बरतता है, तो उसे किसी भी परिस्थिति में नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। वरिष्ठों को ऐसे लोगों का विवरण हमेशा उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जल्द ही राज्य के सभी मार्केट यार्ड के सचिवों के साथ एक टेलीकांफ्रेंस आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि बाजार जिम्मेदारी से काम करें ताकि किसानों की फसलों को उचित मूल्य मिल सके। किसानों को पर्याप्त व्यवस्था करनी चाहिए ताकि घाटा पूरा न हो और खेतों में फसल खराब न हो। वे बीज, खाद और कीटनाशकों की आपूर्ति में निजी कंपनियों को पूरी तरह से बंद करना चाहते हैं। वे यह देखना चाहते हैं कि किसी भी हालत में राज्य में कहीं भी खाद की कमी न हो. प्रदेश के किसानों के लिए कृषि विभाग की सेवाओं में सुधार किया जाए।

श्री अन्न मूल्य श्रृंखला में अंतर्राष्ट्रीय विनिमय कार्यक्रम शुरू

घाना, युगांडा, गाम्बिया, नाइजीरिया आदि देशों के प्रतिभागी ले रहे है भाग

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाकृअनुप- भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान (भाश्रीअनुसं), हैदराबाद एशिया-अफ्रीका दक्षिण दक्षिण सहयोग के अंतर्गत संयुक्त राष्ट्र के एफएओ के सहयोग से 11-21 दिसंबर तक श्री अन्न उत्पादन, प्रसंस्करण तथा मूल्य श्रृंखला विकास पर 10 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय विनिमय कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद, आशीष कुमार, कृषि नीति एवं विपणन विशेषज्ञ, एफएओ, भारत और डॉ. बी दयाकर राव, मु.का.अधिकारी, न्यूट्रिहब, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। देश प्रतिनिधि, एफएओ, भारत ताकायुकी हागिवार ने सम्मानित अतिथि के रूप में उन्होंने पहले दिन प्रतिभागियों को संबोधित किया और श्री अन्न मूल्य श्रृंखला विकास के बारे में जागरूकता बढ़ाने हेतु इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला। अंतर्राष्ट्रीय श्री अन्न वर्ष-2023 के संदर्भ में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम एफएओ-भाकृअनुप की एक अंतर्राष्ट्रीय क्षमता विकास पहल है। इस पहल का उद्देश्य खाद्य प्रणाली परिवर्तन कार्यसूची के संदर्भ में भारत व अफ्रीका तथा एशिया के चयनित देशों के मध्य श्री अन्न मूल्य श्रृंखला के संबंध में तकनीकी जानकारी और विकास अनुभवों के आदान-प्रदान को सुकर बनाना है। पहल के परिणामस्वरूप एशिया और अफ्रीका से भाग लेने वाले देशों के बीच उत्पादन कार्यों, प्रसंस्करण एवं मूल्य शृंखला विकास पर ज्ञान उन्नयन शामिल है। कार्यक्रम से श्री अन्न मूल्य शृंखला के सतत विकास, खाद्य सुरक्षा और पोषण में वृद्धि और पर्यावरणीय स्थिरता और समुदायों के आर्थिक विकास में योगदान की आशा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में घाना, युगांडा, गाम्बिया, नाइजीरिया, बांग्लादेश, नेपाल और भूटान के चौदह प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। अंत में प्रतिभागियों ने श्री अन्न को बढ़ावा देने हेतु प्रतिज्ञा भी ली।

महिलाओं के विरुद्ध हिंसा उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय अभियान

आईसीसी, मानू ने जागरूकता और संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी), मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी (मानू) ने महिलाओं और राष्ट्रीय हिंसा के उन्मूलन के लिए 16 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय अभियान के हिस्से के रूप में एक जागरूकता और संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति सैयद ऐनुल हसन ने की।

उन्होंने अभियान के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं के बीच पुरस्कार और प्रमाण पत्र भी वितरित किये। विशेषज्ञ संसाधन व्यक्तियों डॉ. फरजाना खान, संचालन प्रमुख, माई चॉइसेज फाउंडेशन, डॉ. अनीता साबले, प्रमुख, एलएलएम विभाग, सिम्बायोसिस, और सुश्री पर्ल चोरागुड़ी, प्रमुख ऑफ इटरवेंशन, माई चॉइसेज फाउंडेशन ने "महिलाओं के खिलाफ हिंसा के उन्मूलन" पर बात की। क्रमशः "प्रारंभिक वर्षों को मजबूत करना: बाल दुर्व्यवहार की रोकथाम" और "हिंसा और दुर्व्यवहार से बचे लोगों के लिए आघात और उपचार प्रक्रिया" प्रोफेसर गुलफिशां हबीब, अध्यक्ष, आईसीसी ने उद्घाटन भाषण दिया और जागरूकता कार्यक्रम के दौरान आयोजित वार्ता, कार्यशाला, इंटरैक्टिव सत्र और प्रतियोगिताओं पर एक संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस अवसर पर महिला शिक्षा विभाग, मानू और माई चॉइसेज फाउंडेशन के बीच एक समझौता ज्ञापन का भी अनावरण किया गया। महिला शिक्षा विभाग की प्रमुख प्रोफेसर अमीना तहसीन ने एमओयू के बारे में बात की।

डॉ शेख वसीम ने सभा का स्वागत किया, डॉ शकेरा परवीन ने संसाधन व्यक्तियों का परिचय दिया और सुश्री अरुंधति टी ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया। यह कार्यक्रम आईसीसी और महिला शिक्षा विभाग द्वारा माई चॉइसेज फाउंडेशन के सहयोग से संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था।

राजभाषा के तकनीकी विकास के लिए ईसीआईएल संकल्पशील : अनुराग कुमार

ईसीआईएल में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, भारत सरकार (परमाणु ऊर्जा विभाग) का उद्यम, हैदराबाद में अनुराग कुमार, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 165वीं बैठक का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर समीर अनुराग मालवीया, निदेशक (कार्मिक) सहित राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सभी सदस्य उपस्थित थे। कॉरपोरेशन के उप प्रबंधक (राजभाषा) तथा प्रभारी, राजभाषा अनुभाग डॉ. राजनारायण अवस्थी ने राजभाषा कार्यान्वयन के प्रमुख बिन्दुओं का प्रस्तुतीकरण दिया। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने कहा कि राजभाषा कार्यान्वयन एक राष्ट्रीय दायित्व का अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है। इसके संवैधानिक प्रावधानों एवं राजभाषा नीति संबंधी विभिन्न दिशा-निर्देशों का अनुपालन करना अनिवार्य है। इसके लिए राजभाषा संबंधी विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन का प्रचार-प्रसार करना चाहिए। निदेशक (कार्मिक) ने कहा कि कॉरपोरेशन के सभी आंचलिक कार्यालयों का निरीक्षण एवं उसकी समीक्षा अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए एक ऐसी कार्ययोजना बनाई जाए, जिसके आधार पर प्रभावी निरीक्षण किया जा सके। बैठक में समीक्षा के दौरान अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने ईसीआईएल के मुख्यालय तथा आंचलिक कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन के प्रगामी प्रयोग की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। अध्यक्ष ने निदेश दिया कि ईसीआईएल के राजभाषा कार्यान्वयन को अखिल भारतीय स्तर पर एक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया जाए।

अध्यक्ष ने निदेशक दिया कि आगामी तीन वर्षों के लिए कॉरपोरेशन में राजभाषा कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई जाए। इन कार्यक्रमों में विभिन्न वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं तथा विश्वविद्यालयों के छात्रों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। समीक्षा के अनुसरण में निदेशक (कार्मिक) ने भी सभी सदस्यों से अपील की कि वे अपना अधिक से अधिक सरकारी काम हिन्दी में करें। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने ईसीआईएल में उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन के लिए सभी सदस्यों की प्रशंसा की।

कार्यक्रम में समिति के सभी सदस्यों ने राजभाषा कार्यान्वयन को प्रभावी बनाने के लिए अपने-अपने विचार रखे। बैठक की समापन टिप्पणी में अध्यक्ष ने कहा कि किसी भी संकल्प में समय प्रबंधन, योजना तथा निरंतर समीक्षा का समन्वय होगा तो सफलता अवश्य प्राप्त होगी। कार्यक्रम में डॉ. सीएच. अंबेडकर, कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक तथा अजहर सुल्तान, प्रवर श्रेणी लिपिक द्वारा ईसीआईएल में राजभाषा कार्यान्वयन की अद्यतन स्थिति का प्रस्तुतीकरण दिया गया।

पांच सौ रुपये वाले गैस सिलेंडर की गारंटी सौ दिन के अंदर लागू होगी : उत्तम

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई, खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने दोहराया है कि राज्य सरकार 500 रुपये में गैस सिलेंडर और धान के लिए 500 रुपये प्रति क्विंटल बोनस देने के वादे को सत्ता में आने के 100 दिनों के भीतर चुनाव के दौरान दी गई छह गारंटियों को लागू करेगी।

वह मंगलवार को यहां एर्रामांज़िल स्थित नागरिक आपूर्ति भवन में उपभोक्ता मामले, खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग के कामकाज पर समीक्षा बैठक करने के बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उत्तम कुमार रेड्डी ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) और अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से राज्य की 2.9 करोड़ आबादी, विशेष रूप से वंचितों की सेवा करने में विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। यह किसानों से धान की खरीद का काम भी संभालती है। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान कांग्रेस पार्टी द्वारा दी गई दो प्रमुख गारंटियों के कार्यान्वयन में विभाग महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। "हम 500 रुपये में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने और 100 दिनों के भीतर प्रति क्विंटल धान पर 500 रुपये का बोनस देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मैंने नागरिक आपूर्ति विभाग के कामकाज की विस्तृत समीक्षा की है ताकि यह पता चल सके कि ये कैसे होते हैं।" उन्होंने कहा कि लगभग 11 प्रतिशत इच्छित लाभार्थी अपने राशन कार्ड का उपयोग नहीं कर रहे हैं। इसलिए, मंत्री ने कहा कि वह इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के साथ चर्चा करेंगे और राज्य मंत्रिमंडल नए राशन कार्ड के मुद्दे पर फैसला करेगा उत्तम कुमार रेड्डी ने खुलासा किया कि केंद्र और राज्य द्वारा 39.02 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से उपलब्ध कराया जा रहा लगभग 90 प्रतिशत चावल खाने योग्य नहीं है।

"लाभार्थी खराब गुणवत्ता वाले पीडीएस चावल को डीलरों, इडली-डोसा इकाइयों, पोल्ट्री फार्मों आदि को कम से कम 5 रुपये प्रति किलोग्राम पर बेच रहे हैं। इसलिए, पीडीएस के माध्यम से गरीबों को मुफ्त चावल की आपूर्ति करने का मूल उद्देश्य नहीं है। मंत्री ने अधिकारियों को राशन कार्ड धारकों को आपूर्ति किए जा रहे चावल की गुणवत्ता पर गहन अध्ययन करने का निर्देश दिया और लाभार्थियों को पीडीएस चावल की गुणवत्ता में सुधार पर जोर दिया। समीक्षा बैठक में नागरिक आपूर्ति विभाग के अध्यक्ष वी अनिल कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

आंध्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा, चंद्रबाबू नायडू को लंबित मामलों पर टिप्पणी करने से रोकें

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश सरकार ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट से मांग की कि टीडीपी सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को कथित फाइबरनेट घोटाला मामले से संबंधित कोई भी सार्वजनिक टिप्पणी करने से रोका जाए। राज्य सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता रंजीत कुमार ने न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी की पीठ से आग्रह किया कि नायडू को लंबित मामले के बारे में कोई राजनीतिक बयान नहीं देने का निर्देश दिया जाए।

यह याद किया जा सकता है कि सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही राजनीतिक नेता को कथित कौशल विकास निगम मामले से संबंधित कोई भी सार्वजनिक टिप्पणी नहीं करने का आदेश दिया था। जवाब में, नायडू की ओर से पेश वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ लूथरा ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी पूर्व सीएम के खिलाफ दर्ज मामलों के संबंध में दिल्ली और अन्य राज्यों में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं। दलीलें सुनने के बाद, पीठ ने सुझाव दिया कि दोनों पक्षों को संयम बरतना चाहिए और सुनवाई 17 जनवरी 2024 तक के लिए स्थगित कर दी। इसने स्पष्ट किया कि आंध्र प्रदेश सीआईडी द्वारा दिया गया वचन कि वह फाइबरनेट मामले में नायडू को गिरफ्तार नहीं करेगा, सुनवाई की अगली तारीख तक जारी रहेगा। नायडू पर राज्य में टीडीपी सरकार के दौरान हुए आंध्र प्रदेश फाइबरनेट घोटाले में 'मुख्य भूमिका' निभाने का आरोप है। सीआईडी ने उन पर एक निश्चित कंपनी का पक्ष लेने के लिए अधिकारियों पर दबाव डालने का आरोप लगाया है, जिसे फाइबरनेट अनुबंध से सम्मानित किया गया था।

भाजपा जीएचएमसी जामबाग मंडल के पार्षद राकेश जयसवाल के नेतृत्व में हाल ही में आयकर विभाग की छापेमारी पर कांग्रेस के नेतृत्व वाले भारत गुट के भीतर कथित बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के खिलाफ हिंदी नगर में अंबेडकर प्रतिमा पर धरना दिया गया। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य धीरज साहू के झारखंड स्थित परिसर से नकदी बरामद को लेकर धरना देने वालों में अमर सिंह राजपुरोहित, गोदुगु श्रीनिवास यादव, मयूर कालेकर, रामकृष्ण, रघु कांबले, कल्पना शर्मा, संगीता, राजू, नरसिंग आदि शामिल रहे।

अमावस्या के मौके पर सत्यम शिवम् सुंदरम् गौशाला में श्रद्धालुओं ने गौ सेवा की। इस दौरान भारी संख्या में लोग पहुंचे थे।

विश्व मंगल गौशाला मेडचल, तेलंगाना में अमावस्या के पावन अवसर पर सभी भक्तों ने तन-मन-धन से सेवा दी। सुंदर-सुंदर भजनों की प्रस्तुति दी। रविंद्र राजपुरोहित, शेरू दास, लक्ष्मण सुथार, गौतम प्रजापत, नारायण राम, पेमाराम, लुंबाराम, चेलाराम, मांगीलाल, डूंगाराम सिरवी, हकाराम, गोगाराम, शोषाराम, मोहनलाल, गोपालदास अग्रवाल द्वारा ग्रामवासियों को कंबल वितरण किया। सोहनलाल, सिमनाराम, पन्नालाल, भीखाराम, कैलाश प्रजापत, मांगीलाल चिप, रावताराम, चेनाराम, चंडूराम फोड, बाबा रामदेव मित्र मंडल अलवाल, नवयुग मित्र मंडल यापराल, सतीश कॉम के गो भक्त उपस्थित रहे। धन्यवाद प्रकट करते हुए शांतिलाल सुथार धर्माराम वह अन्य।

गांजा बेचने के आरोप में दो गिरफ्तार

निर्मल, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भैंसा एक्साइज सीआई नजीर हुसैन ने बताया कि कस्बे में गांजा बेचने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर रिमांड पर भेजा गया है।

जानकारी के मुताबिक ओवेसी नगर में गांजा बेचे जाने की सूचना पर उन्होंने छापा मारकर मोहम्मद बारी नाम के शख्स के पास से 350 ग्राम गांजा जब्त किया। उन्होंने यह भी बताया कि गांजा बेचने के मामले में फरार चल रहे एक अन्य आरोपी मुजाहिद को भी हिरासत में ले लिया गया है। बताया जाता है। ये कस्बे और आसपास के युवाओं को निशाना बनाकर गांजा बेच रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अवैध मादक पदार्थ की बिक्री या परिवहन किया गया तो कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

पूर्व विधायक जीवन रेड्डी को एक और झटका

आर्मूर, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के पूर्व विधायक ए जीवन रेड्डी को एक और झटका लगा है। राज्य सरकार के स्वामित्व वाले वित्त निगम के अधिकारियों ने उन्हें नोटिस जारी कर 20 करोड़ रुपये के ऋण की मंजूरी की मांग की। अधिकारियों ने उनसे मूल ऋण राशि पर अर्जित सभी ब्याज का भुगतान करने के लिए कहा है। नोटिस जीवन रेड्डी के ममिदिपल्ली स्थित घर पर चिपकाए गए। नोटिस वर्ष 2017 में जीवन रेड्डी की पत्नी के नाम पर लिए गए ऋण के संबंध में जारी किए गए थे। नोटिस में कहा गया है कि यदि जीवन रेड्डी ने दिए गए समय के भीतर ब्याज सहित ऋण राशि का भुगतान नहीं किया तो कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 13 दिसंबर - 2023

दक्षिण भारत में क्यों नहीं खिल पा रहा है कमल ?

अशोक भाटिया

आज देश में भाजपा का परचम लहरा रहा है। उत्तर प्रदेश से लेकर मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र तक भाजपा की सरकार है। पूर्वोत्तर में भी कमल खिल चुका है। उत्तर भारत के जिन राज्यों में अभी वह सत्ता में नहीं है, वहां प्रमुख विपक्षी दल है। पश्चिम बंगाल में भी ऐसा ही है लेकिन अभी भी भाजपा का विजय रथ दक्षिण में जाकर बार-बार रुक जा रहा है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा इस बार दक्षिण विजय के लिए सारे समीकरण साध रही है। दक्षिण भारत के 6 राज्यों कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में इस समय भाजपा की अपने बूते कोई सरकार नहीं है। पुडुचेरी में भी भाजपा गठबंधन के साथ सत्ता में है।गौरतलब है कि दक्षिण भारत के इन राज्यों में 130 लोकसभा सीटें हैं जिसमें से अभी केवल 29 सीटें भाजपा के पास हैं। इसमें 25 अकेले कर्नाटक से ही हैं जबकि 2019 में चार सीट तेलंगाना में जीती थी। इससे समझा जा सकता है कि बाकी के राज्यों में भाजपा की स्थिति कैसी है। दक्षिण को प्रमुखता से लेने की एक वजह और भी है। उत्तर भारत के प्रमुख राज्यों में पिछले दो लोकसभा चुनावों में भाजपा को बंपर सीटें मिली हैं। ऐसे में भाजपा इस बात का ध्यान रख रही है कि अगर यहां पर सीटें कम हों तो इसकी भरपाई दक्षिण से की जा सके। भाजपा के दक्षिण प्लान का टेस्ट कर्नाटक विधानसभा चुनाव में भी लगभग फेल हो गया । भाजपा के लिए दक्षिण के अपने इकलौते दुर्ग को बचाए रखने की चुनौती थी तो साथ ही यहां के नतीजों का असर दूसरे राज्यों पर भी पड़ना था , जहां इस साल चुनाव होने हैं। तेलंगाना विधानसभा चुनाव में भाजपा इस बार बड़ी उम्मीद लगाए हुए थी पर उसे विधानसभा की 8 सीटों से ही संतोष करना पड़ा । उल्लेखनीय यह है कि उसका वोट प्रतिशत पहले से डबल हो गया । यह प्रदर्शन 2024 लोकसभा चुनावों के लिए तेलंगाना में उसकी संभावनाओं को और बल दे सकता है। दक्षिण में जमीन मजबूत करने में जुटी भाजपा के लिए मुश्किल है कि आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों में भाजपा का आधार बहुत कमजोर है। तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश व केरल में भाजपा के पास एक भी लोकसभा सीट नहीं है। वहीं, आंध्र प्रदेश और केरल में तो पार्टी का एक विधायक भी नहीं है। 2019 के लोकसभा चुनाव में आंध्र प्रदेश में भाजपा को महज 1 फीसदी वोट मिले थे। आंध्र प्रदेश की तरह ही भाजपा के सामने तमिलनाडु में भी चुनौती बड़ी है। भाजपा की छवि हिंदूवादी पार्टी की है और तमिलनाडु द्रविड़ आंदोलन की जमीन रही है। इसके साथ ही भाजपा के लिए हिंदी पार्टी का टैग ज्यादा मुश्किल पैदा करता है। भाजपा की आहट को देखते हुए हाल के दिनों में डीएमके ने हिंदी के मुद्दे को एक बार फिर से हवा देना शुरू कर दिया है।तमिलनाडु में हिंदी पार्टी और द्रविड़ आंदोलन के मुकाबले मंदिरों के आस-पास राजनीति को लाने की कोशिश कर रही है। मंदिरों पर किसका कब्जा हो इसे लेकर भाजपा सवाल उठा रही है। भाजपा के साथ समान विचारधारा वाले वीएचपी जैसे संगठन इसमें आगे हैं। भाजपा के साथ एक और प्लस फैक्टर है कि वह एआईएडीएमके के साथ अच्छे रिश्ते में है और गठबंधन में उतरकर पार्टी आधार बढ़ा सकती है। 2016 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने क्षेत्रीय दल 'आइजेके' के साथ मिल कर सभी 234 सीटों पर चुनाव लड़ा था। भाजपा को 2.86 फीसदी वोट मिले थे और उसे एक भी सीट पर कामयाबी नहीं मिली थी। तमिलनाडु में भाजपा की इतनी खराब हालत की वजह क्या है ? दरअसल तमिलनाडु की स्थानीय राजनीति की बुनावट कुछ ऐसी है कि इसमें किसी राष्ट्रीय दल के लिए कोई गुंजाइश नहीं बनती। यहां की राजनीति में भाषा (तमिल) और संस्कृति (द्रविड़) की जड़े इतनी गहरी हैं कि उसे धर्म के आधार पर बांटना मुश्किल है। तमिल को सबसे प्राचीन भाषा माना जाता है। यह आत्मगौरव तमिल लोगों को एकता के सूत्र में बांधे रखता है। यहां के लोग भाजपा को हिंदी पट्टी की पार्टी मानते हैं जब कि हिंदी विरोध तमिलनाडु की राजनीति का मूल आधार है। इसलिए तमिलनाडु में हिंदुत्व और हिंदी, भाजपा के लिए रुकावट बन जाती है। तभी तो नरेन्द्र मोदी तमिलनाडु में तमिल भाषा नहीं जानने के लिए अफसोस जाहिर करते हैं। यह नरेन्द्र मोदी की स्थानीय लोगों से भावनात्मक जुड़ाव की कोशिश की थी।देखा जाय तो द्रविड़ सभ्यता भारत की बहुत पुरानी सभ्यता है। तमिलनाडु में द्रविड़ संस्ककृति को राजनीति से जोड़ने का श्रेय ईवी रामास्वामी पेरियार को जाता है। वे ब्राह्मणवाद के खिलाफ थे। धार्मिक कर्मकांडों का भी विरोध किया। 1944 में उन्होंने द्रविड़ कड़गम (द्रविड़ों का देश) नाम से एक सामाजिक संगठन बनाया। 1949 में पेरियार के करीबी अन्नादुरई उनसे अलग हो गये। अन्नादुरई ने द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम के नाम से अगल संगठन बनाया। 1969 तक तमिलनाडु को मद्रास स्टेट कहा जाता था। 1967 में मद्रास राज्य विधानसभा के चुनाव हुए तो द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (द्रमुक) ने 179 में से 137 सीटें जीत लीं। अन्नादुरई मद्रास के मुख्यमंत्री बने। कांग्रेस को केवल 51 सीटें मिलीं। इसके पहले कांग्रेस सत्ता में थी। तमिलनाडु में राजगोपालाचारी और के कामराज जैसे कांग्रेस के पास दिग्गज नेता हुए लेकिन 1967 में द्रविड़ भावना की ऐसी लहर आयी कि कांग्रेस उसमें विलीन हो गयी।

तमिलनाडु में द्रमुक का डंका बजने लगा। 14 जनवरी 1969 को मद्रास राज्य का नाम तमिलनाडु कर दिया गया। तमिलनाडु के नामकरण के 20 दिन बाद ही अन्नादुरई का निधन का हो गया। उस समय करुणानिधि अन्नादुरई के कैबिनेट में मंत्री थे। फिर करुणानिधि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने। द्रमुक- अन्नाद्रमुक की दो ध्रुवीय राजनीति द्रमुक- अन्नाद्रमुक की दो ध्रुवीय राजनीति करुणानिधि तमिल फिल्मों के मशहूर पटकथा लेखक थे। एमजी रामचंद्रन उस समय तमिल फिल्मों के सुपर स्टार थे। वे भी द्रमुक से जुड़े थे। द्रमुक ने उन्हें 1962 में एमएलसी बनाया था। 1967 में एमजीआर द्रमुक के विधायक चुने गये थे। इसके बाद 1976 तक तमिलनाडु में या तो करुणानिधि सीएम रहे या फिर राष्ट्रपति शासन लागू रहा। 1972 में करुणानिधि जब अपने बड़े बेटे एम के मुथ्थू को राजनीति में बढ़ावा देने लगे तो द्रमुक की राजनीति बदलने लगी। तब एमजी रामचंद्रन ने आरोप लगाया था कि अन्नादुरई के बाद द्रमुक में भ्रष्टाचार ने जड़ जमा लिया है। इससे खफा हो कर करुणानिधि ने एमजी रामचंद्रन को पार्टी से निकाल दिया। तब एमजीआर ने अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (अन्ना द्रमुक) के नाम से नय़ी पार्टी बनायी। बाद में इसका नाम ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम कर दिया गया। 1977 में एमजी रामचंद्रन सत्ता में आये। इसके बाद से तमिलनाडु में कभी द्रमुक तो कभी अन्नाद्रमुक के पास सत्ता रही। पिछले 53 साल से तमिलनाडु में यही हो रहा है। दक्षिण में मजबूत मानी जाने वाली कांग्रेस भी आज द्रमुक की बैसाखी पर ही राजनीति करती है। 2016 के चुनाव में कांग्रेस ने डीएमके से गठबंधन कर 40 सीटों पर चुनाव लड़ा था लेकिन उसे केवल 8 सीटों पर ही जीत मिली थी। इससे समझा जा सकता है कि तमिलनाडु में बिना द्रविड़ पहचान वाली पार्टियों की कितनी खराब स्थिति है। ऐसे में भाजपा सिर्फ कोशिश ही कर सकती है। उसने अन्नाद्रमुक के साथ मिल कर चुनाव लड़ने की बात कही है।वैसे हाल ही में तमिलनाडु में के. अन्नामलाई जैसे युवा नेता ने भाजपा को एक नयी पहचान दी है। दक्षिण के एक और महत्वपूर्ण राज्य केरल में भाजपा पूरा जोर लगा रही है लेकिन उसे सफलता नहीं मिल रही है। भाजपा का यहां पर कोई विधायक नहीं है। ऐसा तब है जब उसके मातृसंगठन आरएसएस की यहां पर 4500 से ज्यादा शाखाएं लगने का दावा किया जाता है। केरल में भी हिंदूवादी पार्टी होने का तमगा भाजपा के लिए मुश्किल बन रहा है।

विपक्ष को रास नहीं आया सुप्रीम फैसला

केंद्र सरकार द्वारा जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा अनुच्छेद 370 समाप्त करने के फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने भी सही करार दिया है। सुप्रीम कोर्ट की पांच न्यायाधीशों की पीठ ने स्पष्ट कहा कि जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने का फैसला युद्ध जैसी स्थिति में अस्थाई उपाय के रूप में किया गया था। वह व्यवस्था स्थायी बिल्कुल नहीं थी। भारत के राष्ट्रपति को उसे समाप्त करने का पूरा अधिकार था। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला जम्मू-कश्मीर में सक्रिय राजनीतिक दलों और कुछ अन्य विपक्षी दलों के नेताओं के गले नहीं उतर रही है। ऐसे में पूर्व केंद्रीय मंत्री कर्ण सिंह ने इस फैसले का खुले दिल से स्वागत किया है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से भी अपील की है कि वे इस फैसले को सहर्ष स्वीकार कर लें। नहीं तो देर सवेर उन्हें इसे स्वीकार करना ही होगा। बता दें कि कर्ण सिंह राजा हरि सिंह के बेटे हैं, जिनके शासन में जम्मू-कश्मीर का भारत गणराज्य में विलय हुआ था। यही नहीं उसी समय उसे अनुच्छेद 370 के तहत विशेष दर्जा भी दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र के इस फैसले पर मुहर लगा कर साबित कर दिया है कि सरकार का यह कदम असंवैधानिक बिल्कुल नहीं था। इस तरह अभी जो राजनीतिक दल नाखुशी जाहिर कर रहे हैं, उन्हें भी देर-सवेर इस फैसले को स्वीकार करना ही होगा। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि जम्मू-कश्मीर भी दूसरे राज्यों जैसा ही भारत एक अभिन्न अंग है। देखा जाए तो अनुच्छेद 370 को बहुत पहले ही समाप्त करने का फैसला हो जाना चाहिए था। लेकिन इसे एक सियासी मुद्दा बनाने में ज्यादा दिलचस्पी ली गई, जिससे राज्य को लेकर उलझने बढ़ती गई। इसमें कोई दो राय नहीं कि इस अनुच्छेद का फायदा उठाते हुए अलगाववादी ताकतों को अपनी आतंकी गोटियां बिछाने का मौका मिला। इसके साथ ही पाकिस्तान के साथ नजदीकी बनाए रखने में उनको मदद मिली। जब भाजपा ने इस अनुच्छेद को समाप्त करने को अपने राजनीतिक एजेंडे में शामिल किया था, तो दूसरे दलों ने उसके विरोध में झंडा उठाकर राजनीति शुरू कर दी थी। तर्क दिए जाने लगे कि जब पूर्वोत्तर के राज्यों को विशेष दर्जा दिया गया है, तो जम्मू-कश्मीर को देने में आखिर क्या हर्ज है? विपक्ष के कुतर्कों के आगे यह फर्क भुला दिया जाता रहा कि जम्मू-कश्मीर को प्राप्त विशेष दर्जा ठीक उसी प्रकृति का नहीं था, जो पूर्वोत्तर के राज्यों का है। अब तो कोई संदेह नहीं रहा कि अनुच्छेद 370 समाप्त होने से जम्मू-कश्मीर भी देश की मुख्यधारा से जुड़ गया है। नतीजतन वहां सक्रिय अलगाववादी ताकतों की कमर टूट चुकी है। इससे वहां तेजी से विकास और नए रोजगार सृजन की संभावनाएं भी बढ़ गई हैं। यही वजह है कि स्थानीय लोगों में इसे लेकर वैसा विरोध नहीं किया जैसा कि सियासी दलों ने मंसूबा पाल रखा था। कोर्ट ने यह भी हिदायत दी है कि जम्मू-कश्मीर को जल्दी राज्य का दर्जा वापस देने और सितंबर 2024 तक चुनाव कराने की प्रक्रिया पूरी की जानी चाहिए। केंद्र इन दोनों बातों के लिए पहले से तैयार है। पिछले हफ्ते ही जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम को संसद में मंजूरी मिल गई है। सरकार बार-बार दोहराती रही है और इस फैसले के बाद वह जल्दी ही राज्य का दर्जा वापस करेगी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद उम्मीद जगी है कि इस दिशा में तेजी से प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। बता दें कि जम्मू-कश्मीर में लंबे समय से लोकतंत्र की बजाय राष्ट्रपित शासन लागू है, वहां चुनाव होने और उसे राज्य का दर्जा मिलने से स्थितियों में तेजी से बदलाव आने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। लोगों में लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति भरोसा बढ़ाने में कामयाबी मिलेगी। यदि यह सब सही सलामत हो जाता है तो निश्चित ही वहां आतंकी गतिविधियों पर लगाम कसी जा सकती है।

ड्रग्स और विनाशकारी नशे की गिरफ्त में युवा वर्ग

संजीव ठाकुर

देश में लगातार हो रही ड्रग्स की सप्लाई ने देशभर में अपराधों का इजाफा कर दिया है। नशीले पदार्थ अपराधिक गतिविधियों के लिए शासन, प्रशासन तथा पुलिस के लिए एक गंभीर चुनौती बन हुआ है। नशीले पदार्थों की अंतरराष्ट्रीय, अंतर राज्यीय तस्करी देश तथा विश्व के लिए एक बड़ा सिरदर्द बनी हुई है। यह चुनौती इसलिए भी है कि पिछले वर्ष में अपराधियों ने सूखे नशे का सेवन कर अपराध की वारदातें की हैं, नशे की लत में आकर अपराधियों में महानगरों मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद, दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई में लगातार बलात्कार, लूट, डकैती,और राहगीरों की हत्या को जन्म दिया है। दूसरी तरफ सूखे नशे की लत में स्कूल और कॉलेज के युवा तथा बच्चे अपना भविष्य खराब करने पर आमादा है।

पिछले कुछ माह में मुंबई नारकोटिक्स इकाई ने ताबड़तोड़ छापेमारी कर बड़ी मात्रा में चरस, कोकीन, गांजा, स्मैक की बड़ी तादाद में जप्त कर कई नामचीन अभिनेता, अभिनेत्रियों को गिरफ्तार कर प्रकरण न्यायालय के हवाले किया है। दूसरी तरफ दिल्ली,बेंगलुरु, कोलकाता में भी पुलिस प्रशासन द्वारा सीधे कड़ी कार्रवाई की हैं।वर्तमान में शराब तो सामाजिक बुराई बना ही हुआ है। साथ-साथ सूखा नशा भी समाज के लिए गंभीर चुनौती बना हुआ है, सुखे नशे के मामले में केंद्र के सर्वोच्च नेतृत्व में यानी प्रधानमंत्री ने भी गंभीरता पूर्वक इसे रोकने के लिए चिंता जताई है देश में न सिर्फ ड्रग्स के नशे का इस्तेमाल किया जा रहा है बल्कि बड़े पैमाने पर इसकी तस्करी कर अवैध कारोबार भी किया जा रहा है ड्रग्स का नशा सामाजिक विडंबना बना हुआ है। तब देश में नए वर्ष के आगमन के पूर्व बड़े-बड़े आलीशान होटलों मैं सूखे नशे की पार्टियां आयोजित करने की तैयारी कर ली है, ऐसे में पुलिस के केंद्र सरकार के तथा राज्य सरकार के आला अधिकारी इसे रोकने के लिए हर संभव प्रयास की रणनीति बनाने में जुट गए है और शासन तथा पुलिस प्रशासन अपना पूरा ध्यान सूखे नसे को प्रतिबंधित करने में लगे हुए हैं, मूलतः मुंबई गोवा और पाकिस्तानी सरहद से लगे क्षेत्र और राज्य से सूखे नशे पदार्थों की आवक सभी राज्यों में होती है।

निसंदेह इसे गंभीर षड्यंत्र के रूप में लिया जाना चाहिए। मुंबई सूखे नशे का एक बड़ा केंद्र बन चुका है, सुशांत सिंह राजपूत के आत्महत्या प्रकरण को लेकर जब पुलिस के आला अधिकारी को नशीले पदार्थों रेकेट हाथ लगा तब राज्य तथा केंद्र के कान खड़े हो गए और तब से पूरे देश में ताबड़तोड़ नशे के विरोध में कार्रवाई की जाने लगी और इसी तारतम्य में देश को यह बात समझ में आई कि सूखे नशे की लत में बड़े शहरों के तमाम पूंजीपति नशे के आदी हो चुके परिस्थितियां बहुत गंभीर एवं चुनौतीपूर्ण है, नए वर्ष के आगमन की सेलिब्रेशन तमाम नशीले पदार्थ की सप्लाई करने वाले तस्कर अपनी तैयारी में जुट गए हैं।

370 का निस्तारण अदम्य राजनीतिक इच्छाशक्ति !

मनोज मानस अग्रवाल

आ खि र का र देश के सर्वोच्च न्यायालय ने पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के मोदी सरकार के फैसले पर मुहर लगा दी है।यह इस देश के शीर्ष नेतृत्व की अदम्य राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत निर्णयात्मक क्षमता व सामर्थ्य पर भी मुहर है। सत्तर साल तक इस देश के भीतर कुछ नेतृत्वकारी वंशानुगत तौर पर येन केन प्रकरेण सत्ता में काबिज होते रहे और देश की एकता अखंडता के बड़े-बड़े दावे और नारे लगाते रहे लेकिन देश के नक्शे में शीश पर जम्मू-कश्मीर को दो संविधान दो झंडे और 370 सरीखी व्यवस्था लागू कर काश्मीर को देश में पृथक बनाए रखने की साजिश का अंग बने रहे। लेकिन समय ने करवट बदली नेतृत्व बदला तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा के 370 हटाने के वायदे को पूरा करने के लिए शिद्दत से काम किया। क्योंकि सात दशक से जिस कानून के कारण जम्मू-कश्मीर में अराजकता और आतंकवाद का सिलसिला जारी था उसे काबू करना आसान नहीं था लेकिन मोदी सरकार की अदम्य राष्ट्रभावना और अद्भुत ईच्छा शक्ति ने असंभव समझे जाने वाले इस मिशन को पूरा कर दिखाया।सरकार के इस फैसले को चुनौती देने के लिए देश में ही मौजूद कथित प्रगतिशील निरपेक्ष लोगों और संगठनों ने 23 याचिका शीर्ष अदालत के सामने दाखिल की थी। उन्हे यकीन था कि अदालत उनके अजेंडे को तवज्जो देगी लेकिन अदालत ने दूध का दूध और पानी का पानी कर दिया और 370 को हटाने के निर्भीक निडर निष्पक्ष निर्णय को न सिर्फ सही ठहराया वरन इसके औचित्य को भी खारिज कर दिया। आपको बता दें कि केंद्र सरकार का यह अनुच्छेद निरस्त करने का निर्णय ही न केवल अत्यंत साहसिक था, अपितु ऐतिहासिक भी था, अब उच्चतम न्यायालय ने उस निर्णय पर अपनी मुहर लगाकर उसकी स्वर्णिम स्याही को और अमिट बना दिया है। यह फैसला अलगाववादियों व उनके समर्थकों का मुंह बंद करने के लिए पर्याप्त है।मोदी सरकार ने जब 5 अगस्त, 2019 को नासूर बन चुकी कश्मीर समस्या को जड़ से समाप्त करने के लिए अनुच्छेद 370 को निरस्त किया था, उसी समय स्पष्ट कर दिया था कि यह अनुच्छेद पूर्ण रूप से अस्थायीथा और देशहित में, प्रदेश में शांति लाने एवं वहां केंद्रीय कानूनों को लागूकर प्रदेश का विकास करने के लिए इसे निरस्त करना जरूरी था। अबउच्चतम न्यायालय ने भी वही बात कही है। देश के प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने फैसला सुनाते हुए कहा कि संविधान का अनुच्छेद 370एक अस्थायी प्रावधान था और राष्ट्रपति के पास इसे रद्द करने की शक्ति है। शीर्ष अदालत ने जम्मू-कश्मीर से केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को अलगकरने के फैसले की वैधता को भी बरकरार रखा। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य के पास देश के अन्य राज्यों से अलगआंतरिक संप्रभुता नहीं है। उन्होंने कहा, '... भारतीय संविधान के सभीप्रावधान जम्मू-कश्मीर पर (भी) लागू हो सकते हैं। जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग बना और यह अनुच्छेद-एक एवं 370 से स्पष्ट है। जम्मू-कश्मीर की संविधान सभा को स्थायी निकाय बनाने का कभी इरादा नहीं था। जम्मू-कश्मीर में युद्ध की स्थिति के कारण संविधान का अनुच्छेद 370 अंतरिम व्यवस्था थी। यह रियासत भारत का अभिन्न अंग बनी और यह अनुच्छेद-एक एवं 370 से स्पष्ट है।'उच्चतम न्यायालय ने अगले वर्ष 30 सितंबर तक वहां विधानसभा चुनाव कराने और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा जल्द से जल्द बहाल करने के भी निर्देश दिए। उच्चतम न्यायालय ने जो निर्णय सुनाया, वह देश की भावना के अनुरूप है। जब 2019 में केंद्र सरकार ने यह कदम उठाया था, उस दिन देश में दीपावली जैसी खुशी थी। अब उस कदम पर उच्चतम न्यायालय की मुहर से वह खुशी स्थायी हो गई है। हालांकि, अलगाववादी सोच वाले कश्मीरी राजनीतिक दलों ने निर्णय पर मायूसी जताते हुए कहा है कि हम हार नहीं मानेंगे। इस 'हार नहीं मानेंगे' से स्पष्ट है कि कश्मीर को स्थायी एवं पूर्ण रूप से अखंड भारत का अंग बनाना अब भी उनके गले नहीं उतर रहा है। इसका कारण यह है कि उन राजनीतिक दलों की पूरी राजनीति ही भारत विरोध पर टिकी थी, जिसे पाकिस्तान से बड़े पैमाने पर सहायता मिलती थी। वहां के राजनीतिक दल अब भी अनुच्छेद 370 को पुनः बहाल करने की कामना करते हैं, क्योंकि इससे उन्हें दोनों हाथों से लूट की खुली छूट मिल जाती थी। जब तक यह अनुच्छेद लागू था, तब तक केंद्र सरकार की ओर से दिए गए अरबों-खरबों रुपये का वहां के सत्ताधारी दल मनमाना उपयोग करते थे। स्थिति यह थी कि उन्होंने कितना पैसा किस योजना में खर्च किया, उसमें कितना भ्रष्टाचार हुआ, कितना पैसा वास्तव में लोगों के हित में उपयोग हुआ, इसकी जांच के लिए ऑडिट तक नहीं कराया जा सकता था। न वहां आरक्षण कानून लागू था, न सूचना का अधिकार कानून, न शिक्षा का अधिकार कानून... मोटे तौर पर वे अपने खुद के बनाए नियमों को कानून बताकर, उनके अनुरूप मनमर्जी चलाते थे। अनुच्छेद 370 निरस्त होते ही देश के सभी कानून वहां लागू हो गए। हमारे जवानों पर पत्थर बरसाने एवं हमले करने के लिए पाकिस्तान से आने वाला पैसा बंद हो गया और आतंकी हमले भी बहुत कम हो गए। धीरे-धीरे कश्मीर सही रास्ते पर लौट रहा है।

उच्चतम न्यायालय ने यह भी अच्छा किया कि चुनाव के लिए लगभग एक वर्ष का समय और दे दिया। इससे वहां का माहौल और सुधर जाएगा। दशकों से नासूर बनी कश्मीर समस्या का यही सही उपचार था।उच्चतम न्यायालय के निर्णय से इसकी पुनः पुष्टि हो गई।मोदी सरकार के इस कदम की जितनी सराहना की जाए कम ही होगी। सिर्फ राजनीतिक स्वार्थ से जुड़े राजनीतिक दलों के नेताओं के बस की बात नहीं थी यह सिर्फ राष्ट्रीय हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने वाले नेतृत्व द्वारा ही संभव हो पाया है। आज काश्मीर अमन की ओर लौट रहा है हर साल 15 लाख पर्यटकों वाले इस सूबे में अब दो करोड़ सैलानी आ रहे हैं अब किसी पडोसी देश की हिम्मत नहीं है कि वह काश्मीर की स्वायत्तता को लेकर हो हल्ला करें। देश को ऐसे नेतृत्व की ही जरूरत थी आगे आने वाले समय में भी जन सरोकार की कोशिशों का सूरज और परवाना चढ़ेगा।

आत्मचिंतन करें मायावती

रमेश सर्राफ धमोरा

हाल ही में संपन्न हुए राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना व मिजोरम विधानसभा के चुनाव में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का ग्राफ तेजी से गिरा है। राजस्थान, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ जैसे हिंदी पट्टी वाले प्रदेशों में बहुजन समाज पार्टी एक तीसरे विकल्प के रूप में अपनी ताकत का एहसास कराती आई थी मगर इस बार के विधानसभा चुनाव में बसपा का पूरी तरह सूपड़ा ही साफ हो गया है। पिछले विधानसभा चुनाव में राजस्थान में बसपा को 4 प्रतिशत वोट व 6 सीटों पर जीत मिली थी मगर इस बार यहां बसपा 1.82 प्रतिशत वोटों के साथ मात्र दो सीटों पर ही सिमट गई है। राजस्थान विधानसभा चुनाव में बसपा को मात्र 721037 वोट मिले हैं। मध्य प्रदेश में पिछली बार बसपा को दो सीट व 5.01 प्रतिशत वोट मिले थे जबकि इस बार के चुनाव में वहां बसपा को 3.40 प्रतिशत यानी 14,77,202 वोट तो मिल गए मगर सीट एक भी नहीं मिली। इसी तरह छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में पिछली बार बसपा को दो सीटों के साथ 552313 यानी 3.9 प्रतिशत वोट मिले थे मगर इस चुनाव में वहां बसपा को सीट तो एक भी नहीं मिली उसके साथ ही वोटों में भी गिरावट दर्ज हुई है। वहां बसपा को 319903 यानी 2.05 प्रतिशत वोट ही मिले हैं। तेलंगाना के विधानसभा चुनाव में बसपा का खाता भी नहीं खुला। वहां पार्टी को 321074 यानी 1.37 प्रतिशत वोट मिले हैं। मिजोरम में तो वैसे ही बसपा का कोई नाम लेवा नहीं है। 2022 में हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनाव में बसपा 53 सीटों पर चुनाव लड़ी मगर एक भी प्रत्याशी नहीं जीत पाया था। वहां पार्टी को 14613 यानी 0.35 प्रतिशत मत मिले थे। पिछले गुजरात विधानसभा के पिछले चुनाव में वहां बसपा ने 101 सीटों पर चुनाव लड़ा था। जिसमें 100 सीटों पर पार्टी प्रत्याशियों के जमानत जप्त हो गई थी। वहां पार्टी को मात्र 158123 यानी 0.5 प्रतिशत मत मिले थे। उतराखंड में बसपा के दो व पंजाब में एक विधाक है। उत्तर प्रदेश की स्थिति देखें जहां से बसपा का जन्म हुआ था। वहां 2022 के विधानसभा चुनाव में पार्टी महज एक सीट ही जीत सकी थी। वहां बसपा को सिर्फ 12.88 प्रतिशत मत मिले थे। वहीं 2017 के विधानसभा चुनाव में 19 सीट व 22.31 प्रतिशत वोट मिले थे। 2012 की विधानसभा चुनाव में बसपा को उत्तर प्रदेश में 80 सीटों के साथ 25.91 प्रतिशत वोट मिले थे। वहीं 2007 के विधानसभा चुनाव में बसपा ने 30.43 प्रतिशत वोटो के साथ 206 सीट जीतकर अपने दम पर सरकार बनाई थी। 2002 के चुनाव में बसपा को 98 सीट व 23.6 प्रतिशत वोट मिले थे। 1996 के चुनाव में 67 सीट व 19.64 प्रतिशत वोट मिले थे। 1993 के चुनाव में 67 सीट व 11.12 प्रतिशत वोट, 1991 के चुनाव में 12 सीट व 9.44 प्रतिशत वोट मिले थे। 1989 के चुनाव में पहली बार बसपा ने उत्तर प्रदेश में चुनाव लड़कर 13 सीट तथा 9.41 प्रतिशत वोट पाए थे। उपरोक्त आंकड़ों का विश्लेषण करें तो पता चलता है कि बहुजन समाज पार्टी का जनाधार लगातार कमजोर पड़ता जा रहा है। लोकसभा चुनाव के आंकड़ों को देख तो 2019 के चुनाव में बसपा को उत्तर प्रदेश में 10 सीटें व 3.67 प्रतिशत वोट मिले थे। 2014 के लोकसभा चुनाव में बसपा का खाता भी नहीं खुला था। हालांकि पार्टी को 4.19 प्रतिशत वोट मिले थे। 2009 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश में 20 व मध्य प्रदेश में एक कुल 21 सीट व 6.56 प्रतिशत वोट पाए थे। 2004 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश से 19 सीट जीतकर 5.33 प्रतिशत वोट प्राप्त किए थे। 1999 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश से 14 सीट जीती थी तथा 4.16 प्रतिशत वोट प्राप्त किए थे। 1998 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश में चार व हरियाणा में एक कुल पांच सीट जीती थी तथा 4.67 प्रतिशत वोट पाए थे। 1996 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश से 6 पंजाब से तीन व मध्य प्रदेश से दो यानि कुल 11 सीट जीती थी तथा 4.02 प्रतिशत मत प्राप्त किए थे। 1991 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने मध्य प्रदेश में एक पंजाब में एक व उत्तर प्रदेश में एक कुल तीन सीट जीती थी वहीं 1.61 प्रतिशत मत प्राप्त किए थे। 1989 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़ा था और पार्टी ने उत्तर प्रदेश में तीन व पंजाब में एक कुल चार सीटे जीत कर 2.07 प्रतिशत वोट पाये थे। पिछले लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी से समझौता होने के चलते 10 सीटों पर जीत जरूर हासिल कर ली थी। मगर उसके बाद बसपा सुप्रीमो मायावती ने समाजवादी पार्टी से अपना चुनावी गठबंधन समाप्त कर दिया था और एकला चलों की नीति पर ही 2022 में उत्तर प्रदेश विधानसभा का चुनाव लड़ा था। जिसमें पार्टी का प्रदर्शन सबसे कमजोर रहा था। 2022 के विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में जहां से बसपा एक ताकत बनकर उभरी थी और चार बार सरकार बना चुकी है।

बोलेगा तो बोलोगे कि बोलता है

डॉ टी महादेव राव

किसी शायर ने कहा है - कहने को बहुत कुछ था अगर कहने पे आते, दुनिया की इनायत है कि हम कुछ नहीं कहते। यह तो पहले की बात रही। महात्मा गांधी ने कहा मौन सर्वोत्तम भाषण है और आगे उन्होंने अपनी आत्मकथा में लिखा है-"कम बोलने से मुझे दो फायदे हुये, एक- मैं जो भी बोला सोच-समझ कर बोला, दूसरा- कम बोलने से मेरा अज्ञान छुपा रहा, जो दूसरे के सामने प्रकट नहीं हो पाया।" कितनी सादगी बापू!! बेबाक और सत्य। अब तो जैसे बोलने की हर आदमी में होड़ लगी हुई है। मोबाइल कंपनियां आपको अपने फोन पर ज्यादा से ज्यादा बोलते रहने के लिए उकसाती रहती हैं, ताकि आपके "बोलों" से उनका "धंधा" चलता रहे। टीवी पर देखें तो शॉपिंग चैनल में दोनों प्रस्तोता इतनी तेजी से और फर्राटे से लगातार बोलते रहते हैं कि आप नासमझ से देखते रह जाएंगे और पशोपेश में कुछ ना कुछ ऊलजलूल चीज़ें खरीद जाएंगे। "शोले" फिल्म की बहुत प्यारी और ढेर सारी बातें करने वाली बसंती जैसे तो आजकल हर कोई होता जा रहा है। अगर कहा जाए तो उससे भी आगे बढ़ रहा है। विशेषकर राजनीतिज्ञ, उनमें भी सत्ता में आसीन, उनके द्वारा समर्थित और उनके समर्थक सारे तोतों की तरह बोलते जा रहे हैं, वह भी बार बार लगातार। जिस तरह खरबूजा खरबूजे को देखकर रंग पकड़ता है उसी तरह सभी वक्ता बने जा रहे हैं। विषय हो या न हो कोई बात नहीं, पर लगातार बोलना जरूरी है। श्रोताओं की कमी और वक्ताओं की अधिकता हुई जा रही है। मैंने अपने मित्र डॉक्टर से पूछा - "यह बोलने की बीमारी क्यों बढ़ती जा रही है?

पहले तो ऐसा नहीं था। अब लगता है सभी बोलने के लिए ऐसे आतुर हैं, जैसे कल से उनकी बोलती बंद हो जाएगी या उनकी स्वरपेटिका काम करना बंद कर देगी।" डॉक्टर ने मुस्कुराते हुए कहा – "कोरोना ने सभी को ज्ञानी और महान आख्यान देने वाले वक्ता के रूप में परिवर्तित कर दिया है। खाली दिमाग बोलों का कारखाना हो गया है। घर बैठे कभी व्हाट्सएप पर, कभी फिर किसी से बात करते हुए, तो किसी निरीह प्राणी पर अपनी वाचालता और वाकप्रवाह की बाढ़ ला देते हैं। जिनके घर में गृहिणी है तो संयमित रहेंगे, नहीं है तो बस।" "कोई उपाय है इस वाचालता का डॉक्टर?" "क्यों नहीं, सरकार खाने के तेल, पेट्रोल डीजल की कीमतें अंधाधुंध बढ़ा रही है और अन्य चीजों के दाम आसमान छू रहे हैं इसके बावजूद जीडीपी पचहत्तर वर्ष में अल्पतम और ऋणात्मक अंक पर आ गया है। इसलिए चाहिए कि बोलने पर, चाहे वह कोई भी हो, "वाक कर" का प्रावधान करे और सख्ती से उसका पालन करे तो दो फायदे होंगे - एक तो लोगों के कान बचेंगे और सरकार की भी आमदनी बढ़ेगी।"

आज से पूरे 21 दिनों तक इस विधि के साथ करें मां अन्नपूर्णा की पूजा

घर में कभी नहीं होगी अन्न–धन की कमी

आज से अन्नपूर्णा जयंती की 21 दिवसीय पूजा शुरू हो रही है। मान्यताओं के मुताबिक, 21 दिनों तक मां अन्नपूर्णा की पूजा करने से घर में सुख–समृद्धि बनी रहती है और अन्न से घर का भंडार भरा रहता है।

आज से 21 दिवसीय देवी अन्नपूर्णा की पूजा शुरू होगी। दरअसल, मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से लेकर 21 दिनों के दौरान देवी अन्नपूर्णा की विशेष रूप से पूजा और व्रत का विधान है।

देवी अन्नपूर्णा पार्वती जी का ही एक रूप हैं। इनकी आराधना से व्यक्ति को धन-धान्य, सुख-समृद्धि, यश, कीर्ति, अच्छा स्वास्थ्य और लंबी आयु, सब कुछ मिलता है।

लिहाजा इन सब चीजों का लाभ उठाने के लिए आपको अन्नपूर्णा देवी के इन 21 दिवसीय व्रत का पालन अवश्य करना चाहिए, लेकिन जो लोग 21 दिनों तक व्रत न कर सके, वो केवल एक दिन व्रत कर लें, परंतु देवी की पूजा पूरे विधि-विधान से 21 दिनों तक ही करें। अगले 21 दिनों के दौरान आपको किस प्रकार मां अन्नपूर्णा की उपासना करनी चाहिए

पूरे 21 दिनों तक देव अन्नपूर्णा की इस विधि के साथ करें पूजा

बिना कुछ खाए स्नान आदि के बाद मां अन्नपूर्णा की विधि-पूर्वक रोली, चावल, धूप-दीप, पुष्प आदि से पूजा करें।

पूजा शुरू करने से पहले ही एक 21 गांठ वाला रेशमी धागा लें और उसे अपने हाथ पर बांध लें। इस धागे को पूरे 21 दिनों तक पूजा के दौरान पहनना है। फिर 21 दिनों के बाद उस धागे को बहते जल में प्रवाहित कर दें।

इस प्रकार धागा लेकर पूजा के बाद देवी मां की कथा सुनें और ध्यान रहे देवी मां की कथा अकेले नहीं सुनें।

वहीं अगर आपके घर पर साथ में कोई और कथा सुनने वाला न हो, तो एलोवेरा, यानि ग्वारपाठा के पौधे के सामने एक पीपल के पत्ते पर सुपारी रख कर, वहां पर घी का दीपक जलाएं।

साथ ही महादेव, यानि शिव जी की तस्वीर भी वहां रखें। अब शिवजी और ग्वारपाठा के पौधे को कथा सुनाएं।

अगर आपको ग्वारपाठा भी न मिले तो आप केवल शिवजी के सामने घी का दीपक जलाकर कथा सुनाएं।

इस प्रकार पूजा के बाद परिवार के सब लोगों में प्रसाद बांटें और रोज इसी तरह से देवी अन्नपूर्णा की पूजा करें।

ऐसा करने से आपके धन-धान्य में बढ़ोतरी होगी और आपको पैसों संबंधी परेशानियों से मुक्ति मिलेगी।

साथ ही आपको सुख-समृद्धि, यश-कीर्ति और लंबी आयु की प्राप्ति भी होगी।

अन्नपूर्णा जयंती 2023 तिथि

इस साल अन्नपूर्णा जयंती 26 दिसंबर, 2023 को मनाई जाएगी। हर साल मार्गशीर्ष महीने की पूर्णिमा के दिन अन्नपूर्णा जयंती मनाई जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी दिन मां अन्नपूर्णा धरती पर प्रकट हुई थी। इस दिन विधि-विधान के साथ माता अन्नपूर्णा की उपासना करने से घर में कभी भी अन्न की कमी नहीं होती है।

लालच, महत्वाकांक्षा, गुस्सा, घमंड और ईर्ष्या, ये सभी शांति के दुश्मन हैं। जब हमारे स्वभाव में इनमें से कोई एक बात भी रहेगी, तब तक हमें शांति नहीं मिल सकती है।

संघर्ष के बिना व्यक्ति कच्चे घड़े की तरह होता है। जिस तरह कच्चा घड़ा पानी में टिक नहीं पाता है, ठीक उसी तरह जिन लोगों ने संघर्ष नहीं किया है, वे मुश्किलों से हार मान लेते हैं। मुश्किलों से डरे नहीं, उनका सामना करें, तभी कामयाबी मिलती है।

अहंकार वर्तमान में तो सुख दे सकता है

लेकिन भविष्य में नुकसान जरूर पहुंचाता है इससे बचें

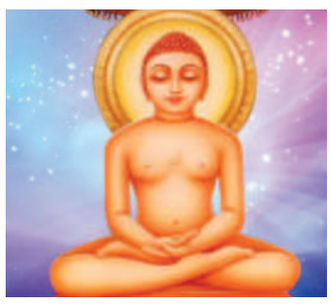

भगवान महावीर से जुड़ा प्रसंग है। महावीर स्वामी से मिलने, उनके दर्शन करने के लिए काफी लोग रोज पहुंचते थे। एक राजा भी महावीर स्वामी के दर्शन के लिए आने लगा।

राजा रोज महावीर के सामने कीमती आभूषण और अन्य उपहार लेकर पहुंचता था। स्वामी जी उस राजा को और उसके आभूषण को देखकर कहते थे कि इन्हें तुरंत गिरा दो।

राजा महावीर भगवान की बात मानकर सारे उपहार वहीं गिरा देता था। ऐसा कई दिनों तक चलता रहा। एक दिन राजा को ये बात बहुत अजीब लगी, वह सोचने लगा कि मैं रोज इतने कीमती उपहार लेकर जाता हूं, लेकिन महावीर जी उन्हें गिराने के लिए क्यों कहते हैं?

जब राजा को महावीर जी की ये बात समझ नहीं आई तो उसने अपने मंत्री को पूरी बात बताई। मंत्री बहुत विद्वान था, उसने कहा कि आप इस बार खाली हाथ जाएं। अपने साथ कोई उपहार लेकर न जाएं।

राजा अगले दिन स्वामी जी के पास खाली हाथ पहुंच गया। इस बार भगवान महावीर ने कहा कि आज तुम खुद को गिरा दो।

राजा को ये बात समझ नहीं आई, उसने महावीर से पूछा कि आप कृपया मुझे ठीक से समझाएं, आप क्या कहना चाहते हैं।

महावीर स्वामी की सीख

महावीर स्वामी ने कहा कि आप राजा हैं और आप ये सोचते हैं कि किसी को भी धन देकर खुश किया जा सकता है, आपको अपने धन, राज्य और पद का अहंकार है। मैं आपसे रोज इसी अहंकार को गिराने की बात कह रहा हूं। आपको अहंकार नाम की बुराई को तुरंत छोड़ देना चाहिए। जब आप अहंकार त्याग देंगे तो ये आपके और आपकी प्रजा के जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी।

राजा को बात समझ आ गई और राजा ने महावीर भगवान के सामने घमंड त्यागने का संकल्प ले लिया।

शुल्क पक्ष में छह दिन तीज त्योहारों के

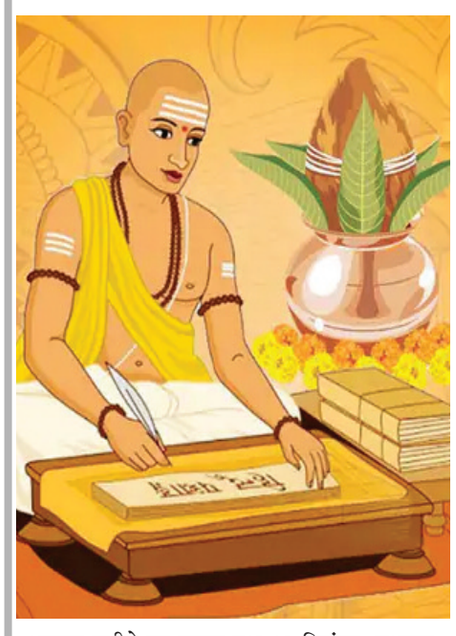

अगहन महीने का शुक्ल पक्ष 13 दिसंबर, बुधवार से शुरू हो रहा है। जो कि 26 दिसंबर तक रहेगा। इस दौरान 23 दिसंबर को द्वादशी तिथि का क्षय होगा। यानी एक तिथि कम होने से ये पखवाड़ा 14 दिनों का ही रहेगा। इस शुक्ल पक्ष में तीज-त्योहारों के 6 दिन रहेंगे।

श्रीकृष्ण का प्रिय महीना

मार्गशीर्ष यानी अगहन महीना पवित्र माना जाता है। ये श्रीकृष्ण को बहुत प्रिय है। शास्त्रों में इसे श्रीकृष्ण का स्वरूप कहा गया है। हिंदू पंचांग के मुताबिक मार्गशीर्ष की शुक्ल पक्ष की एकादशी को भगवान श्रीकृष्ण ने कुरुक्षेत्र के मैदान में धनुर्धारी अर्जुन को गीता का उपदेश सुनाया था।

गीता के एक श्लोक में श्रीकृष्ण मार्गशीर्ष मास की महिमा बताते हुए कहते हैं कि गायन करने योग्य श्रुतियों में मैं बृहत्साम, छंदों में गायत्री और मास में मार्गशीर्ष और ऋतुओं में बसंत हूं। शास्त्रों में मार्गशीर्ष का महत्व बताते हुए कहा गया है कि हिन्दू पंचांग के इस पवित्र मास में गंगा, यमुना जैसी पवित्र नदियों में स्नान करने से रोग, दोष और परेशानियों से मुक्ति मिलती है।

अगहन महीने के शुक्ल पक्ष में आने वाले तीज-त्योहार...

16 दिसंबर, शनिवार: इस दिन सूर्य राशि परिवर्तन करेगा। वृश्चिक से निकलकर धनु राशि में आने से इस दिन धनु संक्रांति पर्व मनेगा। इस पर्व पर तीर्थ स्नान और दान से कई गुना पुण्य फल मिलता है। इस दिन से धनुर्मास भी शुरू हो जाएगा।

17 दिसंबर, रविवार: इस दिन विवाह पंचमी है। त्रेतायुग में इसी तिथि पर श्रीराम और सीता का विवाह हुआ था। इस दिन श्रीराम और सीता की विशेष पूजा करें। रामायण का पाठ करें।

18 नवंबर, सोमवार: इस दिन चंपा षष्ठी व्रत रहेगा। इसमें भगवान शिव और कार्तिकेय की पूजा की जाती है। स्कंद पुराण के मुताबिक इस दिन कार्तिकेय पूजा से परेशानियां दूर होती हैं।

23 दिसंबर, शनिवार: इस दिन मोक्षदा एकादशी है। इस दिन व्रत के साथ श्रीकृष्ण और भगवान विष्णु की विशेष पूजा की जाती है। साथ ही इस दिन गीता जयंती पर्व भी मनाया जाता है। इस पर्व पर नदी में स्नान करने और दान-पुण्य करने की परंपरा है।

24 दिसंबर, रविवार: ये साल का आखिरी रवि प्रदोष है। रविवार को त्रयोदशी का संयोग होने से इस दिन भगवान शिव-पार्वती के साथ सूर्य पूजा से सुख और समृद्धि बढ़ती है। ये व्रत सभी दोष दूर करता है।

26 दिसंबर, मंगलवार: इस दिन मार्गशीर्ष महीने की पूर्णिमा तिथि है। ये इस हिंदी महीने का आखिरी दिन रहेगा। अगहन महीने के इस पूर्णिमा पर्व पर स्नान-दान और पूजा-पाठ करने की परंपरा है। इस दिन दत्तात्रेय भी जयंती है। इस तिथि पर ऋषि अत्रि और सति अनसूया के बेटे के रूप में त्रिदेवों के अंश दत्तात्रेय का जन्म हुआ था।

पैसों को रखने के लिए ये दिशा होते हैं बेहद शुभ, कभी खाली नहीं होती है तिजोरी

हर किसी के पास तो पैसों को रखने के लिए अलग से तिजोरी नहीं होती या उनके लिए ऐसा कर पाना मुश्किल होता है। तो ऐसे लोगों को किस दिशा में अपना पैसा रखना अच्छा रहेगा। तो आइए आज वास्तु शास्त्र में आचार्य इंदु प्रकाश से जानते हैं कि कहां पैसा रखने से इसमें वृद्धि होती है।

वास्तु शास्त्र के मुताबिक, जिन लोगों के पास पैसा रखने के लिए अलग से तिजोरी या कोई अलमारी नहीं है उन लोगों को अपना पैसा रखने के लिए उत्तर दिशा का चुनाव करना चाहिए। ऐसे लोगों के लिए उत्तर दिशा सबसे अच्छी रहती है। पैसे को इस स्थान पर रखने से व्यक्ति की आर्थिक स्थिति में सुधार आता है। आप अपने घर के किसी भी कमरे की उत्तर दिशा में पैसों के लिए जगह बना सकते हैं लेकिन ध्यान रहे कि जिस कमरे में आप पैसा रख रहें हैं वह कमरा सुरक्षा के लिहाज से महफूज होना चाहिए।

तिजोरी रखने की सही दिशा क्या है?

कई बार ऐसा होता है कि आप चाहें कितना ही पैसा कमा लें लेकिन फिर भी आपकी तिजोरी में बरकत नहीं होती। इस परेशानी से बचने के लिए तिजोरी को सही दिशा में रखना बहुत जरूरी है। तिजोरी को या तो दक्षिण दिशा की तरफ दिवार से सटाकर रखें जिससे इसका मुंह उत्तर की ओर खुले या फिर पश्चिम दिशा में रखे जिससे यह पूर्व की ओर खुलेगी।

वास्तु शास्त्रों के अनुसार,उत्तर दिशा के स्वामी कुबेर और पूर्व दिशा में इंद्र देव का वर्चस्व माना जाता है। इन दोनों दिशाओं में तिजोरी का मुंह खुलने से पैसों की बढ़ोतरी होगी और परिवार में भी खुशहाली का वातावरण बना रहेगा। लेकिन ध्यान रहे कि तिजोरी का मुंह दक्षिण दिशा की तरफ कभी भी न हो। क्योंकि ये दिशा यम की दिशा है और इस दिशा में तिजोरी का मुंह खुलना मतलब परेशानियों को बुलावा देना है।

नए साल से पहले घर से निकाल दें ये वस्तु

नए साल की आगमन में महज कुछ ही दिन शेष बचे हैं। नए साल की शुरुआत को लेकर लोग काफी उत्साहित रहते हैं। लेकिन आप नए साल के ठीक पहले छोटे-छोटे कुछ कार्य कर लें तो नए साल में घर से दरिद्रता भाग जाएगी और माता लक्ष्मी का आगमन होगा। तो आइये देवघर के ज्योतिषाचार्य से जानते हैं कि नए साल से पहले घर में क्या उपाय करें जिससे नए साल में घर से दरिद्रता समाप्त हो जाए?

यदि घर में टूटा हुआ कांच है तो नए साल से पहले उसेघर से बाहर निकाल दें। इससे घर से नकारात्मक ऊर्जा भी दूर हो जाएगी।

यदि घर की दीवार पर खराब घड़ी टंगी हो तोउसे भी नए साल से पहले घर से बाहर निकाल दें।

यदि घर में खंडित मूर्ति पड़ीहो तो नए साल के आगमन से पहले उसे किसी नदी में प्रवाहित कर दें। इससे माता लक्ष्मी प्रसन्न होंगी।

यदि घर में टूटा हुआ जूता चप्पल पड़ा हो तो उसे 2023 में ही घर से बाहर फेंक दे। इसके साथ-साथ दरिद्रता भी घर से बाहर चली जाएगी और घर में माता लक्ष्मी का आगमन होगा।

बिना तोड़ फोड़ के इन उपायों से दूर करें घर का वास्तु दोष

ज्योतिष शास्त्र में वास्तु शास्त्र का काफी विशेष महत्व है।कहा जाता है कि अगर आपने घर वास्तु शास्त्र के अनुसार नहीं बनवाया है।तो उस घर में दरिद्रता, बीमारी व स्वास्थ्य संबंधी परेशानी हमेशा लगी रहती है व घर में रह रहे लोगों के जीवन में हमेशा कोई ना कोई अड़चन आते रहती है।लेकिन अगर आपने अपना घर बना लिया है और अब वस्तु को ठीक करना चाहते हैं।तो घर को बिना तोड़े ही आज हम आपको एक ऐसा उपाय बताएंगे जिससे आपका वस्तु दोष छूमंतर हो जाएगा।

झारखंड की राजधानी रांची के अग्रवाल रत्न स्टोर के ज्योतिष आचार्य संतोष कुमार चौबे बताते हैं घर बनाने के दौरान वास्तु शास्त्र का एक विशेष महत्व होता है।वास्तु के अनुसार अगर घर वास्तु के अनुसार न बना हो तो।उस घर में दरिद्रता और बीमारी आना तय है।जैसे घर के नॉर्थ ईस्ट में कभी भी वॉशरूम नहीं होनी चाहिए।ऐसे में उसे घर में बीमारी आना निश्चित है और इससे धन संबंधी भी परेशानी का सामना करना पड़ेगा और ऐसा आजकल कई लोगों के घर में देखा भी जाता है।

हो गई है गड़बड़ी तो अब क्या करें

वस्तु का ख्याल नहीं रखा और मान लीजिए नॉर्थ ईस्ट में अपने वाशरूम बना दिया हो या घर का मुख्य दरवाजा गलत डायरेक्शन में है। तो आपको वास्तु पिरामिड आपके घर के द्वार पर लगाना है। यह छोटा-छोटा पिरामिड सकारात्मक एनर्जी का सोर्स होता है।इस पिरामिड का ज्योतिष शास्त्र में विशेष महत्व है।

उन्होंने आगे बताया पिरामिड से निकलने वाली सकारात्मक एनर्जी एक वर्चुअल दीवार बना देती है।जिससे कोई भी नेगेटिव या नकारात्मक ऊर्जा आपके घर में प्रवेश नहीं कर पाएगी और घर में हमेशा पिरामिड के द्वारा हमेशा सकारात्मक एनर्जी का प्रवाह बहता रहेगा।साथ ही इससे फायदा यह है कि यह काफी सस्ता है और इसे आसानी से घर में लगाया जा सकता है।

पिरामिड लगाने के पहले एक बार परामर्श जरूर लें

ज्योतिष पिरामिड से सकारात्मक ऊर्जा आती है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं की कोई भी इसका इस्तेमाल अपने घर पर कर सकता है।यह बहुत शक्तिशाली होता है।अगर आपके घर में वास्तु दोष नहीं है और आपने इस पिरामिड को लगा लिया तो यह आप पर नकारात्मक ऊर्जा का संचार करेगा।इसीलिए पिरामिड लगाने के पहले एक बार किसी अच्छे ज्योतिष आचार्य से अपने घर को जरूर दिखा ले और उनके निर्देश अनुसार ही पिरामिड लगभग लगवाए। इस मामले में अधिक जानकारी व ज्योतिष परामर्श के लिए इस नंबर पर आप संपर्क कर सकते हैं।

टाइगर श्रॉफ के ढलते करियर पर पापा जैकी ने दी सलाह, बोले- मूवी इंडस्ट्री में ये चलता है

हीरोपंती और बागी जैसी फिल्मों के जरिए टाइगर श्रॉफ ने एक्शन हीरो का तमगा हासिल किया। उन्हें एक्शन अवतार में दर्शकों ने भी खूब पसंद किया। लेकिन अभिनेता की पिछली कुछ फिल्में बॉक्स ऑफिस पर नहीं चल सकी हैं। मुन्ना माइकल से लेकर हीरोपंती 2 और गणपत तक, सभी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरीं। बेटे का करियर ग्राफ नीचे जाता देख पापा जैकी श्रॉफ ने उन्हें सलाह दी है।

टाइगर को देते हैं ये सलाह

जैकी श्रॉफ का कहना है कि उन्होंने अपने बेटे को सलाह दी है कि फिल्मों का बिजनेस बहुत ही अप्रत्याशित है, इसे सहजता से लें। जैकी श्रॉफ ने आगे कहा कि हिट और फ्लॉप फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा है, उन्हें अपने बेटे की क्षमताओं पर पूरा भरोसा है। एक्टर का कहना है, 'मुझे लगता है कि टाइगर को एक अच्छे टेक्नीशियन और अच्छी रिलीज की जरूरत है। यही काफी है'।

बेटे पर जताया भरोसा

बेटे को लेकर जैकी ने कहा, 'लड़के के अंदर सबकुछ है। वह एक्शन स्टार है। मैं उससे कहता हूं, इसे सहज तरीके से लो, कुछ फिल्में चलेंगी, कुछ नहीं चलेंगी। फिर दोबारा काम आता रहेगा। यही जिंदगी है। मैंने 250 फिल्में कीं और वे सभी हिट नहीं हुईं। इसलिए ये सब चलता है। फिल्म पूरी टीम पर निर्भर करती है। फिल्म मेकिंग टीम वर्क होता है।

जैकी श्रॉफ का मानना है कि जिंदगी में हर किसी को सबकुछ नहीं मिलता है। यह असंभव है। इसलिए ये समझना चाहिए कि सेहत, परिवार और दोस्त महत्वपूर्ण हैं। हमारे पास जो है, हमें उसके लिए शुक्रगुजार होना चाहिए'। जैकी श्रॉफ के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे इस समय 'मस्त में रहने का' को लेकर चर्चा में हैं। इसमें वे नीना गुप्ता के साथ नजर आए हैं। ये फिल्म आठ दिसंबर को प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई।

करण जौहर को महूसस होती है रोमांटिक रिलेशनशिप की कमी, बोले- अकेलेपन से घिर गई है मेरी जिंदगी

फिल्म निर्माता करण जौहर अपनी निजी जिंदगी पर खुलकर बात करते हैं। वे कई बार अपने रिलेशनशिप स्टेटस को लेकर बात कर चुके हैं। एक बार फिर वे अपनी जिंदगी में रोमांस की कमी और खालीपन पर बात करते दिखे। बता दें कि करण जौहर अपने चैट शो कॉफी विद करण 8 के दौरान दीपिका और रणवीर की शादी की क्लिप देखकर हो पड़े थे। अब हाल ही में एक बार फिर उन्होंने इस बारे में बात की है।

निजी जिंदगी को लेकर की बात

करण जौहर से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'हम अपनी कमजोरियों का बचाव करते हैं, लेकिन फिर एक समय पर आप बड़े हो जाते हैं, आप समझदार हो जाते हैं और आपको लगता है कि अपने जीवन का एक हिस्सा साझा करना उतना डरावना नहीं है, जितना पहले हुआ करता था। जब मैं 43 साल का था, तब मैं एक किताब लिख चुका हूं। मैं जितनी बातें शेयर कर सकता था, उसकी 80 प्रतिशत कीं। 20 प्रतिशत हम हमेशा रोक लेते हैं, क्योंकि ये हमारा विशेषाधिकार भी है। शो के दौरान का वह पल सच था, क्योंकि वह सच है।

इस तरह अकेलेपन से बचते हैं निर्देशक

करण जौहर ने पेरेंटिंग को लेकर भी बात की। निर्देशक ने बताया कि वे अकेलेपन से घिरे हैं। करण ने कहा, 'मेरे दो बच्चे हैं। मैं अपनी मां के साथ मिलकर उनकी परवरिश कर रहा हूं, किसी पार्टनर के साथ नहीं। मेरा रिलेशनशिप स्टेटस सिंगल है। वह सिंगल स्टेटस ढेर सारे कामों से भरा हुआ है। मैं दिनभर इतना काम करता हूं कि उस स्थिति के बारे में नहीं सोचता। जब आप अकेले होते हैं, तो शायद सभी यही करते हैं। हम उस अकेलेपन को जाहिर नहीं करना चाहते'।

आप अकलेपन से अपना ध्यान हटाने के लिए

खुद को ढेर सारे कामों में व्यस्त कर लेते हैं। तब आप इससे भी सहमत होते हैं कि अगर आपके अच्छे दोस्त हैं और शानदार फैमिली लाइफ है तो उससे एक रोमांटिक रिलेशन की कमी की भरपाई हो सकती है। लेकिन, उस चीज को कोई रिप्लेस नहीं कर सकता। जिंदगी के कई खाचे हैं। एक को पेरेंट्स भरते हैं, एक को बच्चे और कुछ को दोस्त। लेकिन, एक खांचा रोमांटिक रिलेशनशिप का होता है, जिसे अगर आप नहीं भर पाए तो अपूर्णता की भावना घर करती है। करण जौहर ने आगे कहा, 'वह अकेलापन वास्तव में आपको खा सकता है और इसने मुझे भी खा लिया है। मैं कई वर्षों से किसी रिश्ते में नहीं हूं। मैं ही जानता हूं कि ये कैसा लगता है'।

तृषा के खिलाफ दायर मानहानि मुकदमे का मंसूर पर हुआ उल्टा असर, मद्रास हाई कोर्ट ने लगाई फटकार

तृषा के साथ स्क्रीन साझा करने के बारे में साउथ अभिनेता मंसूर अली खान की अभद्र टिप्पणियों को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। हाल ही में, मंसूर ने तृषा ने माफी मांगी थी, लेकिन अब उन्होंने इस मामले में अपना यू-टर्न ले लिया है। वहीं, पिछले दिनों मंसूर ने अपने तेवर बदल लिए हैं। उन्होंने तृषा के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था। इसे लेकर अब एक और ताजा खबर आई है। खबर है कि अभिनेता को मद्रास हाई कोर्ट ने फटकार लगाई है। जानते हैं कि कोर्ट ने क्या कहा है।

मंसूर अली खान को मद्रास हाई कोर्ट की फटकार

बता दें कि अभिनेता मंसूर ने सोशल मीडिया पर अपने खिलाफ दिए गए बयानों के लिए तृषा, चिरंजीवी और खुशबू सुंदर के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया। लेकिन ऐसा लग रहा है कि इसका उल्टा असर हुआ है। मद्रास उच्च न्यायालय ने तृषा, चिरंजीवी और खुशबू सुंदर से एक-एक करोड़ रुपये का मुआवजा मांगने पर अभिनेता मंसूर अली खान को फटकार लगाई है। अभिनेता ने आरोप लगाया कि तृषा पर उनके बयान की पुष्टि किए बिना तीनों ने सार्वजनिक रूप से उनके खिलाफ अपमानजनक बयान दिए है। इसके लिए अभिनेता की खिंचाई की गई।

तृषा के पक्ष में कोर्ट ने दिया बयान

न्यायमूर्ति एन सतीश कुमार ने आश्चर्य जताया कि तृषा के बजाय मंसूर ने मानहानि का मुकदमा क्यों किया था। अदालत ने सवाल किया, "क्या उन्होंने गिरफ्तारी से बचने के लिए ही बिना शर्त माफी मांगी थी? दरअसल, तृषा को क्षति के लिए मुकदमा दायर करना चाहिए था। इसके साथ ही अदालत ने उनके वकील से अनुरोध किया कि वे उन्हें सलाह दें कि सार्वजनिक रूप से जिम्मेदारी से कैसे कार्य किया जाए। न्यायाधीश ने तृषा, चिरंजीवी और खुशबू को भी मुकदमे पर जवाब देने का निर्देश दिया है।

इस वजह से शुरू हुआ विवाद

मंसूर ने दावा किया कि उन्होंने निजी तौर पर किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कुछ भी गलत नहीं कहा है। उनकी याचिका में कहा गया है कि वे केवल उन नकारात्मक पहलुओं पर कमेंट कर रहे थे, जो उन्होंने अतीत में निभाए थे और उन्होंने जो कुछ सीन किए थे वे अब लोगों के सामने पेश करने लायक नहीं है। उन्होंने दोहराया कि उनके बयान में तृषा या किसी भी महिला के खिलाफ कोई व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं की गई थी। हालांकि न्यायाधीश ने लगातार विवादों में रहने के लिए मंसूर की आलोचना की।

यश की 'टॉक्सिक' में हुई श्रुति हासन की एंट्री

साउथ सुपरस्टार यश की अपकमिंग मूवी 'टॉक्सिक' का हाल ही में मेगा एनाउंसमेंट हुआ है। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार यश की अपकमिंग मूवी का ऐलान हुआ है। इस मूवी का ऐलान करते हुए मेकर्स ने एक जबरदस्त एनाउंसमेंट टीजर वीडियो जारी किया था। जिसमें बैकग्राउंड में एक फीमेल साउंड थी।

इस आवाज ने फिल्मप्रेमियों का दिल जीत लिया। इस बीच फिल्म को लेकर एक दिलचस्प जानकारी हाथ लगी है। सामने आई ताजा जानकारी के मुताबिक इस मूवी में सुपरस्टार प्रभास की अपकमिंग मूवी 'सालार' की हीरोइन की एंट्री हो चुकी है। जी हां, यश की 'टॉक्सिक' में श्रुति हासन की भी एंट्री हुई है।

क्या आप जानते हैं कि 'टॉक्सिक' के टीजर वीडियो में अदाकारा श्रुति हासन की ही आवाज है। जो बैकग्राउंड में चल रहे इंग्लिश सॉन्ग में सुनाई देती है। लंदन में रहने वाले संगीतकार जेरेमी स्टैक द्वारा निर्मित, यह गीत तुरंत इंटरनेशनल अपील पेश करता है और कुछ ही समय में भारतीय और ग्लोबल दोनों दर्शकों के साथ जुड़ने में कामयाब रहा है।

जेरेमी स्टैक का इस फिल्म में आना वास्तव में एक इंटरनेशनल म्यूजिशियन और एक बेहद चहेते फिल्म स्टार के दिलचस्प सहयोग का प्रतीक है, दोनों को दुनिया भर में लाखों लोग पसंद करते हैं। इसके अतिरिक्त, गीत को बेहद टैलेंटेड श्रुति हासन द्वारा लिखा और गाया गया है। अपनी अभिनय प्रतिभा के साथ-साथ अपनी प्रतिभाशाली आवाज के लिए मशहूर श्रुति हासन अपने मधुर आवाज से वीडियो में सचमुच जान डाल देती हैं।

फिल्म के टाइटल, 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' ने दर्शकों के बीच बड़ी चर्चा पैदा कर दी है, जिससे वे इसके महत्व के बारे में अपने स्वयं के सिद्धांत तैयार करने के लिए प्रेरित हुए हैं। गीतू मोहनदास द्वारा निर्देशित और केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस द्वारा सह-निर्मित, 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' अब तक के सबसे शानदार सहयोगों में से एक होने की उम्मीद है। यह फिल्म 10 अप्रैल 2025 को स्क्रीन पर रिलीज होने के लिए तैयार है।

शेफाली जरीवाला ने पहली शादी के बारे में तोड़ी चुप्पी

आज से तकरीबन दो दशक पहले 'कांटा लगा' रीमिक्स विडियो से शोहरत पाने वाली शेफाली जरीवाला कुछ गिनी-चुनीं फिल्मों और 'बिग बॉस' जैसे रियलिटी शोज में नजर आईं। मगर उनके काम से ज्यादा उन्हें सोशल मीडिया ने सामयिक रखा। इन दिनों वह अपने नए शो 'शैतानी रस्मों' से चर्चा में हैं। उन्होंने 'नवभारत टाइम्स' ने खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ से लेकर प्रोफेशन लाइफ के बारे में बात की। साथ ही ट्रोलिंग को कैसे हैंडल करती हैं, इस पर खुलकर बात की।

मुझे लगता है, मैं इकलौती आर्टिस्ट नहीं हूं, जिसे अच्छे मौके के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा हो। और भी कई हैं। ये भी जरूरी नहीं कि एक एक्टर 365 दिन काम में लगा रहे। मुझे जो मेरे योग्य मिला, मैंने किया, मगर सबसे बड़ी बात ये है कि मैंने खुद को संभाल कर रखा। मेरी ऑडियंस ने मुझे आज भी रिलेवेंट रखा। इसके लिए मैं सोशल मीडिया का शुक्रिया अदा करना चाहूंगी। मैंने खुद को हमेशा लंबी रेस का घोड़ा माना। मुझे 20 साल हो गए हैं और मैं यहां आगे के 30 साल और रहने वाली हूं। मैं एक अच्छी एंटरटेनर हूं, ये मैंने पहले दिन से साबित किया है। मुझे जब अपने नए शो में कपालिका का ये रोल मिला, तो मैं इसे करने को बेताब हो गई। मेरा एक लॉयल फैन बेस है और उन्होंने मुझे हमेशा खबरों में रखा है। मेरे दर्शकों को, फैन्स को एक नई शेफाली जरीवाला देखने को मिलेगी। ये उनके साथ मेरे लिए भी 'इंतजार का फल मीठा होगा' की कहावत को सच साबित करेगा। मुझे खुशी है कि मैंने सही मौके का इंतजार किया और वो मुझे मिला।

एक एक्टर अपने करियर में बहुत कुछ करना चाहता है। मेरे करियर की शुरुआत डांस से हुई। फिर जैसे-जैसे मुझे फिल्में और रियलिटी शोज मिलते रहे, मैंने किए। टीवी के बारे में कहा जाता है कि ये छोटा पर्दा है, मगर मेरा मानना है कि आज भी इसकी रीच सबसे ज्यादा है। यह एक बेहद ही अलग तरह का थ्रिलर शो है। मेरे रोल में कई रंग हैं।वैसे मैं टीवी करने से बहुत घबराती हूं, क्योंकि इसमें एक लंबा कमिटमेंट देना पड़ता है। मगर इस दमदार भूमिका ने मुझे इसके लिए हामी भरने को प्रेरित किया।

अल्लू ने 'हाय नन्ना' पर लुटाया प्यार

बॉलीवुड में एक-दूसरे की फिल्मों की समीक्षाओं का दौर चलता रहता है। साउथ से लेकर बॉलीवुड तक सभी सितारे एक-दूसरे की फिल्मों को लेकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं। जहां पहले दर्शकों की नजर किसी भी फिल्म के रिलीज होने से पहले समीक्षकों द्वारा साझा किए गए रिव्यू पर होती थी, वहीं अब उनके साथ ही स्टार्स द्वारा फिल्मों पर दी गई प्रतिक्रियाएं भी सभी के लिए उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। जहां हाल ही में बड़े-बड़े सितारों ने संदीप रेड्डी वांगा निर्देशित 'एनिमल' पर प्यार लुटाया था, वहीं अब हाल ही में देश और दुनिया में 'पुष्पा' के नाम से मशहूर अभिनेता अल्लू अर्जुन ने नानी और मृणाल ठाकुर की अपकमिंग फिल्म 'हाय नन्ना' यानी 'हाय पापा' के की जमकर तारीफ की है।

दक्षिण भारतीय फिल्मों में अपने कमाल के अभिनय और दमदार स्क्रीन प्रजेंस से दर्शकों का दिल जीतने वाले सुपरस्टार नानी इन दिनों अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'हाय नन्ना' को लेकर सुर्खियों में हैं। नानी एक के बाद एक फिल्मों में काम कर सभी के दिलों में जगह बनाने में सफल रहे हैं और इस बार वह एक बेहद ही इमोशनल फिल्म लेकर दर्शकों के बीच लौटे हैं। 'हाय नन्ना' नामक इस फिल्म में उनके साथ पर्दे पर मृणाल ठाकुर की जोड़ी धमाल मचा रही है। हाल ही में थिएटर में रिलीज हुई 'हाय नन्ना' को लेकर अभिनेता अल्लू

अर्जुन ने सोशल मीडिया पर अपने विचार साझा किए हैं और इसकी सराहना की है।

इन दिनों अपनी फिल्म 'पुष्पाः द रूल' को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए अभिनेता अल्लू अर्जुन बाकी चीजों के लिए भी समय निकाल ही लेते हैं। फिर चाहे अपने परिवार के साथ समय बिताना हो या फिर किसी फिल्म को देखकर सोशल मीडिया पर उसका रिव्यू करना। हाल ही में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता ने तेलुगु सुपरस्टार नानी और मृणाल ठाकुर स्टारर फैमिली ड्रामा फिल्म 'हाय नन्ना' देखी और इसकी कहानी उन्हें इस कदर पसंद आई कि वह फिल्म के मुख्य सितारों के अभिनय कौशल की सराहना करने से खुद को रोक नहीं पाए और पूरी टीम को भी बधाई दी।

'खो गए कहां हम' के ट्रेलर लॉन्च से सबा आजाद का डांस वीडियो वायरल, ऋतिक ने तारीफ में कही यह बात

बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन अपनी फिल्मों के साथ-साथ निजी जिंदगी को लेकर भी सुर्खियों में बने रहते हैं। वे अपनी गर्लफ्रेंड सबा आजाद के साथ अक्सर कपल गोल देते हुए नजर आते हैं। इसके साथ ही हमेसा अभिनेता को सबा का उत्साह बढ़ाते हुए भी देखा जाता है। एक बार फिर अभिनेता ने कुछ ऐसा ही किया। दरअसल, रविवार को सबा ने 'खो गए हम कहां' के ट्रेलर लॉन्च पर परफॉर्म किया, जिसमें उन्होंने गाना गाने के साथ डांस भी किया। अब उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है, जिस पर ऋतिक रोशन ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है।

सबा आजाद के वायरल वीडियो को ऋतिक ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम की स्टोरीज पर साझा किया। उन्होंने सबा के प्रदर्शन की तारीफ भी की। अपनी स्टोरी में उन्होंने यह बात भी कही कि सबा ने तबीयत खराब होने के बावजूद इतना अच्छा प्रदर्शन किया। कैप्शन में ऋतिक ने लिखा, 'बंद नाक के साथ छींक के बीच परफॉर्म किया, लेकिन फिर भी यह बहुत मजेदार है। यह गाना अच्छा है।' इसके साथ अभिनेता ने लाल दिल वाला इमोजी भी साझा किया।

इवेंट से एक वीडियो भी सामने आया, जिसमें 'खो गए हम कहां' के सितारे सिद्धांत चतुर्वेदी, अनन्या पांडे और आदर्श गौरव मंच पर सबा आजाद के साथ डांस करते नजर आए। वे सबा के गाने पर मस्ती में झूम रहे थे। इस दौरान सबा बोल्ड वेस्टर्न ड्रेस पहने नजर आईं। डार्क मेकअप और खुले बालों के साथ सबा ने अपना लुक पूरा किया था।

'खो गए हम कहां' की बात करें तो फिल्म में अनन्या पांडे, सिद्धांत चतुर्वेदी और आदर्श गौरव मुख्य भूमिका में हैं। यह एक ड्रामा फिल्म है, जिसमें तीन सबसे अच्छे दोस्त डिजिटल युग की दुनिया में रिश्तों, भावनाओं और लक्ष्यों को खोजते हैं। यह फिल्म अर्जुन वरैन सिंह के जरिए निर्देशित है, जिसकी कहानी उन्होंने जोया अख्तर और रीमा कागती के साथ मिलकर लिखी है। ऋतिक रोशन की बात करें तो वे अगली बार दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर के साथ 'फाइटर' में नजर आएंगे। फिल्म का टीजर हाल ही में रिलीज किया गया था और इसने प्रशंसकों को उत्साहित कर दिया है। 'फाइटर' में ऋतिक रोशन, अनिल कपूर, दीपिका पादुकोण के अलावा सहायक भूमिकाओं में करण सिंह ग्रोवर, अक्षय ओबेरॉय, संजीदा शेख, तलत अजीज और अन्य सहित एक शानदार स्टार कास्ट है। यह हवाई एक्शन फिल्म 25 जनवरी, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

ट्विंकल खन्ना ने बढ़ती उम्र पर साझा किए अपने विचार, अभिनेत्री को सता रहा था इस बात का डर

खिलाड़ी अक्षय कुमार की पत्नी और अभिनेत्री ट्विंकल खन्ना अक्सर सुर्खियों में छाई रहती हैं। हाल ही अभिनेत्री ने बतौर लेखिका अपने किरयर की शुरुआत की है। 48 वर्षीय ट्विंकल खन्ना ने हाल ही में साझा किया कि 50 साल की होने के बारे में सोचते ही उन्हें डर लगने लगा था। ट्विंकल खन्ना ने हाल ही में उम्र बढ़ने की अवधारणा को लेकर अपने दिल की बात कही है।

ट्विंकल खन्ना ने अपने एक कॉलम में लिखा कि उन्होंने इस बात को स्वीकार किया कि एक नियमित रक्त परीक्षण ने उसके टेस्टोस्टेरोन के जीरो तक गिर जाने के परिणाम से उन्हें आश्चर्यचकित कर दिया। अपने युवावस्था के दिनों को याद करते हुए अभिनेत्री ने साझा किया, 'मैं जितने भी पुरुषों से मिलती हूं, उनसे कहीं अधिक हूं। अब, मेरे पास कम ऊर्जा और कुछ बचे हुए चुटकुले बचे थे।'

अभिनेत्री ने कहा कि वह वास्तविकता का सामना नहीं करना चाहती थीं, इसलिए वह ये नजरअंदाज करने लगीं कि उनकी जन्मदिन पास आ रहा है। हालांकि यह काम नहीं किया। उन्होंने लोगों को पहले से ही बताना शुरु कर दिया कि वह 50 साल की है। मगर उनकी बेटी ने एक बार उन्हें सुधारते हुए कहा था कि नहीं मां आप अभी भी 49 वर्ष की हैं। उन्होंने लिखा, 'मैं स्पष्ट तौर से अस्तित्व के संकट को लेकर जूझ रही थी। मैंने एक दिन कैलकुलेटर से एक कठिन टाइमलाइन बनाई थी।' ट्विंकल ने लिखा, 'यदि मैं 85 वर्ष की आयु तक जीवित रही, तो मुझे सबसे पहले उन 50 सालों को कम करना होगा जो मैं पहले ही बिता चुकी हूं। इसके लिए मुझे प्रतिदिन 8 घंटे को 365 दिनों से गुणा करके बचे हुए करीब 35 वर्षों में बदलना पड़ा। क्योंकि यही वह समय था, जिसे मैं सोने में निकाल देती थी।'

अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मुझे तब जाकर ठीक महसूस हुआ, जब मुझे किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा सुनाया गया फेमस डायलॉग याद आया, जिनकी आंखों के नीचे मेरी तरह ही झुर्रियां थीं, 'बाबूमोशाय, जिंदगी बड़ी होनी चाहिए, लंबी नहीं।' बता दें कि ट्विंकल खन्ना ने हाल ही में अपनी चौथी किताब 'वेलकम टू पैराडाइज' लॉन्च की है।

प्रेम चोपड़ा ने बांधे रणबीर और बॉबी की तारीफों के पुल, नकारात्मक किरदार को लेकर साझा किया अनुभव

रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म 'एनिमल' अपनी रिलीज के बाद से ही खूब चर्चा बटोर रही है। संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन कर रही है। यह फिल्म अब तक वर्ल्डवाइड 600 करोड़ से अधिक का कारोबार कर चुकी है। फिल्म में रणबीर कपूर, रश्मिका मंदाना, अनिल कपूर, बॉबी देओल के साथ तृप्ति डिमरी के अभिनय की भी जमकर तारीफ हो रही है। इस बीच अब अनुभवी अभिनेता प्रेम चोपड़ा ने भी फिल्म 'एनिमल' को लेकर अपना रिव्यू दिया है। इसके साथ ही अभिनेता ने रणबीर कपूर और बॉबी देओल के किरदारों की भी प्रशंसा की है।

एक साक्षात्कार के दौरान, प्रेम चोपड़ा ने बॉबी देओल के नेगेटिव रोल को लेकर कहा कि उनके समय में नकारात्मक किरदारों को सही नहीं समझा जाता था। अभिनेता ने कहा, 'हमारे समय में फिल्मों में नेगेटिव रोल निभाने पर बुरे लोग होने का ठप्पा लगा दिया जाता था। पहले की फिल्मों में मैंने और अमरीश पुरी, प्राण साहब ने अधिकतर फिल्मों में विलेन का किरदार निभाया है। हम लोगों के नेगेटिव किरदार निभाने से लोगों के मन में वहीं छवि बन गई। लोगों को हमेशा यही लगता था कि हम कुछ गड़बड़ करने वाले हैं'

अभिनेता ने कहा, 'फिल्मों की कहानी नकारात्मक किरदार से ही दिलचस्प बनती है। पहले भी और आज भी नकारात्मक किरदार फिल्मों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। आज लोग आजाद हो गए हैं। यदि आप नकारात्मक किरदार को लेकर कोई अच्छा कारण बताते हैं, तो वे इसकी सराहना करते हैं। हमारे समय में लोग नकारात्मक किरदार निभाने वाले अभिनेताओं के साथ तालमेल नहीं बिठा पाते थे।' अभिनेता ने ओटीटी प्लेटफार्मों का जिक्र करते हुए कहा, 'दर्शकों को इन चीजों ने अधिक साक्षर बना दिया है।'

प्रेम ने रणबीर की तारीफ करते हुए कहा कि वे बहुत मेहनती अभिनेता हैं। उन्होंने कहा, 'रणबीर कला में माहिर हैं। उन्होंने 'रॉकेट सिंह' में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था। एनिमल में भी उन्होंने बेहतरीन अभिनय किया हैं। इस फिल्म में अभिनेता ने बहुत अच्छा काम किया है और शानदार भूमिका निभाई है।' अभिनेता ने आगे बॉबी की प्रशंसा करते हुए कहा, 'एनिमल में बॉबी का किरदार विशेष था और उन्होंने इसे बखूबी निभाया है। मुझे उनका किरदार बहुत प्रभावशाली लगा हैं।'

फिर डराने लगा कोरोना, एक्टिव केस की संख्या 1000 के पार

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। कोरोना केस एक बार दोबारा से डराने लगे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, कोरोना के एक्टिव केस की संख्या 1013 हो गई है। रोजाना 100 से ज़्यादा मामले सामने आ रहे हैं। वहीं कोरोना से मरने वाले मरीजों की संख्या 5,33,307 है। वहीं एक स्टडी में सामने आया है कि कोरोना वायरस संक्रमित के फेफड़ों में करीब दो साल रह सकता है। यह दावा एक चिकित्सा अध्ययन में सामने आया है, जो नेचर इम्यूनोलॉजी जर्नल ने प्रकाशित किया है। अध्ययन के अनुसार, कोविड-19 का कारण बनने वाला वायरस सार्स सीओवी-2 कुछ व्यक्तियों के फेफड़ों में संक्रमण के बाद 18 से 24 महीने तक रह सकता है। आपको बता दें कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, भारत में रविवार को 166 नए सीओवीआईडी -19 मामले दर्ज किए गए, जिनमें कुल सक्रिय मामले 895 हैं। सबसे ज्यादा नए मामले केरल में सामने आए। एएनआई के अनुसार, हालिया दैनिक औसत लगभग 100 मामले हैं, जो संभावित रूप से सर्दियों के मौसम से जुड़े हैं, जब इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारियाँ बढ़ जाती हैं। इस वर्ष जुलाई में कोविड-19 की शुरुआत के बाद से सबसे कम एक दिवसीय मामले की संख्या 24 थी। भारत में कुल मिलाकर कोविड-19 की संख्या 4.44 करोड़ है, जिसमें मरने वालों की संख्या 5,33,306 है, जिसके परिणामस्वरूप मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है। देश ने -19 टीकों की 220.67 करोड़ खुराकें दी हैं, जो टीकाकरण अभियान में पर्याप्त प्रगति का संकेत देता है। स्वास्थ्य अधिकारी वायरस के प्रसार को नियंत्रित करने में टीकाकरण के महत्व पर जोर देते रहे हैं। हाल ही में मामलों में बढ़ोतरी के बावजूद, अधिकारी जनता को आश्वस्त करते हैं कि स्थिति नियंत्रण में है। संक्रमण में संभावित वृद्धि को रोकने के लिए एक मजबूत टीकाकरण अभियान और सुरक्षा प्रोटोकॉल के पालन का संयोजन महत्वपूर्ण माना जाता है। जैसे-जैसे सर्दी बढ़ती है, स्वास्थ्य अधिकारी नागरिकों से सतर्क रहने, अच्छी स्वच्छता प्रथाओं को बनाए रखने और व्यक्तिगत और सामुदायिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए टीकाकरण कराने का आग्रह करते हैं। सरकार सार्वजनिक स्वास्थ्य और आर्थिक गतिविधियों के बीच संतुलन बनाने का प्रयास करते हुए कोविड-19 स्थिति में बदलाव की निगरानी और प्रतिक्रिया देने के लिए प्रतिबद्ध है।

बहुचर्चित हनी ट्रैप मामला: अर्चना नाग 14 महीने बाद जेल से आई बाहर, 2022 में ईडी ने किया था गिरफ्तार

भुवनेश्वर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। हनी ट्रैप क्वीन अर्चना नाग 14 महीने बाद झारपड़ा जेल से बाहर निकली हैं। आज सुबह झारपड़ा जेल से वह बाहर निकली तो उन्हें लेने के लिए उनके पति जगबबन्धु चांद झारपड़ा जेल के सामने खड़े थे। जेल से निकलने के बाद अर्चना नाग ने कहा कि वह कोर्ट के सभी नियमों का पालन करेंगी एवं पूरा सहयोग करेंगी। अर्चना नाग को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) मामले में उच्च न्यायालय ने सशर्त जमानत दी थी। अर्चना को नयापल्ली और खंडगिरी पुलिस थाना के दो मामलों में पहले ही जमानत मिल चुकी थी, जबकि ईडी के मामले में उनकी जमानत मंजूर हो गई थी, जिससे उनकी जेल से रिहाई का रास्ता साफ हो गया था। गौरतलब है कि फिल्म निर्माता अक्षय पारिजा ने नयापल्ली पुलिस स्टेशन में अर्चना और अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद कुछ लोग रोए हैं

शिमला में बोले आरएसएस के राष्ट्रीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर

शिमला, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। कल सुप्रीम कोर्ट ने भी सरकार द्वारा आर्टिकल 370 को निरस्त किए जाने को वैधता दे दी है। अब पूरी दुनिया को पता चल गया कि कानूनी तौर पर धारा 370 टेंपरेरी था। जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और आने वाले समय में देश के जिन हिस्सों पर हमारे कुछ पड़ोसियों का कब्जा है, उसे भी वह भारत का हिस्सा बनाया जाएगा। यह बात आरएसएस के राष्ट्रीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने शिमला में पहले हिमाचल सोशल मीडिया मीट कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में कहा है। सुनील आंबेकर ने कहा कि कल के फैसले के बाद कुछ लोग रोए हैं, रोना आ रहा था, उन लोगों को शायद पता नहीं कहां कौन-से स्कूल में पढ़े थे। सुनील अंबेकर ने आगे कहा कि कल ही सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आया कि जम्मू कश्मीर में लागू आर्टिकल 370 जिसको केंद्र सरकार ने निरस्त कर दिया था, उसको सर्वोच्च न्यायालय ने भी वैधता दे दी है, मतलब कानूनी तौर पर उसे मान लिया गया कि वैध है लीगल है। मैं मानता हूं कि यह बहुत बड़ी बात हो गई है, क्योंकि इस बात के लिए भी हमारे ही ऐसे कुछ तथाकथित बुद्धिजीवी समाज में भ्रम फैला रहे है। मतलब वो पाकिस्तान की भाषा बोलते थे, कल भी कुछ लोग रोये है, रोना आ रहा था, उन लोगों को, शायद पता नहीं कहां कौन से स्कूल में पढ़े थे, देखना पड़ेगा क्योंकि हमारे स्कूल में ऐसा नहीं पढ़ाया गया था, देखना पड़ेगा किस स्कूल में पढे. हैं, स्कूल तो बहुत होती है, पता नहीं उनके स्कूल में कौन-सा वायरस आ गया और इसलिए लोग रो रहे थे। अंबेकर ने आगे कहा कि अब पूरी दुनिया को पता चल गया कि कानूनी तौर पर 370 टेंपरेरी था। जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और आने वाले समय में भारत के जिन हिस्सों पर हमारे कुछ पड़ोसियों ने जो कब्जा किया है, वो भी भारत का हिस्सा है और ये जल्द ही मुक्त होगा। यह विश्वास जनमानस में 370 के हटाने का निर्णय ने जगा दिया है, यदि हम इन बातों को हरदम उठाते रहेंगे, इस पर सरकार कार्रवाई अवश्य करेगी। मूल बात है कि बाकी बहुत सारे भ्रम इसलिए होते हैं क्योंकि भारत के बारे में लोग स्पष्ट नहीं होते इसलिए हमें अब स्पष्ट होना जरूरी है

शिवसेना (यूबीटी) ने की जज लोया की मौत की जांच एसआईटी से कराने की मांग

नागपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) के नेता प्रतिपक्ष (परिषद) अंबादास दानवे ने दिवंगत सीबीआई न्यायाधीश बीएच। लोया की मौत की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) की मांग की है, इसमें गृह मंत्री अमित शाह का नाम भी शामिल है। मंगलवार को यहां सामने आया था। विधानमंडल के बाहर मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, दानवे ने कहा कि सेलेब मैनेजर दिशा सालियान की मौत के मामले में एसआईटी की मांग हो रही है। उन्होंने कहा कि सालियान मामले में पहले ही कई जांच हो चुकी हैं लेकिन कुछ नहीं मिला और यहां तक कि उनके परिवार ने भी नतीजे पर संतोष व्यक्त किया है। दानवे ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि जज लोया की नागपुर में (1 दिसंबर 2014) रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई थी। उनकी मौत की एसआईटी जांच कराकर सच्चाई सामने आनी चाहिए। इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, भारतीय जनता पार्टी के विधायक नितेश राणे ने पलटवार करते हुए पूछा कि पूर्ववर्ती महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार ने ढाई साल तक सत्ता में रहने के दौरान ऐसी एसआईटी जांच क्यों नहीं की। राणे जूनियर ने मामले की सच्चाई सामने लाने के लिए मुंबई में सालियन मौत मामले (8 जून, 2020) में एसआईटी की मांग दोहराई और आग्रह किया कि उन्हें खुद भी जांच के लिए बुलाया जाना चाहिए। शिवसेना-भाजपा-राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पी।) की सत्तारूढ़ महायुति सरकार ने कथित तौर पर मुंबई पुलिस को एक उच्च स्तरीय एसआईटी बनाने और सालियान मामले की जांच करने के लिए हरी झंडी दे दी है,

'ये तो गाली देते हैं, क्या यही है एमपी के लिए मोदी की गारंटी'

नए सीएम मोहन यादव पर कांग्रेस के गंभीर आरोप

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। भोपाल मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में जीत के बाद भाजपा ने मुख्यमंत्री के तौर पर मोहन यादव को चुनकर पूरे देश को हैरान कर दिया है। अब मोहन यादव पर विपक्षी पार्टियां हमलावर हो गई हैं। मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री घोषित करने के एक दिन बाद, कांग्रेस ने मंगलवार को बीजेपी पर तंज करते हुए कहा कि मोहन यादव पर कई गंभीर आरोप हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव जयराम रमेश ने मोहन यादव के खिलाफ बड़े पैमाने पर हेरफेर सहित कई गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने उज्जैन मास्टर प्लान पर सवाल उठाया और पूछा कि क्या यही राज्य के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी है।

गाली गलौज करते नजर आ रहे हैं मोहन यादव

जयराम रमेश ने माइक्रो ब्लॉगिंग साइट एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट कर कहा, "चुनाव नतीजों के आठ दिन बाद बीजेपी ने मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री चुना, एक ऐसा व्यक्ति जिसके खिलाफ उज्जैन मास्टरप्लान में बड़े पैमाने पर हेरफेर सहित कई गंभीर आरोप हैं। उन्होंने कहा, सिंहस्थ के लिए आरक्षित 872 एकड़ जमीन में से भू-उपयोग बदलकर जमीन अलग कर दी गई। उनके कई वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हैं, इनमें वह गाली-गलौज करते, धमकी देते और आपत्तिजनक बयान देते नजर आ रहे हैं। रमेश ने प्रधानमंत्री के 'मोदी की गारंटी' वाले बयान पर उन पर कटाक्ष करते हुए कहा, क्या यह मध्य प्रदेश के लिए 'मोदी की गारंटी' है? रमेश ने अपने दावों के समर्थन में एक न्यूज क्लिपिंग भी शेयर की है।

शिवराज सिंह चौहान ने किया था मोहन यादव के नाम का ऐलान

आपको बता दें कि बीजेपी की मध्य प्रदेश इकाई ने सोमवार को मोहन यादव को राज्य का अगला मुख्यमंत्री घोषित किया है। निवर्तमान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खुद यह घोषणा की। यह निर्णय राज्य की राजधानी में पार्टी की विधायी बैठक के बाद आया।

तीन बार से विधायक रहे हैं मोहन यादव

न्यूज एजेंसी पीटीआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक 58 वर्षीय मोहन यादव तीन बार से विधायक रहे हैं। इस बार उन्होंने उज्जैन दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र से विधानसभा चुनाव जीता। यादव ने अपना पहला विधानसभा चुनाव 2013 में जीता और 2023 सहित लगातार तीन चुनावों में विजयी रहे। अब उनके मुख्यमंत्री के तौर पर चुने जाने के बाद बिहार की सत्तारूढ़ पार्टी जदयू ने भी उनके पुराने वीडियो के जरिए निशाना साधा है।

नशीले कारोबार का भंड़ाफोड़, पुलिस ने बरामद किए 325 करोड़ रुपये के ड्रग्स

रायगढ़, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की रायगढ़ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एक मेडिसिन कंपनी से 325 करोड़ का एमडी ड्रग्स बरामद किया है। ये जानकारी रायगढ़ पुलिस ने दी है। रायगढ़ पुलिस के मुताबिक, कुछ दिनों पहले ही रायगढ़ जिला स्थित खोपोली में आंचल केमिकल नामक दवा कंपनी में छापेमारी की थी। इस छापेमारी में पुलिस ने 107 करोड़ का एमडी ड्रग्स जब्त किया साथ ही पुलिस ने तीन ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली थी कि खोपोली के ढेकू गांव में 'इंडिया इलेक्ट्रिक पोल्स मैन्युफैक्चरिंग कंपनी' के अंदर 'आंचल केमिकल' में एमडी ड्रग कंपनी चल रहा था। जिसके बाद पुलिस ने छापेमारी की और 107 करोड़ का एमडी ड्रग्स के साथ 3 लोगों को पकड़ा। इसके अलावा पुलिस ने एमडी ड्रग पाउडर बनाने में इस्तेमाल होने वाले 15 लाख रुपये के कच्चे रसायन और 65 लाख रुपये की एमडी बनाने में इस्तेमाल होने वाली मशीनरी भी जब्त की। पुलिस ने आगे बताया मामला दर्ज कर तीनों को कोर्ट में पेश किया जहां कोर्ट ने 14 दिसंबर तक आरोपियों को पुलिस कस्टडी में भेजा। इसके बाद पुलिस ने कस्टडी में आरोपियों से कड़ी पूछताछ की। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि कंपनी ने कुछ अन्य जगहों पर भी ड्रग्स छुपा कर रखे हैं। पुलिस ने फिर कंपनी के गोडाउन पर छापेमारी कर 174 किलो एमडी ड्रग्स बरामद किया। पुलिस के मुताबिक, बरामद किए गए ड्रग्स की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 218 करोड़ रुपए है। वहीं पुलिस ने बताया दोनों कार्रवाई में पुलिस ने कुल 325 करोड़ का ड्रग्स अब तक जब्त किया है। रायगढ़ पुलिस के अधिकारी ने आगे कहा की उन्हे संदेह है कि इस गोडाउन में मिली ड्रग्स पिछले दो महीनों से वहां रखी हुई थी,

देश में रहने वाले अवैध प्रवासियों का आंकड़ा जुटाना असंभव, केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दिया हलफनामा

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि देश के विभिन्न हिस्सों में रह रहे अवैध प्रवासियों के आंकड़े जुटाना संभव नहीं है क्योंकि अवैध प्रवासी गुप्त तरीके से देश में दाखिल होते हैं। सुप्रीम कोर्ट नागरिकता कानून की धारा 6ए की संवैधानिक वैधता पर सुनवाई कर रहा है। इसी सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने हलफनामा देकर ये बात बताई। नागरिकता कानून की यह धारा असम में अवैध प्रवासियों से संबंधित है। केंद्र सरकार ने कोर्ट को बताया कि 17,861 लोगों को इस प्रावधान के तहत नागरिकता दी गई है। विदेशी ट्रिब्यूनल के आदेशों के तहत साल 1966-1971 के बीच 32,381 लोगों की बतौर विदेशी पहचान की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने 7 दिसंबर को केंद्र सरकार ने पूछा था कि देश में 1 जनवरी 1966 से लेकर 25 मार्च 1971 तक कितने बांग्लादेशी नागरिकों को असम में भारतीय नागरिकता दी गई और सरकार से इसका डाटा मांगा था। साथ ही सरकार से अवैध घुसपैठ रोकने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में भी पूछा था। इस पर केंद्र सरकार ने अवैध प्रवासी बिना किसी वैध दस्तावेज के गुप्त तरीके से देश में दाखिल होते हैं। अवैध प्रवासियों का पता लगाना, उन्हें हिरासत में लेना और उन्हें उनके देश भेजना एक जटिल प्रक्रिया है। ऐसे में देश के विभिन्न हिस्सों में रह रहे अवैध प्रवासियों के आंकड़ा जुटाना संभव नहीं है। केंद्र सरकार ने बताया कि साल 2017 से 2022 के बीच 14,346 विदेशियों को उनके देश वापस भेजा गया। फिलहाल असम में 100 विदेशी ट्रिब्युनल काम कर रहे हैं और 31 अक्तूबर 2023 तक 3.34 लाख मामले निस्तारित किए गए हैं और 31 अक्तूबर तक 97,714 मामले निपटाए गए हैं। फॉरेन ट्रिब्युनल के आदेश से संबंधित 8,461 मामले गुवाहाटी हाईकोर्ट में लंबित हैं। सरकार ने असम पुलिस के कामकाज, सीमा पर पेट्रोलिंग और अन्य तरीकों से घुसपैठ को रोकने की कोशिशों की जानकारी कोर्ट को दी। साथ ही ये भी बताया कि सीमा पर घुसपैठ रोकने के लिए फेंसिंग भी की जा रही है।

सुशांत सिंह राजपूत की मैनेजर दिशा सालियान की मौत के खुलेंगे नए राज़

एसआईटी करेगी जांच, शिंदे सरकार पर बिफरे आदित्य ठाकरे

मुंबई, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। दिशा सालियान मौत मामले में एसआईटी के गठन की घोषणा कर दी गई है। अब इस पूरे मामले की जांच एसआईटी करेगी। इसपर महाराष्ट्र सरकार द्वारा पुलिस को लिखित आदेश जारी किए गए हैं। एसआईटी की स्थापना एडिशनल कमिश्नर नार्थ रीजन के नेतृत्व में होगी। मालूम हो कि 2020 में दिशा सालियान की मौत हुई थी। इसका कारण आत्महत्या बताया गया था, लेकिन इस मौत को अबतक संदिग्ध माना जाता रहा है। दिशा सालियन बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर भी थी और कई लोग दोनों ही मौत को जोड़ते हुए बड़ी आशंका जता रहे थे। राज्य सरकार इस मामले में निष्पक्ष जांच में जुटी है। 28 साल की दिशा सालियान दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मैनेजर थीं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वे 8 या 9 जून 2020 की रात को मुंबई के मलाड में गैलेक्सी रीजेंट बील्डिंग की 14वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या की थीं। हालांकि उनकी मौत को एक साजिश माना जाता है, इसलिए इसपर अबतक जांच जारी है। दिशा सालियान की मौत से राजनीतिक गलियारों में भी हलचल मची थी, क्योंकि इसके पीछे विपक्ष में ठाकरे ग्रुप के नेता आदित्य ठाकरे का भी नाम सामने आ रहा था। वहीं एसआईटी जांच को लेकर उन्होंने सरकार पर जमकर हमला बोला। आदित्य ठाकरे ने मौजूदा सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वे जिनसे डरते हैं उनको बदनाम करने का काम करते हैं। सरकार सिस्टम का दुरुपयोग कर रही है। 31 दिसंबर को यह इनकी सरकार गिर जाएगी।

अपने लिए कुछ मांगने जाने से बेहतर मरना पसंद, सीएम पद जाने के बाद बोले शिवराज सिंह चौहान

भोपाल, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री का पद छोड़ने के बाद शिवराज सिंह ने मीडियो के सामने आकर अपना पक्ष रखा है। शिवराज सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि एक बात मैं बड़ी विनम्रता से कहता हूं। उन्होंने कहा कि अपने लिए कुछ मांगने जाने से बेहतर मैं मरना पसंद करूंगा। वो मेरा काम नहीं है और इसलिए मैंने कहा था कि मैं दिल्ली नहीं जाऊंगा। जो भी पार्टी मुझे काम देगी वो मैं करूंगा। शिवराज सिंह ने कहा कि मेरे बारे में मैं कभी फैसला नहीं करता न कभी किया है जो भी करेगा हमारी पार्टी करेगी। मैंने नए मुख्यमंत्री से एक मांग की है जो कहने के लिए नहीं करने के लिए मुझे पेड़ जरूर लगाने दे। जमींन उपलब्ध कराते रहे। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मैं प्रदेश के नए मुख्यमंत्री और दोनों उप मुख्यमंत्री बहुत-बहुत बधाई देता हूं अभिनन्दन देता हूं। हमारे वरिष्ठ नेता नरेंद्र तोमर विधानसभा के अध्यक्ष होंगे और उनका भी बहुत-बहुत अभिनन्दन है। मुझे पूरा विश्वास है की मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में भाजपा की सरकार सभी काम तेजी से पूरा करेगी जो चल रहे है। उन्होंने कहा कि मैं सैदेव उनको सहयोग करता रहूंगा। आज मेरे मन में संतोष का भाव है 2003 में उमा भारती जी के नेतृत्व भारी बहुमत से सरकार बनी थी। 2008 में हमने फिर से सरकार बनाई । 2013 में भी बहुमत से सरकार बनाई और 2018 में सीटों के मामले में पिछड़ गए थे लेकिन वोट ज्यादा मिले थे।

उन्होंने कहा कि आज जब मैं यहां से विदाई ले रहा हूं, तो मुझे इस बात का संतोष है कि 2023 में फिर भारी बहुमत से भाजपा की सरकार बनी है। उन्होंने कहा कि मुझे इस बात का भी संतोष है कि जब मध्य प्रदेश हमें मिला था तब यह एक बीमारू और पिछड़े राज्य के रूप में मिला था। इन बरसों में मुझमें जितना समर्थ था, जितनी क्षमता थी मैंने ईमानदारी से कार्य किया अपने आपको झोका दिया। शिवराज ने कहा कि नई सरकार लोक कल्याणकारी योजनाओं को लागू करेगी। मैं सदैव सहयोग करूंगा। उन्होंने कहा कि विदाई के वक्त मुझे संतोष है कि 2023 में भाजपा की सरकार बनी। जीत में केंद्रीय योजनाओं के कारण और लाड़ली बहना का योगदान भी ज़बरदस्त था। उन्होंने कहा कि पार्टी मुझे जो भी काम देगी वह मैं करूंगा।

शादी से प्रेमी के मुकरने के बाद युवती ने जहर खाकर दी जान, सामने आई खौफनाक सच्चाई

छतरपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले से प्रेम संबंध के चक्कर में आत्महत्या का मामला सामने आया है। प्रेमी युवक द्वारा शादी से इनकार करने पर युवती ने जहर खा लिया, जिससे उसकी मौत हो गई है। युवती के परिजनों पुलिस को युवक के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। वहीं, पुलिस मामला दर्ज कर जांच में लिया था जिसमें बड़ा खुलासा हुआ है। पूरा मामला छिंदवाड़ा जिले के मोहखेड़ थाना क्षेत्र का है। मोहखेड़ थाना के प्रधान आरक्षक शिवकरण पांडे के जानकारी अनुसार कि थाना क्षेत्र की 23 वर्षीय युवती के परासिया निवासी 23 वर्षीय ब्रजेश यादव से प्रेम प्रसंग चल रहा था। युवती प्रेमी से शादी करना चाहती थी। 27 अक्टूबर को शादी करने की बात पर दोनों के बीच लड़ाई हुई थी।उसी समय युवती ने जहर का सेवन कर लिया था।

अंडमान-निकोबार सेलुलर की तर्ज पर बनेगा नरेला में हाई-रिस्क कैदियों के लिए नया जेल

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली के नरेला में 'हाई-रिस्क' वाले कैदियों के लिए एक नया जेल बनाया जा रहा है। दिल्ली के चौथे प्रस्तावित जेल की सुरक्षा व्यवस्था इतनी पुख्ता होगी कि वहां परिंदा भी पर नहीं मार सकेगा। इस जेल को अंडमान-निकोबार के सेलुलर जेल की तर्ज पर बनाया जाएगा। दिल्ली सरकार की तरफ से इस जेल के निर्माण के लिए मंजूरी दे दी गई है। इस जेल के निर्माण के लिए केंद्र सरकार ने 120 करोड़ रुपये का फंड आवंटित किया है। इस जेल के अगले दो साल में बन कर तैयार हो जाने की उम्मीद जताई जा रही है। दिल्ली सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक संबंधित मंत्री से प्रशासनिक मंजूरी के बाद फाइल वित्त विभाग को भेज दी गई है। इसमें वित्तीय पहलुओं को लेकर कुछ प्रश्न थे, जिनका उनका उत्तर दे दिया गया है। इसके बाद, पीडब्लूडी परिसर के निर्माण के लिए निविदाएं आमंत्रित करेगा। अधिकारी ने कहा कि मौजूदा गति को देखते हुए, जेल का निर्माण दो साल में पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि परिसर के लिए भवन योजना को अंतिम रूप दे दिया गया है और इसका आकार अर्ध-वृत्ताकार होगा। जेल की सुरक्षा व्यवस्थाओं में सीसीटीवी कैमरे, चौबीसों घंटे निगरानी, कैदियों के लिए आइसोलेशन रूम, ऊंची दीवारें और बेहतर तकनीक के मोबाइल जैमर शामिल होंगे। वहीं कैदियों के सुधारात्मक गतिविधियों के लिए जेल में योगाभ्यास की सुविधा होगी साथ ही यहां एक फैक्ट्री भी बनाई जाएगी जहां कैदी कुछ चीजें बनाने के अलावा अन्य काम भी कर सकेंगे। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने नरेला में जेल के लिए जमीन आवंटित की है और अनुमानित योजना के अनुसार, जेल में 250 सेल होंगे और इसे अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की सेलुलर जेल की तर्ज पर बनाया जाएगा। बता दें कि राजधानी दिल्ली में पहले से तीन जेल परिसर हैं, जिनमें तिहाड़, रोहिणी और मंडोली जेल शामिल हैं।

मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर के 'संवेदनशील'' मामले को 'बहुत असंवेदनशील'' तरीके से संभाला: दिग्विजय

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने सोमवार को कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर के 'संवेदनशील' मामले को 'बहुत असंवेदनशील' तरीके से संभाला है। उन्होंने यह भी कहा कि स्थानीय लोगों को पिछले चार वर्षों से प्रतिनिधित्व नहीं मिल रहा है। उन्होंने राज्यसभा में कश्मीर से संबंधित दो विधेयकों पर चर्चा के दौरान कहा कि स्थानीय लोगों की इच्छा की अनदेखी की जा रही है और सरकार राज्य के बाहर से लाए गए अधिकारियों के माध्यम से 'निरंकुश तरीके' से काम कर रही है। कांग्रेस नेता ने कहा कि जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा अचानक छीन लिया गया और अब सरकार इसे बहाल करने का प्रस्ताव कर रही है। सिंह ने आगे कहा कि जम्मू-कश्मीर का मामला संवेदनशील है और "हमें वहां की स्थिति को समझने की जरूरत है"। उन्होंने भाजपा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर जम्मू-कश्मीर के इतिहास के बारे में बात करते हुए तथ्यों को तोड़ने-मरोड़ने का आरोप लगाया। सिंह ने कहा, "अगर जम्मू कश्मीर और कश्मीर घाटी भारत के साथ है तो इसका श्रेय पंडित जवाहरलाल नेहरू और शेख अब्दुल्ला को जाता है।" उन्होंने कहा, "अमित शाह जी, जवाहरलाल नेहरू के बारे में कितना भी बोलें लेकिन तथ्य यह है कि कश्मीर घाटी नेहरू की वजह से भारत के साथ है, जिन्हें शेख अब्दुल्ला पर भरोसा था।" साल 2019 में सरकार के अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के कदम पर सिंह ने कहा कि इसके 90 प्रतिशत प्रावधान पहले से ही धीरे-धीरे भारतीय संविधान में आत्मसात हो गए थे और जब इसे निरस्त किया गया था तो शायद ही कुछ बचा था। उन्होंने कहा कि घाटी में रोजाना आतंकवाद की घटनाएं होती हैं। जम्मू-कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2023 और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2023 पर सिंह ने कहा कि वह विस्थापित लोगों के लिए आरक्षण के पक्ष में हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि इस बात पर कोई स्पष्टता नहीं है कि वहां के स्थानीय लोगों के लिए वर्तमान आरक्षण को कम करने के बाद कहीं यह आरक्षण तो प्रदान किया जाएगा। सिंह ने आगे आरोप लगाया कि जम्मू-कश्मीर में स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर नहीं मिल रहे हैं।

साइबर ठगों ने बुजुर्ग को उसके रिश्तेदार के अपहरण का डर दिखाकर ठगा

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। साइबर अपराधियों के एक गिरोह ने दिल्ली के 62 वर्षीय एक व्यक्ति से उसके एक रिश्तेदार के अपहरण का डर दिखाकर 50,000 रुपये कथित तौर पर ठग लिए। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। आरोपियों ने लक्ष्मी चंद चावला से कहा कि उन्होंने उसके एक रिश्तेदार का अपहरण कर लिया गया है और अगर उसने पैसे नहीं दिए तो वे उसे नुकसान पहुंचाएंगे। पुलिस उपायुक्त (पूर्वोत्तर) जॉय टिर्की ने कहा, "हमें उत्तर पूर्वी दिल्ली के यमुना विहार निवासी लक्ष्मी चंद चावला से 24 अक्टूबर को शिकायत मिली थी। उन्होंने पुलिस को बताया कि उन्हें अपने व्हाट्सएप पर एक कॉल आया था। आरोपी ने उन्हें यह डर दिखाया कि उनके रिश्ते के भाई के 25 वर्षीय बेटे का अपहरण कर लिया गया है

वापसी हो तो ऐसी, अडानी ने हर सेकंड में की 1.60 लाख की कमाई

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। एक दिसंबर को एनिमल रिलीज होने के बाद जितनी बातें रणबीर कपूर हुई उतनी ही चर्चा बॉलीवुड के लॉर्ड बॉबी देओल की भी हुई है। सभी लोगों की जुबां पर एक ही बात थी कि वापसी हो तो बॉबी जैसी ही हो। बीते कुछ समय से गौतम अडानी के लिए भी कहा जा रहा है। जब से पांच राज्यों में से तीन हिंदी पट्टी के राज्यों में बीजेपी को जीत मिली है। तब से अडानी ग्रुप के शेयरों को भी पंख लगे हुए हैं। जिसकी वजह से अगस्त के महीने में अडानी ग्रुप के मार्केट कैप में 3.14 लाख करोड़ रुपए का इजाफा देखने को मिल चुका है।

उसी के साथ अडानी की दौलत में भी बढ़ोतरी हुई है। अडानी दुनिया के 14वें सबसे अमीर कारोबारी बन गए हैं। खास बात तो ये है कि 27 फरवरी को अडानी की दौलत 37.7 बिलियन डॉलर थी। जिसमें 47 बिलियन डॉलर से ज्यादा का इजाफा देखने को मिल चुका है। इसका मतलब है कि अडानी की दौलत में 27 फरवरी के बाद से रोज औसतन 1.60 लाख रुपए का इजाफा देखने को मिला है। आइए आपको भी बताते हैं कैसे?

जब 37.7 बिलियन डॉलर रह गई थी दौलत

हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के बाद अडानी ग्रुप के शेयर ऐसे गिर रहे थे, जैसे किसी इमारत को गिराने के लिए बारूद लगाया हो और बिल्डिंग भराभरा कर गिर रही हो। फरवरी के पूरे महीने यही सिलसिला जारी रहा। एक वक्त ऐसा आया कि अडानी ग्रुप के शेयर रिकॉर्ड लो पर आ गए। उसी दौरान अडानी की दौलत में भी बड़ी गिरावट देखने को मिली। दुनिया के टॉप 5 अरबपतियों में शुमार रहे गौतम अडानी 27 फरवरी तक टॉप 30 से भी बाहर हो गए। कुल दौलत 37.7 अरब डॉलर पर आ गई। अब आप समझ सकते हैं कि 100 अरब डॉलर से ज्यादा के नेटवर्थ वाला आदमी एक दम से 40 अरब डॉलर से भी नीचे आ गया।

अब दुनिया के 14वें सबसे अमीर कारोबारी

तब से अब तक अडानी की दौलत में काफी इजाफा देखने को मिल चुका है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के अनुसार गौतम अडानी की दौलत 11 दिसंबर तक 85.3 अरब डॉलर पर आ चुकी है। वह दुनिया के 14वें सबसे अमीर कारोबारी बन चुके हैं। इसका मतलब है कि अडानी ने 27 फरवरी के बाद से अरबपतियों की सूची में 15 में लौटने के साथ आधे से ज्यादा सफर तय कर दिया है। अब अडानी की नजर टॉप 10 आने और 100 अरब डॉलर के क्लब में दोबारा शामिल होने पर है। इसके लिए उन्हें अभी 15 अरब डॉलर की जरुरत है। टॉप 10 में शामिल होने के लिए 20 अरब डॉलर से ज्यादा की जरुरत है। मौजूदा साल में अडानी अभी 35.3 अरब डॉलर के नुकसान पर है।

हर सेकंड कमाए 1.60 लाख रुपए

27 फरवरी से लेकर 11 दिसंबर तक यानी 288 दिनों में अडानी ने दौलत में जबरदस्त इताफा देखने को मिला है। इस दौरान अडानी की दौलत में 47 अरब डॉलर से ज्यादा यानी करीब 4 लाख करोड़ रुपए की बढ़ोतरी देखने को मिली है। इसका मतलब है कि अडानी को हर सेकंड में 1.60 लाख रुपए की कमाई हुई है। जानकारों की मानें तो अडानी की दौलत में अभी और इजाफा हो सकता है। मुमकिन है कि हिंडनबर्ग रिसर्च की भारत में एनीवर्सिरी यानी 24 जनवरी तक उसी लेवल पर आ जाए तो 24 जनवरी 2023 में था।

रतन टाटा को सरकारी कंपनी इरेडा ने पछाड़ा, 10 दिन में बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। रतन टाटा की टाटा टेक और सरकारी कंपनी इरेडा की लिस्टिंग भले ही एक दिन गैप में हुई हो, लेकिन कमाई कराने के मामले में इरेडा ने टाटा टेक को काफी पीछे छोड़ दिया है। जी हां, 32 रुपए के इस शेयर ने 500 रुपए के शेयर को कमाई कराने के मामले में पछाड़ दिया है। इरेडा का शेयर मंगलवार को 100 रुपए पार कर गया और अपने आईपीओ प्राइस से 200 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न दिया। जबकि टाटा का शेयर इरेडा की लिस्टिंग के एक दिन बाद बाजार में उतरा था। जिसने पहले ही रिकॉर्ड हाई 1400 रुपए पर पहुंचकर 180 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न दिया था। उसके बाद टाटा टेक का शेयर 1200 से 1300 रुपए के बीच ही झूल रहा है। कंपनी का शेयर आज भी अपने इश्यू प्राइस से 150 फीसदी ही ऊपर है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर इरेडा किस लेवल पर कारोबार कर रहा है।

कौन सी है सरकारी कंपनी

इस सरकारी कंपनी का नाम इरेडा है। पूरी तरह से सरकारी कंपनी का ओएफएस लाया गया था। जिसका आईपीओ भी काफी बंपर रहा था। अभी इस कंपनी को लिस्ट हुए 10 कारोबारी दिन भी पूरी तरह से नहीं बीते हैं और 200 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न दे दिया है। कंपनी के शेयर की बात करें तो मंगलवार का शेयर 20 फीसदी बढ़कर 102.02 रुपए के साथ रिकॉर्ड लेवल पर पहुंच गया। जबकि कंपनी के शेयर का इश्यू प्राइस 32 रुपए था। इसका मतलब है कि कंपनी के शेयर ने 10 कारोबारी दिनों में 218 फीसदी का रिटर्न दे दिया है। मौजूदा समय यानी 1 बजकर 25 मिनट पर 19 फीसदी की तेजी के साथ 101.30 रुपए पर कारोबार कर रहा है।

एक लाख के कर दिए 3 लाख से ज्यादा

अगर किसी निवेशक ने इरेडा के शेयर में 1 लाख रुपए का निवेश किया हुआ होगा तो उसकी वैल्यू सवा तीन लाख रुपए से ज्यादा हो गई होगी। आइए आपको भी बताते कैसे। इरेडा आईपीओ के एक लॉट की वैल्यू 14,720 रुपए थी। अगर किसी निवेशक को 7 लॉट मिले होंगे तो उसकी वैल्यू 1,03,040 रुपए हुई होगी। आज एक शेयर की वैल्यू 102.02 रुपए हो गई है। इसका मतलब है कि निवेशक के शेयरों की वैल्यू 3,28,504 रुपए हो चुकी है। यानी निवेशक को शुद्ध रूप से 2.25 लाख रुपए से ज्यादा का प्रॉफिट हो चुका होगा।

टाटा की कंपनी को पीछे छोड़ा

वहीं उसके एक दिन के बाद टाटा टेक का शेयर बाजार में उतरा था। 30 नवंबर को कंपनी के शेयर की लिस्टिंग हुई तो काफी धमाकेदार थी। उसी दिन कंपनी का शेयर 1400 रुपए तक पहुंच गया था। जबकि कंपनी का इश्यू प्राइस 500 रुपए था। यानी कंपनी ने उसी दिन 180 फीसदी का रिटर्न दे दिया था।

उसके बाद कंपनी का शेयर कभी उस लेवल पर नहीं पहुंचा। कंपनी का शेयर मंगलवार को भी 1263.15 रुपए के साथ दिन के हाई पर गया और इश्यू प्राइस से 152 फीसदी ऊपर है। लेकिन अभी तक निवेशकों को इश्यू प्राइस से 200 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न नहीं दे सकता है।

नवंबर में रिटेल महंगाई बढ़कर 5.55% हुई

इसका कारण सब्जियों और अनाजों की ऊंची कीमतें, अक्टूबर में 4.87% रही थी

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत की रिटेल महंगाई तीन महीने की गिरावट के बाद नवंबर में बढ़कर 5.55% पर पहुंच गई है। इसका कारण सब्जियों और अनाजों की ऊंची कीमतें हैं। अक्टूबर में रिटेल महंगाई 4.87% रही थी। वहीं सितंबर में ये 5.02% रही थी। डिपार्टमेंट ऑफ कंज्यूमर अफेयर्स के आंकड़ों के अनुसार, नवंबर में प्याज की कीमतें महीने दर महीने (एमओएम) 58% बढ़ीं, जबकि टमाटर की कीमतें 35% बढ़ीं। इसके अलावा आलू की कीमतों में भी नवंबर में 2% की बढ़ोतरी देखी गई। खाद्य महंगाई दर 6.61% से बढ़कर 8.70% हो गई

ग्रामीण महंगाई दर 5.12% से बढ़कर 5.85% हो गई

शहरी महंगाई दर 4.62% से बढ़कर 5.26% हो गई

रिटेल महंगाई 4% पर रखने का टारगेट

आरबीआई की महंगाई को लेकर रेंज 2%-6% है। आदर्श स्थिति में आरबीआई चाहेगा कि रिटेल महंगाई 4% पर रहे। बीते दिनों हुई मॉनेटरी पॉलिसी की मीटिंग में आरबीआई ने एफवाई24 के लिए रिटेल महंगाई के अनुमान को 5.40% पर बरकरार रखा था।

महंगाई कैसे प्रभावित करती है?

महंगाई का सीधा संबंध पर्चेजिंग पावर से है। उदाहरण के लिए यदि महंगाई दर 6% है, तो अर्जित किए गए 100 रुपए का मूल्य सिर्फ 94 रुपए होगा। इसलिए महंगाई को देखते हुए ही निवेश करना चाहिए। नहीं तो आपके पैसे की वैल्यू कम हो जाएगी।

महंगाई कैसे बढ़ती-घटती है?

महंगाई का बढ़ना और घटना प्रोडक्ट की डिमांड और सप्लाई पर निर्भर करता है। अगर लोगों के पास पैसे ज्यादा होंगे तो वह ज्यादा चीजें खरीदेंगे। ज्यादा चीजें खरीदने से चीजों की डिमांड बढ़ेगी और डिमांड के मुताबिक सप्लाई नहीं होने पर इन चीजों की कीमत बढ़ेगी। इस तरह बाजार महंगाई की चपेट में आ जाता है। सीधे शब्दों में कहें तो बाजार में पैसों का अत्यधिक बहाव या चीजों की शॉर्टेज महंगाई का कारण बनता है। वहीं अगर डिमांड कम होगी और सप्लाई ज्यादा तो महंगाई कम होगी।

सीपीआई से तय होती है महंगाई

एक ग्राहक के तौर पर आप और हम रिटेल मार्केट से सामान खरीदते हैं।

इससे जुड़ी कीमतों में हुए बदलाव को दिखाने का काम कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स यानी सीपीआई करता है। हम सामान और सर्विसेज के लिए जो औसत मूल्य चुकाते हैं, सीपीआई उसी को मापता है। कच्चे तेल, कमोडिटी की कीमतों, मेन्युफैक्चर्ड कॉस्ट के अलावा कई अन्य चीजें भी होती हैं, जिनकी रिटेल महंगाई दर तय करने में अहम भूमिका होती है।

करीब 300 सामान ऐसे हैं, जिनकी कीमतों के आधार पर रिटेल महंगाई का रेट तय होता है।

शेयर बाजार में तेजी पर लगी ब्रेक,एनर्जी - बैंकिंग स्टॉक्स में मुनाफावसूली के चलते गिरावट के साथ हुआ क्लोज

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। मंगलवार का ट्रेडिंग सेशन भारतीय शेयर बाजार के लिए अमंगल साबित हुआ है। बीते कई नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। ट्रेडिंग सेशन में बाजार में जारी तेजी पर आज ब्रेक लग गया। निवेशकों के मुनाफावसूली के चलते बाजार में गिरावट रही। बैंकिंग और एनर्जी सेक्टर के स्टॉक्स में गिरावट देखने को मिली है। आज के ट्रेड में मिड कैप स्टॉक्स में भी गिरावट रही है। बाजार बंद होने पर बीएसई सेंसेक्स 377 अंकों की गिरावट के साथ 69,551 अंकों पर क्लोज हुआ है जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 91 अंकों के गिरावट के साथ 20,906 पर क्लोज हुआ है। आज के कारोबार में मेटल्स, मीडिया और सरकारी क्षेत्र के बैंकों के इंडेक्स में तेजी रही। जबकि बैंकिंग, आईटी, ऑटो, फार्मा, एफएमसीजी, रियल एस्टेट, एनर्जी, इंफ्रा, हेल्थकेयर, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयर गिरकर बंद हुए। आज के ट्रेड में मिड कैप स्टॉक्स में भी गिरावट रही। जबकि स्मॉल कैप स्टॉक्स में खरीदारी के चलते इंडेक्स तेजी के साथ बंद हुआ है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 12 शेयर तेजी के साथ और 18 गिरकर बंद हुए। निफ्टी के 50 शेयरों में 19 शेयर तेजी के साथ और 31 गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार में बिकवाली के चलते बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 350 लाख करोड़ रुपये के नीचे जा फिसला है।

आज के ट्रेड में बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 349.80 लाख करोड़ रुपये पर जा पहुंचा है जो पिछले सेशन में 351.11 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ था। आज के ट्रेड में मार्केट कैप में 1.31 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई है। आज के ट्रेड में अल्ट्राटेक सीमेंट 1.87 फीसदी, एक्सिस बैंक 1.28 फीसदी, टीसीएस 0.82 फीसदी, विप्रो 0.43 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है।

गोल्ड, सेंसेक्स, सिल्वर या बिटकॉइन

किसने दिया है सबसे ज्यादा रिटर्न? आंकड़े जान रह जाएंगे हैरान

नई दिल्ली : चीनी रैबिट्स ईयर में बुल्स ने भारत के दलाल स्ट्रीट में शानदार उछाल देखी है। केंद्र में सत्ताधारी पार्टी बीजेपी को राज्यों के चुनावों में मजबूत जनादेश, बढ़ती अर्थव्यवस्था और सुधरते महंगाई के अनुमानों ने बाजार का हौसला बढ़ाया है। सोमवार को, सेंसेक्स ने 70 हजार का आंकड़ा पार कर इतिहास रचा। इसने पिछले हफ्ते में ही करीब 3 हजार अंक की बढ़त हासिल की थी। वहीं, एनएसई निफ्टी आज मंगलवार को 21,000 के पार चला गया है। इस समय सेंसेक्स के 70,000 पहुंचने के खूब चर्चे हैं। सेंसेक्स ने 60 हजार से 70 हजार तक पहुंचने में 549 सत्र लिये हैं। 24 सितंबर, 2021 को सेंसेक्स ने 60,000 का स्तर छुआ था। यह 11 दिसंबर, 2023 को 70,000 के लेवल तक पहुंचा। इस दौरान सेंसेक्स में 16.5 फीसदी बढ़ा है। वहीं, इस अवधि के दौरान डाउ जोन्स में सिर्फ 4.2 फीसदी का ही इजाफा हुआ। उधर चीनी सूचकांक संघाई 17.2 फीसदी गिर गया।आइए अब जानते हैं कि सेंसेक्स जिस अवधि में 60 हजार से 70 हजार के बीच पहुंचा, उस अवधि में दूसरे एसेट्स ने कितना रिटर्न दिया है। अगर आप 24 सितंबर 2021 को एक लाख रुपये का ब्रेंट क्रूड लेते तो 11 दिसंबर को यह रकम गिरकर 95,582 रुपये होते। वहीं, बिटकॉइन में आपने यह रकम लगाई होती, तो सोमवार तक वह रकम 98,742 रुपये होती। अगर आपने 60,000 के स्तर पर एक लाख रुपये सेंसेक्स में लगाए होते, तो सोमवार को यह रकम 1,16,455 रुपये होती। चांदी में अगर आपके 1 लाख रुपये इस अवधि में लगाए होते, तो ये 1,21,796 रुपये हो जाते। वहीं, सोने ने इस अवधि में धांसु रिटर्न दिया है।

सोने में लगाए 1 लाख रुपये इस अवधि में 1,34,795 रुपये हो गए।पिछले दो वर्षों में भारतीय बाजार ने कई घरेलू कारणों से तेजी का सफर तय किया है। दूसरी तरफ, दुनिया के बाजार कई वर्षों की उच्च महंगाई के बीच जूझते दिखाई दिए। इसके अलावा, केंद्रीय बैंकों ने ब्याज दरें बढ़ाईं, यूरोप और पश्चिम एशिया में युद्ध का खतरा बढ़ा, अमेरिका में एक बैंक डूबा और कच्चे तेल की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव दिखाई दिया।

भारत में कुछ मजबूत बुनियादी बातें जैसे टैक्स कलेक्शन में अच्छी वृद्धि, अपेक्षाकृत स्थिर मुद्रा, रिकॉर्ड स्तर के पास विदेशी मुद्रा भंडार और कम ब्याज दरों ने निवेशकों का उत्साह बढ़ाया। एक्सपर्ट्स का कहना है कि मजबूत कॉरपोरेट आय वृद्धि और समय पर सेक्टोरल रोटेशन ने भी बाजार की तेजी में मदद की। इन सभी कारकों ने सेंसेक्स और निफ्टी को रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा दिया।सोमवार को भी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक 1,261 करोड़ रुपये के शुद्ध खरीदार थे।

प्याज नहीं अब 'लहसुन' की महंगाई रुला रही , सरकार ने शुरू की तैयारी

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। जुलाई से दिसंबर आ गया है लेकिन महंगाई है कि जाने का नाम ही नहीं ले रही है। टमाटर की कीमतें लोगों को 'लाल' कर चुकी हैं, तो प्याज की कीमतों ने अच्छे-अच्छों को 'रुलाने' में कोई कसर नहीं छोड़ी है। अब यही हाल लहसुन कर रही है, जिसके दामों ने महंगाई के मारे लोगों का 'सिरदर्द' बढ़ा दिया है और सरकार ने इसे कंट्रोल करने की तैयारी शुरू कर दी है।सर्दियों में लहसुन की खपत काफी बढ़ जाती है। अभी देश के कई बाजारों में लहसुन की रिटेल कीमतें 300 से 400 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई हैं। ईटी की खबर के मुताबिक थोक बाजार में भी इसकी कीमतें 150 रुपए किलो तक जा चुकी हैं, वहीं अच्छी क्वालिटी की लहसुन के दाम 220 से 250 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गए हैं। आखिर क्यों इतनी महंगी हो रही है लहसुन?

महंगी क्यों हो रही लहसुन?

मौजूदा वक्त में लहसुन की कीमतें बढ़ने की प्रमुख वजह इसका स्टॉक कम होना है। वहीं इसके प्रोडक्शन एरिया में पर्याप्त मात्रा में बारिश नहीं होने की वजह से उत्पादन कम हुआ है। जबकि साल की दूसरी साइकिल की फसल को मिचौंग चक्रवात के चलते बनी मौसमी परिस्थितियों की मार झेलनी पड़ी है। मुंबई की कृषि उत्पादन मंडी समिति के डायरेक्टर अशोक वालुंज के हवाले से टीओआई ने खबर दी है कि लहसुन की सप्लाई के लिए बाजार गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश पर निर्भर है, लेकिन आपूर्ति में कमी आई है। इसलिए कीमतें बढ़ी हैं। हालांकि दिसंबर के अंत तक नई फसल के मार्केट में आने से कीमतें नीचे आने की उम्मीद है।

सरकार ने शुरू की तैयारी

रिटेल कीमतों पर नियंत्रण के लिए सरकार ने भी तैयारी शुरू कर दी है। सरकार ने पहले तो प्याज के निर्यात पर मार्च तक के लिए बैन लगा दिया है, जिसकी कीमत दिल्ली के बाजारों में 80 रुपए किलो तक पहुंच गई है। वहीं बफर स्टॉक के लिए सरकार ने 5 लाख टन प्याज खरीद करने का भी ऐलान किया है। वहीं लहसुन, गेहूं और अन्य खाद्य सामग्रियों के दाम नीचे लाने के लिए सरकार जमाखोरों पर कार्रवाई कर रही है। साथ ही बड़े रिटेलर्स के लिए नियम भी कड़े किए हैं।

अगर आपके ऑफिस में भी है अच्छा 'वर्क कल्चर', फिर दुनिया से ऐसे आगे हैं आप

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। अगर किसी व्यक्ति को ऑफिस में अच्छा 'वर्क कल्चर' मिले, तो वह जॉब बदलने का क्यों ही सोचे? अगर एम्प्लॉइज की मेंटल हेल्थ, फिजिकल हेल्थ से लेकर वर्क-लाइफ बैलेंस और पर्सनल ग्रोथ के ऑप्शन अच्छे हों तो भारतीय एम्प्लॉई दुनिया से कई गुना आगे हैं। वो ऑफिस को लेकर पूरी तरह कमिटेड रहते हैं और जल्दी नौकरी भी नहीं बदलते। ऑफिस के वर्क कल्चर और एम्प्लॉइज के बिहेवियर को लेकर रिसर्च करने वाली एसएचआरएम ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि भारतीय लोग पॉजिटिव वर्क कल्चर को तवज्जो देते हैं और किसी संगठन या कंपनी से लंबे समय तक जुड़े रहने के लिए ये उनकी पहली शर्त होती है। इस रिपोर्ट के मुताबिक अगर भारतीयों को दफ्तर या कामकाजी जगहों पर अच्छा वर्क कल्चर मिलता है, तो 64 प्रतिशत एम्प्लॉइज कंपनी में टिके रहते हैं।भारत में वर्क कल्चर की वजह से कंपनी और उसकी ग्रोथ के लिए कमिटेड रहने वाले कर्मचारियों की संख्या जहां 64% है। वहीं दुनियाभर का औसत महज 37% है। इस तरह देखा जाए तो अच्छे वर्क कल्चर की वजह से भारतीय कर्मचारियों के एक जगह टिक काम करने का प्रतिशत दुनिया के औसत से लगभग डेढ़ गुना है। इस रिपोर्ट में अच्छे वर्क कल्चर के 3 प्रमुख कारक भी बताए गए हैं। इसमें ऑफिस में अनुकूल पॉजिटिव माहौल के साथ-साथ जॉब सिक्योरिटी और भेदभाव मुक्त व्यवहार शामिल है। एसएचआरएम ने दुनियाभर के 11,080 लोगों के बीच सर्वे किया, इसमें भारत की ओर से करीब 1,000 लोगों ने रिस्पांस किया। इसी के आधार पर ये निष्कर्ष निकाले गए हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 | सूर्योदय - 06-40 | सूर्यास्त. - 17-39
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	तुला में	वृश्चिक.	04-41 बजे
चंद्र-	वृश्चिक में	धनु.....	06-54 बजे
मंगल	तुला में	मकर..	09-00 बजे
बुध-	धनु में	कुंभ...	10-52 बजे
गुरु-	मेष में	मीन --	12-28 बजे
शुक्र-	तुला में	मेष--	14-05 बजे
शनि-	कुंभ में	वृष--	15-50 बजे
राहु-	मीन में	मिथुन..	17-50 बजे
केतु-	कन्या में	कर्क...	20-02 बजे
		सिंह...	22-15 बजे
		कन्या..	00-21 बजे
		तुला.....	02-30 बजे

दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- प्रतिपदा - 03 -09 - तक उपरान्त द्वितीया
मास - मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष , बुधवार 13 December
नक्षत्र - ज्येष्ठा - 11- 04 - तक उपरान्त मूल
योग - शूल - 16 - 17- तक उपरान्त गण्ड
करण- किंस्तुघन - 16 -08 - तक उप- बव
विशेषः-
व्रत -त्योहार - बुध वक्री 12-38 से

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:10 से 13:33 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	06:40 - 08:01	शुभ	उत्पात	17:39 - 19:19	अशुभ
अमृत	08:01 - 09:24	शुभ	शुभ.	19:19 - 20:56	शुभ
काल	09:24 - 10:47	अशुभ	अमृत	20:56 - 22:33	शुभ
शुभ.	10:47 - 12:10	शुभ	चंचल	22:33 - 24:10	शुभ
रोग	12:10 - 13:33	अशुभ	रोग	24:10 - 01:48	अशुभ
उत्पात	13:33 - 14:56	अशुभ	काल	01:48 - 03:25	अशुभ
चंचल	14:56 - 16:19	शुभ	लाभ	03:25 - 05:02	शुभ
लाभ	16:19 - 17:39	शुभ	उत्पात	05:02 - 06:40	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
यह सोचने और जानने के लिए कि आप अपने जीवन से क्या चाहते हैं,कुछ देर एकांत में बैठें । पिछले कई दिन काफी व्यस्त रहे हैं । इसीलिए आपको अपने उद्देश्यों का फिर से मूल्यांकन करना है और यह भी देखना है की आपके काम किस प्रकार आपके जीवन और संबंधों को प्रभावित कर रहे हैं । यात्रा संभावित है ,हालाँकि हमारा सुझाव यह है कि किसी रोमांचक ताबड़तोड़ यात्रा के स्थान पर शांतिपूर्वक अपनी छुट्टियाँ बिताएं ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज का दिन आपकी वित्तीय स्थिति एवं करियर में तरक्की का दिन है ,लेकिन इन सबके लालच में अपने परिवार की उपेक्षा ना करें । दरअसल आज आप अपने भीतर आध्यात्मिकता का भी अनुभव करेंगे । इन दोनों शक्तियों के बीच उलझा हुआ अनुभव भी करेंगे लेकिन अंतत दोनों में संतुलन बना पाने में कामयाब होंगे।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आप व्यवसायिक या निजी कारणों से यात्रा कर सकते हैं । हालाँकि इस समय आपके लिए यात्रा करना मुश्किल होगा लेकिन आप कर पायेंगे और इससे आपको लाभ भी होगा । जो लोग पहले आपकी उदारता को नही समझते थे ,अब उन्हें भी इसकी कीमत समझ आएगी । आज आप अपनी सर्वोतम सेहत में हैं ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज साहस दिखाने के लिए बहुत अच्छा दिन है । आज आपका भाग्य आपके साथ है। आज आप जो भी करोगे ,सब कुछ अच्छा ही होगा । अगर कहीं निवेश करना चाहते हैं तो यह बहुत अच्छा समय है। सच्चा प्यार मिलने की उम्मीद बन रही है हालाँकि अपने स्वास्थ्य के बारे में सतर्क रहें ,खांसी और ठण्ड से परेशान हो सकते हैं ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
अगर कुछ लोग आपको नहीं समझ पा रहें हैं तो उन्हें अपना हरेक काम समझाने में अपना समय और ऊर्जा बर्बाद ना करें | वे कभी नही मानेंगे । आप काफी व्यस्त रहेंगे लेकिन आपको आने वाली जरूरतों के कारण पहले वाली योजनाओं में भी कुछ बदलाव करने पड सकते हैं । स्थिति की मांग के अनुसार कार्य करें ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,
आज आप बहुत सृजनात्मक अनुभव करेंगे । खूबसूरती की प्रशंसा के साथ साथ खुद भी कुछ खूबसरत चीज बनाना चाहेंगे । दिन कलाकारों के लिए विशेष अच्छा है । हालाँकि ,आज शुरू किये हुए कार्यों को आज ही पूरा कर लें । क्योंकि अचानक आप विकर्षित सा अनुभव करने लगेंगे ,यह भावना काफी सामान्य है लेकिन आप इसके कारण बिना बात निराश सा अनुभव करेंगे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
गृहों की स्थिति आपको आज बहुत अधिक सामाजिक होने को कह रही है । आप दूसरों से बातचीत के माध्यम से अपनी जीवनशैली और करियर में बदलाव लाना चाहते हैं । जो कुछ आपने सोचा है .वो सब करने की कोशिश करें । आप जो भी करना चाहते हैं,उसपर अच्छे से ध्यान केन्द्रित क्र सकते हैं ,बस इतना ध्यान रखें कि अपनी क्षमता से अधिक जिम्मेदारी न लें ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज चलते हुए सावधान रहें । हलकी खरोचें आ सकती हैं । न चाहते हुए भी आप किसी करीबी को बातों-बातों में नाराज कर सकते हैं । आज केवल अपने काम से ही मतलब रखना उपयुक्त रहेगा । सिनेमा या किसी और मनोरंजक कार्यकलाप में समय बिता सकते हैं । आजका दिन अपने साथ बहुत सी सकरात्म्ह भावनाएँ लाएगा ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आपको मदद की जरुरत है और आप जितनी जल्दी यह बात समझ लेंगे उतना ही अच्छा है । समय रहते किसी दोस्त या मेंटर से मिली मदद से आप फिर से जीवन में आपस आ पायेंगे। जिन बदलावों का आप विरोध करते आ रहे हैं ,उनकी महत्ता आपको अब समझ में आएगी और आप खुद उन्हें करने की प्रक्रिया शुरू करेंगे । अपनी व्यवहारिक जरूरतों के रास्ते में अपने अहम को न आने दें ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आपके सामने इन दिनों कुछ नई चीजें आई हैं ।अपने सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहें । पूछे गये प्रश्नों का जवाब दें । आपको अभी और भी प्रयास करने हैं और इससे आपकी तरक्की की मजबूत नींव पड़ेगी । इन सबके बीच खुद को तरोताजा करना और खुश रखना न भूलें ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
दिन की शुरुआत अच्छी खबर से होगी । आप काफी समय से जिस योजना पर काम कर रहे थे ,वह आज फलीभूत होगी । सहकर्मियों के साथ कहीं बाहर जा सकते हैं । आपको अच्छा लगेगा । आज वित्त सम्बन्धी कोई फैसला लेंगे जो भविष्य में लाभकारी साबित होगा । आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज आप बारीकियों पर बहुत ध्यान देंगे । आप किसी परियोजना की ब्योरेवार योजना बनाने में जुटे हुए हैं और आप इस पर बहुत मेहनत भी कर रहे हैं । आपकी यह मेहनत आपके काम में भी दिखाई देगी और इस काम के लिए आपको काफी तारीफ मिलेगी । आपके काम में आज पूरा दिन सृजनात्मकता बनी रहेगी ।

पं ।महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

370 पर फैसले के बाद भी कश्मीर बिल्कुल शांत

लाल चौक से शोपियां तक कहीं प्रदर्शन नहीं, लोगों ने चुप्पी साधी

श्रीनगर, 12 दिसंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 11 दिसंबर को सुबह से श्रीनगर के लाल चौक पर कड़ी सिक्योरिटी थी। रोज की तरह टूरिस्ट आ रहे थे। पुलिस जगह-जगह गाड़ियों की चेकिंग कर रही थी। करीब 11:30 बजे सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल-370 हटाने का केंद्र सरकार का फैसला बरकरार रहेगा, इसके बाद भी 800 किमी दूर श्रीनगर का लाल चौक बिल्कुल शांत रहा। टूरिस्ट और आम लोग आते-जाते रहे। कश्मीर घाटी की सड़कें जहां कभी पत्थरबाजी, आगजनी, हंगामे हुआ करते थे, आज शांत थीं।

केंद्र सरकार ने 6 अगस्त 2019 को आर्टिकल-370 हटा दिया था। 4 साल, 4 महीने और 6 दिन बाद सुप्रीम कोर्ट ने इस पर फैसला सुनाया। फैसला आने से पहले पीडीपी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उमर अब्दुल्ला ने जरूर कहा कि उन्हें घर में नजरबंद कर दिया गया है। पॉलिटिकल पार्टियों ने अपने स्टैंड के हिसाब से बयान दिए, पर आम लोग इस पर क्या सोचते हैं और कश्मीर घाटी में क्या माहौल है? इसकी पडताल करती रिपोर्ट-

राजधानी श्रीनगर की डल लेक से लेकर डाउन टाउन मैसूमा से लेकर हैदरपोरा, नॉर्थ कश्मीर में बारामुला से लेकर साउथ कश्मीर के आतंकियों की एक्टिविटी वाले शोपियां तक माहौल शांत रहा। रास्तों पर ट्रैफिक नॉर्मल रहा, रोज की तरह दुकानों पर चहल-पहल थी। बर्फबारी के बीच टूरिज्म और कारोबार सब चलता रहा। कश्मीर के आम लोग इस मामले में बातचीत को तैयार नहीं हैं। कश्मीर में कैमरे पर लोगों का बात न करना कोई नई बात नहीं है। 2019 के बाद से कश्मीर में आम लोग कैमरे पर आने से बचते रहे हैं, कोई खुलकर बात नहीं करता। कश्मीर में लोगों की चुप्पी से दो बातें जाहिर हुईं कि लोग 370 जैसे मुद्दों पर कुछ बोलना नहीं चाहते उनके लिए ये बातें नॉर्मल हैं, उन्होंने इस बदलाव को मान लिया है। सुप्रीम कोर्ट में फैसले के दो दिन पहले 9 दिसंबर को जम्मू कश्मीर पुलिस ने सोशल मीडिया पर अफवाह और भड़काऊ मैसेज सर्कुलेट करने के आरोप में 9 लोगों को हिरासत में लिया था।

जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने एक गाइडलाइन जारी की है, जिसमें आतंकवाद और अलगाववाद को सपोर्ट करने वाला कंटेंट शेयर और लाइक करने से मना किया गया है। सभी जिलों के एसपी बार-बार सोशल मीडिया पर वीडियो के जरिए इस तरह के कंटेंट पोस्ट न करने की अपील कर रहे थे। इस तरह का कंटेंट पोस्ट करने पर अनंतनाग, पुलवामा, बडगाम, बांदीपोरा और गांदरबल में 9 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

कश्मीरियों को गुमराह करने का खेल खत्म

कश्मीरी मूल के हिंदू कश्मीरी पंडित समुदाय के लोगों ने आर्टिकल-370 के खात्मे को सही ठहराने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। जम्मू में रहने वाले राकेश कौल कहते हैं, 'हमारी मांग थी कि जम्मू-कश्मीर में चुनाव कराए जाएं।

सुप्रीम कोर्ट ने उस पर अहम फैसला दिया है। इससे हम खुश हैं। कुछ लोगों ने साढ़े चार साल तक जनता को बेवकूफ बनाया, जबकि उन्हें पता था कि 370 हटाने का फैसला पूरी प्रक्रिया के साथ हुआ है।'

कुलगाम की वेस्सू कश्मीरी पंडित कॉलोनी में रहने वाले विजय रैना कहते हैं, '370 हटने के बाद से हमने कश्मीर में शांति को महसूस किया है। हम उस खुशहाली में जी रहे हैं। बच्चे स्कूल जा रहे हैं, बड़े नौकरी पर जा रहे हैं, टूरिस्ट कश्मीर आ रहे हैं।' विजय रैना साउथ कश्मीर के कुलगाम जिले में सरपंच और बीजेपी जिला महासचिव हैं।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के पहले खबर आई कि जम्मू-कश्मीर की पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला और पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती को हाउस अरेस्ट किया गया है। दोनों ने सोशल मीडिया पर घर के गेट बंद होने की फोटो शेयर की। इस पर जम्मू कश्मीर के लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा ने कहा- 'ये पूरी तरह से निराधार है। जम्मू कश्मीर में ना किसी को हाउस अरेस्ट किया गया है, ना ही किसी की गिरफ्तारी की गई है।

सिन्हा के बयान के जवाब में उमर अब्दुल्ला ने एक्स पर तस्वीरें पोस्ट कर दावा किया कि उनके घर के बाहर दरवाजे को लोहे की चेन से बांधा गया है। उन्होंने लिखा- 'डियर मिस्टर एलजी, मेरे दरवाजे पर ये जो चेन बांधी गई है, ये मैंने खुद नहीं लगाई है। ये आपकी पुलिस ने किया है। आप इससे इनकार क्यों कर रहे हैं।' 'ये भी हो सकता है कि ये आपको भी नहीं पता कि आपकी पुलिस क्या कर रही है। क्या आप झूठ बोल रहे हैं या आपकी पुलिस आपके काबू में नहीं है? दोनों में से कौन सी बात सही है।'

कांग्रेस से अलग होने के बाद डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी बनाने वाले गुलाम नबी आजाद ने कहा, 'सुप्रीम कोर्ट की इस बेंच से हमें एक उम्मीद थी, लेकिन पिछले कई साल से हम कह रहे थे कोर्ट जो कहेगा, वो होगा।' 'बुनियादी तौर पर 5 अगस्त 2019 को आर्टिकल 370 को खत्म करना एक गलती थी। जम्मू कश्मीर की सियासी पार्टियों से पूछा जाना चाहिए था।

अब सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्शन कराने की तारीख दी है और राज्य का दर्जा जल्द से जल्द बहाल करने के लिए कहा है। अदालत के खिलाफ कुछ नहीं कह सकते हैं, लेकिन इस फैसले से हम सब को बहुत मायूसी और अफसोस है।' आजाद ने कहा, 'हम सुप्रीम कोर्ट के फैसले से निराश हैं। कोर्ट का फैसला दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। जम्मू-कश्मीर के लोग इससे खुश नहीं हैं, लेकिन हमें इसे स्वीकार करना होगा।'

'मैंने पहले भी यह कहा है कि सिर्फ संसद और सुप्रीम कोर्ट ही जम्मू-कश्मीर के लोगों को आर्टिकल 370 और 35ए वापस कर सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट की बेंच निष्पक्ष है और हमें उम्मीद थी कि वह जम्मू-कश्मीर के लोगों के पक्ष में फैसला देगी, लेकनि ऐसा नहीं हुआ।'

उमर अब्दुल्ला ने गुलाम नबी आजाद के बयान पर कहा कि आजाद साहब वाकई में आजाद हैं। वो पार्टी दफ्तर जा पा रहे हैं। हमारे दरवाजे पर बेड़ियां जड़ी हुई हैं। मीडिया वालों को हमारे घरों तक नहीं आने दिया जा रहा, ताकि हम उन्हें कोई रिएक्शन न दे सकें। धारा 370 हटाए जाने के पहले जम्मू कश्मीर की आखिरी मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा, 'जम्मू कश्मीर के लोग उम्मीद नहीं हारेंगे। हमारी गरिमा और सम्मान की लड़ाई हमेशा जारी रहेगी। ये रास्ता यहां खत्म नहीं होता है।'

नक्सलियों ने फिर किया आईडी ब्लास्ट

एक जवान घायल

जगदलपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। सुकमा जिले के सालातोंग में सुरक्षाकर्मियों के द्वारा डेरा डाला जा चुका है। एक दिन पहले हुए आईडी ब्लास्ट में जहां दो जवान घायल हुए थे। वहीं आज सुबह फिर नक्सलियों के द्वारा एक आईडी ब्लास्ट किया गया। जिसमें एक जवान घायल हो गया। घटना के बाद पुलिस ने सर्चिंग ऑपरेशन शुरू कर दिया है। बताया जा रहा है कि नक्सलियों द्वारा पूर्व से लगाए गए अनेकों आईईडी को जवानों के द्वारा बरामद करने के साथ ही नष्ट किया जा चुका है। वहीं जिला सुकमा अंतर्गत थाना किस्टाराम के अतिसंवेदनशील सालातोंग गांव में स्थापित हुई सीआरपीएफ और पुलिस के द्वारा एक नया सुरक्षा कैम्प बनाया गया है। सुकमा के चिंतलनार- किस्टाराम मार्ग में विगत कुछ महीने में तोंडामरका, डुब्बामरका एवं अन्य कई महत्वपूर्ण कैंप स्थापना के पश्चात इस मार्ग पर नवीन कैंप सालातोंग को सीआरपीएफ एवं सुकमा पुलिस के द्वारा कड़ी चुनौतियों के बीच 12 दिसंबर को स्थापित किया गया है। उल्लेखनीय है कि सालातोंग में कैंप स्थापना के दौरान नक्सलियों द्वारा पूर्व से लगाए गए आईईडी को सुरक्षा बलों द्वारा एक-एक करके बरामद कर नष्ट किया जा रहे हैं। इसी दौरान बीते सोमवार को हुए एक ब्लास्ट की घटना में दो जवान घायल हुए थे और मंगलवार को हुए एक आईईडी ब्लास्ट की घटना में डीआरजी बल का एक आरक्षक जोगा घायल हुआ है। जिसके पैर में चोट आने से उसका उपचार किया जा रहा है।

नवीन स्थापित कैंप सालातोंग के आसपास नक्सलियों के अनेकों छोटे-छोटे डेरो को सीआरपीएफ और पुलिस बल द्वारा ध्वस्त कर अपने कब्जे में लिया गया है। नक्सलियों के गढ़ माने जाने वाले सालातोंग में नवीन कैंप स्थापना से आगामी दिनों में उक्त क्षेत्र एवम आसपास के ग्रामीणजनो को नक्सल आतंक से मुक्ति मिलने के साथ-साथ, मूलभूत सुविधाएं जैसे सड़क, बिजली आदि से भी शीघ्र ही लाभ मिलेगा। आसपास क्षेत्र में पुलिस बल, डीआरजी, सीआरपीएफ और कोब्रा की टीम का सर्च ऑपरेशन जारी है।

चलती बस में आग लगी

खिड़की से कूदकर लोगों ने बचाई जान, करीब 60 यात्री थे सवार, जगदलपुर से रायपुर जा रही थी

कोंडागांव, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। कोंडागांव जिले में मंगलवार तड़के करीब साढ़े 3-4 बजे चलती बस में आग लग गई। कुछ यात्री जान बचाने के लिए खिड़की से कूदे, जिससे उन्हें चोट लगी है। घायलों को इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। यात्री बस जगदलपुर से रायपुर जा रही थी। बस में करीब 60 यात्री सवार थे। मामला केशकाल थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, जगदलपुर से रायपुर के लिए निकली महेंद्रा ट्रैवल्स की बस केशकाल नेशनल हाईवे-30 पर पहुंची, तभी उसमें अचानक आग लग गई। सभी यात्री जल्दी से बस से बाहर निकले, लेकिन इनमें से कुछ लोग खिड़की से कूदकर घायल हो गए हैं। इन्हें केशकाल के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है।

इधर चलती बस में आग लगने से मौके पर अफरातफरी मच गई। यात्रियों को अपना सामान तक बाहर निकालने का समय नहीं मिल सका, इसकी वजह से सभी यात्रियों का सामान जलकर खाक हो गया है। लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। आग कैसे लगी, इस बात की जानकारी अब तक नहीं मिल पाई है।

वहीं आग से बस पूरी तरह से जलकर खाक हो गई है। पुलिस ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाया। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है, हालांकि पुलिस ने शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई है। सभी यात्रियों को दूसरे साधन से उनके गंतव्य के लिए रवाना किया गया है।

जनजाति वर्ग के लोग कहते कम, करते अधिक हैं

पूर्व मंत्री बोले- उम्मीद है अच्छे काम करेंगे नए सीएम

जगदलपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ आदिवासी नेता पूर्व केंद्रीय मंत्री और सर्व आदिवासी समाज के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद नेताम ने विष्णुदेव साय को छत्तीसगढ़ का मुख्यमंत्री चुने जाने पर बधाई दी है। उन्होंने खास तौर पर देश के केंद्रीय नेतृत्व को बधाई देते हुए कहा है कि जनजाति क्षेत्र से मुख्यमंत्री चुने जाने से वह आदिवासी इलाके की चुनौतियों, परिस्थितियों और मनोभाव को समझेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि मुख्यमंत्री के रूप में साय जनजाति समाजों से बातचीत कर आदिवासी क्षेत्रों के विकास को नई गति देंगे। नेताम ने कहा कि जनजाति समाज से द्रौपदी मुर्मू का राष्ट्रपति बनना और छत्तीसगढ़ में जनजाति समाज से विष्णुदेव साय को मुख्यमंत्री बनने का अवसर मिलना समाज के लिए बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि जनजाति वर्ग के लोग कम कहते हैं और करते अधिक हैं। इसी तरह नए मुख्यमंत्री साय भी काम करेंगे। वे जनजाति समाज से होने के कारण समाज के मनोभाव को समझेंगे। नेताम ने बताया कि उन्हें छत्तीसगढ़ के नए मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल के सदस्यों के शपथ ग्रहण समारोह का आमंत्रण मिला है, जिसमें वे शामिल होंगे।

नेताम ने कहा कि आदिवासी इलाके के विकास के लिए उन्हें अन्य क्षेत्रों से अलग देखना आवश्यक है। सामान्य तौर पर विकास को औद्योगीकरण से मापा जाता है। अवधारणा है कि औद्योगीकरण होगा तो विकास होगा। उन्होंने कहा कि औद्योगीकरण आवश्यक है, लेकिन प्राकृतिक संसाधनों का विनाश नहीं किया जाना चाहिए।

उन्होंने उम्मीद जताई कि नए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जनजाति समाज की भावना को गहराई से समझेंगे और उनसे बातचीत कर आदिवासी क्षेत्रों के लिए विकास की नई राह गढ़ेंगे। नेताम ने कहा कि छत्तीसगढ़ में पिछले वर्षों में जनजाति समाज के विकास को लेकर उनका अनुभव अच्छा नहीं रहा। सरकार और जनजाति समाज के बीच संवादहीनता रही है।

छापेमारी के बाद सीआईएसफ और आईटी ने छोड़ा बलांगीर

सोने के 40 बिस्किट बरामद, लाल डायरी मिली, इसमें छिपे हैं कई राज

रांची, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद धीरज साहू के ठिकानों पर छापेमारी के बाद आईटी और सीआईएसएफ ने ओड़िशा के बलांगीर को छोड़ दिया है और टीम बाहर निकल गयी है। 10 ठिकानों पर आयकर विभाग की छापेमारी में मिले नोटों की गिनती रविवार की देर रात पूरी कर ली गई। तीन राज्यों झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में छापेमारी में कुल 354 करोड़ रुपए बरामद हुए हैं। इन नोटों को बोलांगीर और संबलपुर स्थित स्टेट बैंक में चालान भरकर जमा कराया गया है। छापेमारी 6 दिसंबर को शुरू हुई थी।

प्रधानमंत्री ने शेयर किया वीडियो

प्रधानमंत्री ने भाजपा द्वारा जारी एक वीडियो शेयर किया है, जिसे फिल्म 'मनी हीस्ट' नाम दिया गया। वीडियो में कांग्रेस के राज्यसभा धीरज धीरज साहू के साथ राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की तस्वीर है। प्रधानमंत्री ने इस वीडियो के साथ लिखा, भारत में, 'मनी हीस्ट' कहानी की जरूरत किसे है, जब आपके पास कांग्रेस पार्टी है, जिसकी डकैतियां 70 सालों से प्रसिद्ध हैं और गिनती में आने वाली हैं!

इस रेड में मिली एक लाल डायरी की खूब चर्चा है। कई दस्तावेज के साथ लाल डायरी भी आयकर विभाग के हाथ लगी है। इस डायरी में तिवारी इंस्पेक्टर लिखा मिला है, जिसकी काफी चर्चा हो रही है। सूत्रों की माने तो लेन-देन की विस्तृत सूची लाल डायरी में है।

आयकर विभाग की टीम अब कर रही है पूछताछ

आयकर विभाग के वरिष्ठ अधिकारी बलांगीर में अब भी मौजूद हैं। अधिकारी शराब निर्माण कंपनी के कुछ कर्मचारियों और कुछ स्थानीय शराब व्यापारियों के परिवार के सदस्यों से इन पैसों के संबंध में पूछताछ कर रहे हैं। इस छापेमारी के बाद ओडिशा उत्पाद एक्साइज डिपार्टमेंट भी एक्टिव हो गया। विभाग ने राज्य भर में देशी शराब निर्माण इकाइयों के दस्तावेजों का सत्यापन शुरू कर दिया है। साहू की कंपनी 1994-95 से ओडिशा में देशी शराब निर्माण और बिक्री व्यवसाय में है। अब आयकर विभाग की टीम ने साहू ग्रुप की छह कंपनियों की अचल संपत्ति, बैंक लॉकर और अकाउंट के डिटेल्स को खंगालना शुरू कर दिया है।

भारी मात्रा में सोना और जेवर

सोमवार को टीम ने ओडिशा के टिटलागढ़ स्थित एक्सिस बैंक में साहू समूह के तीन लॉकरों को खंगाला। सूत्रों के अनुसार इन लॉकरों में भारी मात्रा में जेवरात रखे गए हैं। आयकर विभाग जेवरात का मूल्य का हिसाब-किताब लगा रही है। बताया जा रहा है कि तीनों लॉकर बलदेव साहू संस एंड ग्रुप से जुड़े शराब पैकेजिंग कंपनी के दीपक साहू और संजय साहू के है।

साय कैबिनेट में बिलासपुर संभाग से 7 की दावेदारी मजबूत

अरुण साव डिप्टी सीएम, तो अमर या कौशिक को मिल सकता है मंत्रिमंडल में मौका

बिलासपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। विष्णुदेव साय के मंत्रिमंडल में बिलासपुर संभाग का दबदबा रहने की पूरी संभावना है। अरुण साव अगर डिप्टी सीएम बनाए जाते हैं, तो बिलासपुर से अमर अग्रवाल और धरमलाल कौशिक में से एक को ही मंत्रिमंडल में जगह मिल सकती है। वहीं रायगढ़, कोरबा और मुंगेली जिले से भी मंत्री बनाए जा सकते हैं। जांजगीर-चांपा जिले को छोड़ दें, तो हर जगह से कैबिनेट में मंत्री पद के दावेदार हैं।

कांग्रेस सरकार के 5 साल के कार्यकाल में बिलासपुर उपेक्षित रहा। क्योंकि यहां पहली बार विधायक बनने वाले शैलेष पांडेय पूरे 5 साल विपक्षी विधायक की भूमिका में रहे, तो वहीं तखतपुर से पहली बार विधायक बनीं रश्मि सिंह को संसदीय सचिव का पद मिला। अब भाजपा की सरकार आते ही दिग्गज नेताओं के चुनाव जीतने पर एक बार फिर से मंत्रिमंडल में बिलासपुर जिले का रुतबा बढ़ेगा।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारी रहे। युवा मोर्चा में भी प्रदेश महामंत्री रहे। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद भाजपा सरकार के 15 साल के कार्यकाल में महत्वाकांक्षा को हावी होने नहीं दिया और वकालत करते रहे। पार्टी ने 18 साल बाद दोबारा राजनीति में उन्हें लॉन्च किया और साल 2019 में पहली बार बिलासपुर लोकसभा चुनाव जीतकर सांसद बने। इसके बाद अगस्त 2022 में ओबीसी कार्ड खेलकर भाजपा ने प्रदेश अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी।

मुख्यमंत्री पद के दावेदार थे अरुण साव, विष्णुदेव साय को मुख्यमंत्री बनाए जाने के बाद डिप्टी सीएम बनाए जा सकते हैं।

अरुण साव के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रहते पूर्ण बहुमत से सरकार बनी।

बिलासपुर संभाग और साहू समाज और ओबीसी चेहरे के समीकरण में फिट बैठते हैं।

अमर अग्रवाल भाजपा के पितृपुरुष कहे जाने वाले दिवंगत नेता लखीराम अग्रवाल के बेटे हैं। अग्रवाल 1998 में पहली बार विधायक चुने गए। 4 बार के विधायक और 3 बार कैबिनेट मंत्री रहे हैं। पिछली चुनाव में हार के बाद इस बार रिकॉर्ड मतों से चुनाव जीतकर आए हैं। भाजपा सरकार के अनुभवी मंत्री रह चुके हैं। धरमलाल कौशिक 1998 में पहली बार बिल्हा विधानसभा से विधायक चुने गए। 1998 के बाद वे 2008, 2018 और 2023 यानी 4 बार चुनाव जीतकर विधायक बने। कौशिक विधानसभा अध्यक्ष, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष जैसी जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। संघ और संगठन के बड़े नेताओं की पसंद हैं और ओबीसी वर्ग का प्रतिनिधित्व करने वाले बड़े नेता हैं। विधानसभा अध्यक्ष के तौर पर काम करने का अनुभव।

संघ और संगठन के बड़े नेताओं के करीबी हैं, जिसका फायदा मिल सकता है।

आईएएस की नौकरी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए ओपी चौधरी पिछला विधानसभा चुनाव हार गए थे। दोबारा रायगढ़ सीट से पार्टी ने मौका दिया और चुनाव जीत गए। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के चहेते हैं। सीएम पद की रेस में थे, लिहाजा उनका कैबिनेट मंत्री बनना तय माना जा रहा है।

धर्मजीत सिंह वो नेता हैं, जिस पार्टी में गए वहां से चुनाव में जीत दर्ज की है। 5 बार के विधायक हैं। विधानसभा उपाध्यक्ष रह चुके हैं। इसके साथ ही उत्कृष्ट विधायक का पुरस्कार भी मिल चुका है। यह अलग बात है कि भाजपा में नया चेहरा हैं।

हाईवा के कुचलने से पिता और 2 बच्चियों की मौत

स्कूल छोड़ने के दौरान हादसा, लोगों ने किया चक्काजाम, ड्राइवर मौके से फरार

रायपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। रायपुर के गोबरा नवापारा इलाके में तेज रफ्तार हाईवा ने बाइक पर स्कूल छोड़ने जा रहे पिता समेत दो मासूम बच्चियों को कुचल दिया। जिससे मौके पर ही तीनों की मौत हो गई। घटना के बाद तरी रोड स्थित बगदेहीपारा स्कूल के पास लोगों ने चक्काजाम कर दिया।

हाईवा की टक्कर लगते ही बाइक सवार तीनों सड़क पर गिर गए। फिर वाहन चालक दोनों बेटी रिया यादव और वंशिका यादव समेत पिता शिवनाथ को बुरी तरह कुचलते हुए फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है।

घटना के विरोध में राजिम-रायपुर मुख्य मार्ग पर लोगों ने चक्का जाम कर दिया था। सूचना के बाद मौके पर पहुंची गोबरा नवापारा पुलिस ने आक्रोशित भीड़ को शांत कराया। जिसके बाद सड़क से जाम हटाया गया।

लोगों के मुताबिक तेज रफ्तार गाड़ियों पर लगाम लगाने के लिए प्रशासन कोई व्यवस्था नहीं कर रहा है। जिससे आए दिन हादसे होते रहते हैं। बहरहाल पुलिस ने तीनों शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

भीषण सड़क हादसा, 3 लोगों की मौत

तेज रफ्तार स्कूटी और बाइक की जबरदस्त टक्कर, मृतकों की अभी पहचान नहीं

कवर्धा, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कवर्धा में सोमवार रात स्कूटी और बाइक की भिड़ंत में 3 युवकों की मौत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कूटी सवार दो युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि बाइक चालक की उपचार के दौरान मौत हो गई। हादसा पांडातराई थाना क्षेत्र में हुआ है। जानकारी के मुताबिक, हादसा डोंगरिया गांव के पास हुआ है। स्कूटी और बाइक सवारों की आमने-सामने टक्कर हुई है। तीनों युवकों की शिनाख्त अभी नहीं हो सकी है। बताया जा रहा है कि दो युवक पांडातराई और एक अंधियारखोर का रहने वाला था।

कांग्रेस की रग-रग में भ्रष्टाचार

सांसद के घर से मिले करोड़ों रुपये पर जेपी नड्डा ने ली चुटकी

रांची, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखण्ड से कांग्रेस सांसद धीरज साहू के ठिकानों पर मिली करोड़ों की नकदी पर तमाम नेताओं ने प्रतिक्रिया दी। जहां एक तरफ कांग्रेस इस मुद्दे से अपना पलड़ा झाड़ने की कोशिश कर रही है, वहीं भाजपा इस मुद्दे को पूरे तरीके से भुनाने में लगी हुई है। आरोप-प्रत्यारोप के बीच कांग्रेस पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने हमला किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सांसद के घर में मिले करोड़ों की नकदी का सोनिया गांधी, राहुल गांधी को जवाब देना चाहिए। उन्हें यह भी बताना चाहिए कि आखिर ये पैसा किसका है और कैसे लूटा गया। आयकर विभाग द्वारा जब्त की गई नकदी का आरोप लगाते हुए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने नेतृत्व में भाजपा के सांसदों ने सोमवार को संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। साथ ही कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष दल भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। नड्डा ने कहा कि यह सिर्फ हिमशैल का सिरा है, अभी तो सिर्फ शुरुआत है। संसद परिसर में लगी महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास तख्तियां लेकर सत्तारूढ़ के सासंदों ने जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस सांसद धीरज साहू को गिरफ्तार करने की मांग की है।

मोसाद ने पहली बार छेड़ा महाभियान

दुनिया के कोने-कोने में इजरायली जनता के लिए बने ढाल, निशाने पर कौन?

तेल अवीव, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। इजरायल पर हमास के हमले के बाद दुनियाभर में मोसाद की जमकर किरकिरी हुई थी। दुनियाभर में अपने दुश्मनों के खिलाफ इजरायली खुफिया एजेंसी मोसाद के कारनामों से उसके दुश्मन भी खौफ खाते थे लेकिन हमास के हमले ने उसे हिलाकर रख दिया। अब मोसाद ने हमास और उसके आका ईरान के खिलाफ पलटवार के लिए अपने खतरनाक जासूसों को पूरी दुनिया में तैनात कर दिया है। यही नहीं मोसाद के जासूस यूरोप से लेकर लैटिन अमेरिका तक में ईरानी प्रॉक्सी गुटों के यहूदियों पर जानलेवा हमले की साजिश को पूरी सफलता के साथ नाकाम कर रहे हैं। ताजा मामला यूरोपीय देश साइप्रस का है जहां पर मोसाद ने इजरायली लोगों को मारने की साजिश को विफल कर दिया।

पिछले सप्ताह ही इजरायल की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने दुनिया के 80 देशों की यात्रा करने को लेकर इजरायल के लोगों को सख्त चेतावनी जारी की थी। इसमें यूरोपीय देश भी शामिल हैं जो अब तक इजरायली लोगों के लिए सुरक्षित माने जाते थे। यरुशलम पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक मोसाद के एजेंट अब पूरी दुनिया में सक्रिय हैं और इजरायली जनता तथा यहूदियों की रक्षा कर रहे हैं। साइप्रस की घटना एक उदाहरण बस है, ऐसे कई मामले सामने आए हैं जब मोसाद ने पर्दे के पीछे रहकर हमास के हमले के बाद पूरी दुनिया में यहूदियों की जान बचाई है। मोसाद के डायरेक्टर डेविड बारनाई ने गत 10 सितंबर को दिए अपने एक भाषण में कहा था कि साल 2023 में मोसाद और अन्य खुफिया एजेंसियों ने ईरान की ओर से करवाए गए 27 आतंकी हमलों को विफल किया है। इस काम में मोसाद को विदेशी दोस्त देशों की खुफिया एजेंसियों से भी मदद मिली है। ये हमले दुनिया के हर महाद्वीप में विफल किए गए हैं।

टूटने वाला था होटल

साबुन से खिसकाकर 220 टन की ऐतिहासिक इमारत बचाई

ओटावा, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। कनाडा के नोवा स्कोटिया के हेलीफैक्स इलाके में स्थित एक ऐतिहासिक होटल को साबुन की मदद से खिसकाया गया है। दरअसल यह होटल तोड़ा जाना था लेकिन एक तरकीब से इस ऐतिहासिक होटल को ना सिर्फ टूटने से बचाया गया बल्कि उसे एक नई जगह भी शिफ्ट कर दिया गया है। खबर के अनुसार, एलमवुड होटल विक्टोरियन युग की इमारत है। साल 1826 में बनी इस इमारत को बाद में एलमवुड होटल में तब्दील कर दिया गया था। साल 2018 में इस होटल को तोड़े जाने का आदेश जारी किया गया। हालांकि एक रियल एस्टेट कंपनी गैलेक्सी प्रॉपर्टीज ने इसे खरीद लिया और इसे खरीदकर एक नई जगह शिफ्ट कराने की योजना बनाई। इसकी जिम्मेदारी एस रुश्टन कंस्ट्रक्शन कंपनी को दी गई। यह कंपनी इमारतों को एक जगह से दूसरी जगह शिफ्ट करने की विशेषज्ञ मानी जाती है। हालांकि 220 टन के होटल को शिफ्ट करना बेहद चुनौतीपूर्ण था।

ऐसे में एस रुश्टन कंपनी के मालिक शेलडन रुश्टन ने एक नई तरकीब निकाली। इस तरकीब में शेलडन ने इमारत को शिफ्ट करने के लिए पारंपरिक रोलर्स का इस्तेमाल करने के बजाय साबुनों का इस्तेमाल किया, जिससे इमारत आसानी से शिफ्ट हो गई। इस काम में शेलडन ने 700 से ज्यादा साबुन की टिक्कियों का इस्तेमाल किया। इमारत को 30 फीट तक खिसका दिया गया है और जल्द ही उसे नई जगह शिफ्ट कर दिया जाएगा।

प्रचंड का खुलासा-रूस की सेना में जाकर भर्ती हो गए 200 से ज्यादा नेपाली

6 की यूक्रेन में हो चुकी मौत

काठमांडू, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड ने कहा है कि उनके देश के 200 से ज्यादा जवान इस समय रूस की सेना में काम कर रहे हैं। ये यूक्रेन के साथ चल रहे युद्ध में भी लड़ रहे हैं। दहल ने सोमवार को काठमांडू में अपनी पार्टी सीपीएन के दफ्तर में कहा, सरकार को जानकारी मिली है कि 200 से ज्यादा नेपाली फिलहाल रूसी सेना में सेवारत हो सकते हैं। इनकी संख्या कुछ ज्यादा भी हो सकती है। सरकार रूसी सेना में सेवारत नेपाली नागरिकों की सही संख्या का पता लगाने के लिए जांच कर रही है।

प्रधानमंत्री दहल ने कहा कि हम रूसी सेना में सेवारत नेपाली नागरिकों की सटीक संख्या का पता लगाने के लिए काम कर रहे हैं। वहीं हमें ये जानकारी भी मिली है कि नेपाली नागरिक यूक्रेनी सेना में भी सेवारत हैं। यूक्रेन की सेना की ओर से भी नेपाल के कुछ जवान लड़ाई में शामिल हैं। यूक्रेन और रूस के बीच करीब 22 महीने से चल रहे युद्ध के बीच पिछले हफ्ते नेपाल सरकार ने खुलासा किया था कि यूक्रेनी सेना से लड़ते हुए कम से कम छह नेपाली नागरिक मारे जा चुके हैं। दहल ने कहा, हमारे पास जानकारी है कि जो लोग विजिट वीजा या छात्र वीजा पर रूस पहुंचे, वे रूसी सेना में शामिल हो गए। हम इसे देख रहे हैं और इसकी जांच कर रहे हैं। हमें आधिकारिक जानकारी मिली है कि कुछ नेपालियों को यूक्रेनी सेना ने बंधक बना लिया है। हम सभी जरूरी कदम उठा रहे हैं ताकि स्थिति का सही-सही पता चल सके। साथ ही सरकार उन लोगों के शवों को भी लाने की कोशिश कर रहे हैं, जो लड़ाई के दौरान मारे गए हैं। नेपाल का कानून अपने नागरिकों को नेपाल दो अन्य देशों की सेना में भर्ती इजाजत देता है। नेपाली नागरिक भारत और यूनाइटेड किंगडम की सेना में भर्ती हो सकते हैं। यूके और भारत के अलावा किसी विदेशी सेना में सेवा करने की अनुमति नेपाली नागरिकों को नहीं है। नेपाली युवाओं को कई अन्य देशों की सेनाओं में भर्ती होने की बात भी सामने आई है। नेपाली पीएम ने अब रूस-यूक्रेन युद्ध में अपने देश के युवाओं के शामिल होने की बात कही है।

यूएन के पूर्व महासचिव बान की मून

तीन राजनयिकों को 'दिवाली- पावर ऑफ वन' अवॉर्ड

न्यूयॉर्क, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव बान की मून और तीन राजनयिकों को दिवाली पावर ऑफ वन अवॉर्ड्स से नवाजा गया। ये सम्मान शांतिपूर्ण और सुरक्षित विश्व की खातिर काम करने के लिए हर साल दिया जाता है। कूटनीति के ऑस्कर के रूप में प्रतिष्ठित यह पुरस्कार संयुक्त राष्ट्र के पूर्व स्थायी प्रतिनिधियों या संयुक्त राष्ट्र सचिवालय के पूर्व उच्च-स्तरीय सदस्यों या जल्द सेवानिवृत्त होने वाले उच्च स्तरीय सदस्य को दिया जाता है। यह निस्वार्थ भाव से सभी के लिए शांतिपूर्ण और सुरक्षित दुनिया बनाने के प्रयासों के लिए दिया जाता है। इन अवॉर्ड की स्थापना दिवाली फाउंडेशन यूएसए ने 2017 में की थी। पूर्व संयुक्त राष्ट्र प्रमुख को दिवाली फाउंडेशन यूएसए द्वारा आयोजित 2023 दिवाली स्टैम्प - द पावर ऑफ वन अवार्ड समारोह में लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। वर्ष 2023 के लिए अन्य पुरस्कार विजेताओं में संयुक्त राष्ट्र में बोस्निया और हर्जेगोविना के पूर्व स्थायी प्रतिनिधि राजदूत मिरसादा कोलाकोविक, संयुक्त राष्ट्र में दक्षिण कोरिया के पूर्व स्थायी प्रतिनिधि राजदूत किम सूक और 72वें संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष और बेलग्रेड-प्रिस्टिना संवाद के लिए यूरोपीय संघ के विशेष प्रतिनिधि शामिल हैं। अपने संबोधन में संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव बान की मून ने बढ़ते अधेरें की दुनिया में महत्वपूर्ण प्रकाश को आगे बढ़ाने के लिए दिवाली फाउंडेशन यूएसए के काम और दूरदर्शी दृष्टिकोर्ण की सराहना की है। बान ने कहा कि आज की दुनिया इस तरह खंडित दिखती है जैसी पहले कभी नहीं थी। उन्होंने कोविड-19 महामारी, जलवायु संकट और क्षेत्रीय संघर्षों का हवाला दिया। बात दें बान की मून संयुक्त राष्ट्र के आठवें महासचिव थे, जिन्होंने जनवरी 2007 से दिसंबर 2016 तक दुनिया के शीर्ष राजनयिक के रूप में दो कार्यकाल तक सेवा दी।

लंदन के रेलवे स्टेशन पर बुली डॉग अटैक

महिला की मदद करने गए व्यक्ति पर किया हमला, सरकार 31 जनवरी से लगाने जा रही बैन

लंदन, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। लंदन के स्ट्रैटफोर्ड स्टेशन पर रविवार को एक्सएल बुली नस्ल के कुत्ते ने एक शख्स पर हमला कर दिया। इससे शख्स प्लेटफॉर्म पर गिर गया। कुत्ते का मालिक उसे कंट्रोल में करने की कोशिश कर रहा था, लेकिन वह नाकाम रहा। इसी बीच प्लेटफॉर्म पर ट्रेन आ गई और शख्स ने गाड़ी पर चढ़कर अपनी जान बचाई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा रहा है कि एक महिला दो कुत्तों को लेकर स्टेशन पर खड़ी है। वह कुत्तों को संभाल नहीं पा रही थी। इसी दौरान एक शख्स उसकी मदद के लिए आगे आया, जिस पर कुत्ते ने हमला कर दिया।

मां की मौत के बाद जहर बेचने लगा कनाडाई शेफ

40 देशों के 1200 लोगों को आत्महत्या के लिए उकसाया, सेकेंड डिग्री मर्डर के आरोप

ओटावा, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। कनाडा के एक शेफ पर 40 देश के लोगों को सुसाइड किट बेचने के आरोप लगे हैं। सोमवार को उस पर मामले में 14 नए चार्ज लगाए गए। एएफपी के मुताबिक, इनमें आत्महत्या के लिए उकसाने और सेकेंड डिग्री मर्डर जैसे आरोप शामिल हैं। उस पर पहले से ही 12 चार्ज लगे हुए हैं। केनेथ लॉ को पुलिस ने इस साल मई में गिरफ्तार किया था। कनाडा के पॉइजन शेफ के नाम से मशहूर हुए केनेथ लॉ पर अगस्त में 12 नए चार्ज लगाए गए थे। पुलिस की जांच में सामने आया कि केनेथ ने केमिकल पदार्थ वाले करीब 1200 पैकेज बेचे हैं।

ब्रिटेन की नेशनल क्राइम एजेंसी ने छानबीन के बाद बताया कि उन्होंने ऐसे करीब 272 लोगों की पहचान की है, जिन्होंने पिछले 2 सालों में केनेथ का पैकेज खरीदा था। इनमें से करीब 88 लोगों की मौत हो चुकी है।

इसके अलावा न्यूजीलैंड के कोरोनर कोर्ट ने बताया कि उन्हें भी केनेथ से जुड़े मौत से जुड़े ऐसे कई मामलों की लिस्ट मिली है। वहीं अमेरिका, इटली और ऑस्ट्रेलिया में भी इन पैकेज को खरीदने वालों के नाम सामने आए हैं।

अप्रैल 2022 में मिला था पहला केस

इस मामले की शुरुआत अप्रैल 2022 में होती है, जब ब्रिटेन में एक महिला आत्महत्या कर लेती है। मामले की जांच के दौरान अक्टूबर में कनाडा के मिसिसॉगा का एक पोस्ट बॉक्स और एक कनाडाई शख्स की वेबसाइट शक के दायरे में आई। इसके बाद इस साल मार्च में कनाडा के ब्रैम्पटन में एक व्यक्ति की किसी केमिकल पदार्थ को खाने के बाद मौत हो जाती है। पुलिस मामले की जांच शुरू करती है। एक महीने के अंदर पुलिस केनेथ लॉ नाम के एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लेती है। 57 साल का केनेथ पेशे से एक शेफ है। उस समय, लॉ पर लोगों को आत्महत्या की सलाह देने और उसमें मदद करने के आरोप लगे। चार्जशीट के मुताबिक, लॉ ऐसे लोगों को एक केमिकल पदार्थ देता था जो आत्महत्या करना चाहते थे।

डेली मेल के मुताबिक, केनेथ लॉ जांच के दायरे में तब आया जब उसने ब्रिटिश अखबार द टाइम्स के एक अंडरकवर रिपोर्टर को अपने काम के बारे में बताया। उसने रिपोर्टर से कहा- पिछले 2 साल में मेरे कई ग्राहकों की मौत की मौत हो चुकी है। मैंने ये पैकेज दर्जनों देशों के सैकड़ों लोगों तक पहुंचाया है। अपने काम के बारे में खुशी से बात करते हुए केनेथ ने अंडरकवर रिपोर्टर से कहा- कुछ ग्राहक मुझसे कहते हैं कि मैं बहुत ही पुण्य काम कर रहा हूं। मैंने ये तब शुरू किया जब मेरी मां की स्ट्रोक से मौत हो गई थी। हमारी सोच अभी इतनी आधुनिक नहीं हुई है कि हम खुले तौर पर मौत को स्वीकार कर सकें। जांच शुरू होने के बाद से केनेथ की वेबसाइट बंद हो चुकी है।

5 कंपनियों के जरिए बेचा जहर

इसके बाद पुलिस को कनाडा में ऐसे 2 मामले मिले जहां लोगों ने केनेथ लॉ की एक वेबसाइट से जहरीला पदार्थ खरीदकर खाया और उनकी मौत हो गई। मई में ओंटारियो की पुलिस ने अलर्ट जारी कर 5 कंपनियों के नाम रिलीज किए।

अलर्ट में कहा गया कि इन 5 कंपनियों से किसी भी पैकज को न खरीदा जाए। इस बीच पुलिस ने बताया कि ब्रिटेन में आत्महत्या करने वाली महिला ने भी इनमें से एक वेबसाइट से पैकेज खरीदा था। केमिकल पदार्थ की जांच में पाया गया कि वो सोडियम नाइट्राइट था।

राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार भारतवंशी रामास्वामी को मिली जान से मारने की धमकी

वॉशिंगटन, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी को जान से मारने की धमकी देने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान 30 वर्षीय टायलर एंडरसन के तौर पर की गई है। यूएस के न्याय विभाग के अनुसार आगामी कार्यक्रम के लिए एंडरसन ने दो हैरान करने वाला संदेश जारी किया था। अपने पहले संदेश में आरोपी ने कहा, 'बढ़िया, मेरे लिए उम्मीदवार के दिमाग को उड़ाने का अच्छा मौका है।' अपने दूसरे संदेश में उसने कहा, 'मैं इसमें शामिल होने वाले सभी लोगों को मार डालूंगा।' रामास्वामी की टीम ने इस धमकी पर प्रतिक्रिया देते हुए पुलिस को इसकी जानकारी दी।

एंडरसन की गिरफ्तारी के बाद रामास्वामी ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'मैं उस टीम का आभारी हूं, जो हमारे आसपास है। मुझे सुरक्षित रखने के लिए वह अपना काम कर रहे हैं।'

इजराइल ने 142 फिलिस्तीनी महिलाओं-लड़कियों को हिरासत में लिया

दावा- घरों से निकालकर अनजान जगह ले गए, लाल सागर में क्रूज मिसाइलों से हमला

तेल अवीव, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। गाजा में इजराइल की डिफेंस फोर्सेस ने 142 महिलाओं और लड़कियों को हिरासत में लिया है। ब्रिटेन के मीडिया हाउस मिडिल ईस्ट आई ने दावा किया है कि इजराइली सैनिक महिलाओं और लड़कियों को घरों से निकालकर किसी अनजान जगह पर ले गए हैं।

उन पर क्या आरोप हैं, इस बात की भी कोई जानकारी नहीं दी गई है। हिरासत में ली गई कई औरतें छोटे-छोटे बच्चों की माएं भी हैं। फिलिस्तीनी अथॉरिटी के मुताबिक इन महिलाओं को टॉर्चर किया जा रहा है। कुछ लोगों को सेफ कॉरिडोर से गाजा छोड़ते वक्त हिरासत में लिया गया था। महिलाओं को इजराइली सैनिकों ने गाजा में बने चेकपॉइंट पर पूछताछ के लिए रोका फिर बिना कोई वजह बताए उन्हें पकड़ लिया गया। इंशिरा अल शेख नाम की एक महिला ने मिडिल ईस्ट आई को बताया कि उसकी 19 साल की एक बहन को इजराइल सेना पकड़ ले गई। जिस वक्त उसे पकड़ा गया वो अपनी मां और इजराइली बमबारी में घायल भाई-बहनों के साथ थी।

शुरुआत में उसे लगा कि उसके डॉक्यूमेंट्स में किसी तरह की परेशानी होने के कारण उसे पकड़ा गया है और उसे छोड़ दिया जाएगा। हालांकि, वो अब तक घर नहीं लौटी है।

वहीं, अमेरिका ने जानकारी दी है कि यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में एक टैंकर पर क्रूज मिसाइल से हमला कर दिया। कतरी मीडिया हाउस के मुताबिक टैंकर नॉर्वे का था। अटैक के तुरंत बाद इसमें आग लग गई। हालांकि, टैंकर में मौजूद सभी लोग सुरक्षित हैं। आग बुझाने के बाद टैंकर किसी सुरक्षित बंदरगाह तक बढ़ चुका है।

इजराइली सेना ने दावा किया है कि वो नॉर्थ गाजा में हमास को मिटाने के बेहद करीब हैं। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने कहा- जबालिया और शेजाइया इलाकों में हमास की बटालियन का सफाया होने वाला है। हमने उन्हें चारों तरफ से घेर लिया है। पिछले कुछ दिनों में सैकड़ों हमास लड़ाकों ने सरेंडर किया है।

इजराइली सेना ने बताया कि पिछले एक महीने में 500 हमास लड़ाकों को गिरफ्तार किया गया है। 1 दिसंबर को सीजफायर खत्म होने के बाद से अब तक 140 लड़ाके पकड़े गए हैं। सेना ने बताया कि हमास के ये लड़ाके स्कूलों, शेल्टर होम और दूसरी बिल्डिंग में छिपे हुए थे। सेना ने जिन लोगों को गिरफ्तार किया है, उनमें 350 हमास लड़ाके और करीब 120 फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद के आतंकी हैं।

हमास की कैद में बंद अमेरिकी नागरिकों के परिजन नाराज

सामने आई वजह

वॉशिंगटन, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। बीती 7 अक्तूबर को हमास द्वारा बंधक बनाए गए अमेरिकी नागरिकों के परिजन इन दिनों थोड़े नाराज बताए जा रहे हैं। दरअसल उनकी शिकायत है कि बंधकों को छुड़ाने की प्रक्रिया बहुत धीमी गति से चल रही है। साथ ही सोमवार को व्हाइट हाउस में यहूदियों के त्योहार हनुक्का का आयोजन किया गया, इस दौरान कई बंधकों के परिजनों को आमंत्रित ही नहीं किया गया।

बंधकों के परिजनों की नाराजगी की ये है वजह

अमेरिका की रूबी चेन का बेटा इटे 7 अक्तूबर से इस्राइल से लापता है। उन्होंने बताया कि कई बंधकों के परिजनों को हनुक्का फेस्टिवल के लिए व्हाइट हाउस में आमंत्रित ही नहीं किया गया, जबकि उनमें से कई वॉशिंगटन डीसी में ही मौजूद हैं। वहीं व्हाइट हाउस ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रथम महिला जिल बाइडन ने व्हाइट हाउस में हनुक्का फेस्टिवल का आयोजन किया। इस दौरान 800 के करीब मेहमानों को बुलाया गया। इनमें होलोकास्ट सर्वाइवर, सांसद और यहूदी समुदाय के कई नेता शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति बाइडन ने बताया कि उनकी सरकार बंधकों की रिहाई के लिए हरसंभव कोशिश कर रही है। साथ ही गाजा में मानवीय मदद भी पहुंचाई जा रही है।

बाइडन बोले- बंधकों की रिहाई बेहद मुश्किल काम

बाइडन ने कहा कि 'उन्होंने 20 घंटे से ज्यादा समय इजरायली, कतर और मिस्त्र के समकक्षों के साथ बातचीत में बिताया है। इस दौरान कई मुद्दों पर बात हुई लेकिन यह बेहद मुश्किल स्थिति है। बाइडन ने बताया कि 100 से ज्यादा बंधकों को रिहा करा लिया गया है लेकिन हम तब तक नहीं रुकेंगे जब तक प्रत्येक बंधक को रिहा नहीं कर दिया जाता।' बता दें कि अमेरिका के सात पुरुष और एक महिला नागरिक हमास के इजरायल पर हमले के बाद से लापता हैं। तीन अमेरिकी महिलाओं और एक चार साल की बच्ची ही बीते दिनों रिहा करा लिया गया।

'हमास से अलग से बात करे अमेरिकी सरकार'

बाइडन सरकार भी बंधकों के परिजनों के संपर्क में है और कई बार उनकी मुलाकात राष्ट्रपति बाइडन, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और अमेरिका के एनएसए जैक सुलिवन के साथ हो चुकी है। कई बंधकों के परिजनों का मानना है कि रिहाई में हो रही देरी से उनकी परेशानी बढ़ती जा रही है। कुछ ने सुझाव दिया है कि व्हाइट हाउस को हमास के साथ अलग से बातचीत करनी चाहिए, जिसमें सिर्फ अमेरिकी बंधकों को रिहा करने की मांग की जाए। उनका मानना है कि इस्राइल की सरकार बातचीत की बहुत ज्यादा इच्छुक नहीं है।

भारत का पड़ोसी बना दुनिया का सबसे बड़ा अफीम उत्पादक

रंगून, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत का पड़ोसी देश म्यांमार इन दिनों भीषण गृहयुद्ध से जूझ रहा है। आलम यह है कि देश के सेना समर्थक राष्ट्रपति ने चेतावनी दी है कि म्यांमार के टुकड़े-टुकड़े हो सकते हैं। म्यांमार की सेना और वद्रिोहियों की यह लड़ाई अब भारतीय सीमा पर हो रही है जिससे पूर्वोत्तर भारत में भी टेंशन बढ़ गई है। इस बीच संयुक्त राष्ट्र ने खुलासा किया है कि म्यांमार ने दुनिया के सबसे बड़े अफीम उत्पादक देश होने के मामले में अफगानिस्तान को पीछे छोड़ दिया है। म्यांमार में साल 2022-23 में 1080 मीट्रिक टन अफीम का उत्पादन हुआ। म्यांमार में एक तरफ अफीम का उत्पादन बढ़ा है, वहीं दूसरी ओर तालिबान के राज में अफगानिस्तान में अफीम के उत्पादन पर बहुत कड़ाई से रोक लगाई गई है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक इसी वजह से म्यांमार दुनिया का सबसे बड़ा अफीम उत्पादक देश बन गया है। अफीम से सबसे ज्यादा हेरोइन ड्रग्स का निर्माण किया जाता है। वहीं तालिबान की कड़ाई के बाद अफगानिस्तान में अफीम का उत्पादन काफी कम हो गया है और यह 95 फीसदी तक गिर गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अफगानिस्तान में अफीम का उत्पादन इस साल करीब 330 टन ही रहा। म्यांमार, लाओस और थाइलैंड की सीमा के इलाके को 'गोल्डेन ट्रैंगल' कहा जाता है। इस पूरे इलाके को लंबे समय से ड्रग्स के अवैध उत्पादन और तस्करी के लिए जाना जाता है। इसमें भी खासकर मेथामफेटामाइन और अफीम शामिल है। म्यांमार के इस अफीम बिजनस का कुल कारोबार 1 अरब डॉलर से बढ़कर अब 2.4 अरब डॉलर तक पहुंच गया है जो देश की कुल जीडीपी का 1.7 से लेकर 4.1 प्रतिशत तक है। पिछले साल म्यांमार में 790 मीट्रिक टन अफीम का उत्पादन हुआ था।

म्यांमार में साल 2021 में सेना के सत्ता पर कब्जा करने के बाद देश की अर्थव्यवस्था संघर्ष और अस्थिरता से जूझ रही है।

शोरूम पर फायरिंग करने वाला गिरफ्तार

मोहाली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। कनाडा में पंजाबी सिंगर मनकीरत औलख के दोस्त के शोरूम पर फायरिंग करने वाला एक आरोपी गिरफ्तार हो गया है। आरोपी तनमनजोत सिंह गिल है। जिसकी उम्र 23 साल है। उसने कारोबारी एंडी डुग्गा के ब्रैंपटन स्थित मिलेनियम टायर शोरूम में फायरिंग की थी। यहां फायरिंग करने वाले दोनों ही युवक पंजाबी मूल के थे। हालांकि अभी यह सामने नहीं आया है कि फायरिंग करने वाला युवक किस गैंग से जुड़ा है। दूसरा आरोपी अभी फरार है। एंडी दुग्गा का पूरा नाम इंद्रजीत दुग्गा है। वह कनाडा में पंजाबी सिख मिलेनियर हैं। वह मूल रूप से पंजाब के फगवाड़ा के गांव रामपुरा सुनरा के रहने वाले हैं। 1989 में वह पंजाब से कनाडा गए थे। उन्होंने न्यू मिलेनियम टायर सेंटर खोला था। जिसके बाद उनकी मनकीरत औलख के साथ दोस्ती हो गई। मनकीरत ने कई गानों में उनके नाम का जिक्र भी किया है। इसके अलावा वह पंजाबी फिल्म और म्यूजिक इंडस्ट्री के साथ भी जुड़े हुए हैं। इसके अलावा कनाडा में कबड्डी टूर्नामेंट करवाने में भी वह काफी आगे रहते हैं।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद से ही एंडी दुग्गा बंबीहा गैंग के निशाने पर हैं।

इजरायल की तरफ जा रहे वाणिज्यिक टैंकर पर यमन से क्रूज मिसाइल का हमला

यरुशलम, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। हूती नियंत्रित यमन की तरफ से लॉन्च की गई एक क्रूज मिसाइल ने सोमवार को वाणिज्यिक टैंकर पर हमला किया, जिससे उसमें आग लग गई। हालांकि, इस हादसे में किसी के हताहत होने की कोई जानकारी नहीं दी गई है। दो अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि यह हमला टैंकर एसटीआरआईएमडीए पर बाब-अल मंडब जलडमरूमध्य से लगभग 60 समुद्री मील (111किमी) पर हुआ। अधिकारियों ने बताया कि अमेरिकी नौसेना विध्वंसक यूएसएस मेसन इस हमले के दौरान वहां मौजूद था, उसने हस्तक्षेप किया। सात अक्तूबर को शुरू हुए इजरायल हमास युद्ध अब पूरे मिडिलईस्ट में फैल गया है। ईरान गठबंधन वाले हूती भी इस संघर्ष में शामिल हो गए हैं। ये लगातार शिपिंग लेन पर हमले करने के साथ इजरायल पर रॉकेट दाग रहे हैं। शनिवार को हूती ने कहा कि वह राष्ट्रीयता की परवाह किए बिना इजरायल की तरफ जाने वाले सभी जहाजों को निशाना बनाएंगे। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि एसटीआरआईएमडीए का इजरायल के साथ कोई संबंध था या नहीं। यमन के आधे से ज्यादा इलाकों में नियंत्रण करने वाले इस संगठन ने बताया, यह हमला फिलीस्तीन के समर्थन में किया गया है। यह तब तक जारी रहेगा, जबतक इजरायल गाजा पट्टी में हमले करना बंद नहीं कर देता।

दिसंबर के पहले ही सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में तीन कमर्शियल शिप पर हमला किया गया है। इस दौरान अमेरिकी नौसेना के विध्वंशक को हस्तक्षेप करना पड़ा।

हालांकि, अमेरिका और ब्रिटेन ने इस हमले की निंदा की है। साथ ही उन्होंने इस हमले के लिए हूती का समर्थन करने वाले ईरान को दोषी ठहराया है। इस दौरान सऊदी अरब ने अमेरिका से इन हमलों के पलटवार में नियंत्रण दिखाने को कहा।

सामने आया तीन हजार करोड़ का घोटाला

एनपीएस के बाद जीपीएफ सेटलमेंट फंड भी लगा दिया ठिकाने

जयपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। जीपीएफ सेटलमेंट फंड में जमा कर्मचारियों के तीन हजार करोड़ रुपये वित्त विभाग के अफसरों ने रेवेन्यू सरप्लस दिखाने में खर्च कर दिए। वित्त विभाग ने इस राशि को कर्मचारी कल्याण कोष के नाम पर लिया, लेकिन वहां जमा ही नहीं करवाया।

जहां हाथ डालो वहीं घोटाला...जाने क्या दिख जाए वाले राजस्थान के लिए अब यह नया स्लोगन बनता नजर आ रहा है। वित्त विभाग के आला अफसरों ने प्रदेश को कहीं का नहीं छोड़ा। एनपीएस के एक हजार करोड़ को गोलमाल कर चुके वित्त विभाग के अफसरों ने कर्मचारी कल्याण कोष पर भी डाका डाल दिया।

जीपीएफ सेटलमेंट फंड में जमा तीन हजार करोड़ रुपये की जो राशि कर्मचारी कल्याण कोष में जमा करवानी थी, उसे रेवेन्यू घाटे को कम करने में लगा दिया। सीएजी की ओर से राज्य सरकार को ऐसा करने से मना भी किया गया, लेकिन अफसर हर साल नया झूठ गढ़ कर पैसा ठिकाने लगा गए।

बजट में तीन हजार करोड़ के कल्याण कोष की घोषणा हुई

पिछली गहलोत सरकार में वित्त वर्ष 2020-21 में तीन हजार करोड़ रुपये के कर्मचारी कल्याण कोष की घोषणा की गई थी। इस घोषणा की क्रियान्विति के लिए 10 जून 2021 व 14 जून 2021 को प्रमुख वित्त सचिव अखिल अरोड़ा की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह तय किया गया कि जीपीएफ के खातों में जो अनक्लेम्ड पैसा है। खाता धारकों के क्लेम मांगे जाने तक कर्मचारी कल्याण कोष में रखा जाएगा। जबकि यह राशि कर्मचारी कल्याण कोष में जमा करवाने की जगह वित्त विभाग ने राजस्व घाटे की पूर्ति में खर्च दिया। सीएजी ने इसे लेकर कई

बार राज्य सरकार को पत्र भी लिखा। अक्तूबर 2023 तक की स्थिति में कर्मचारी कल्याण कोष में एक रुपया भी जमा नहीं हुआ था।

ऐसे माना था मिसलेनियस फंड

इसमें एक अप्रैल 2020 की स्थिति में जीपीएफ खातों में कुल तीन लाख 91 हजार कर्मचारियों के 34,262 करोड़ रुपये जमा थे। जबकि इसी अवधि में एसआईपीएफ पोर्टल पर राशि 31 हजार 279 करोड़ थी। यानी रिकंसिलिएशन में 2984 करोड़ रुपये का फर्क था, जिसे सरकार ने अनक्लेम्ड बता दिया। जबकि कई बार कटौती होने के बाद कर्मचारियों के एकाउंट में इसकी एंट्री नहीं होती। कर्मचारियों के सेवा काल में जीपीएफ पर लोन लेने या उनकी सेवानिवृत्ति के समय उनके खातों की जांच कर राशि समायोजित की जाती है

नियम ये: पैसा पब्लिक अकाउंट में रखा जाता

वित्त (मार्गेपाय) विभाग के अफसरों ने इसे अनक्लेम्ड बताते हुए पहले रेवेन्यू घाटे को कम करने में काम लिया। फिर फ्री स्कीमों को चलाने में। नियमानुसार यह पैसा यदि अनक्लेम्ड माना भी जाए तो भी इसे पहले पब्लिक अकाउंट में डिपोजिट किया जाना चाहिए था और कुछ समय अवधि तक इसे इसी खाते में सुरक्षित रखा जाना चाहिए था। इसके बाद ही यह रकम अनक्लेम्ड मानी जाती। सीएजी के पास जब इसकी जानकारी आई तो इस पर आपत्ति जताते हुए वित्त विभाग को दो बार पत्र भी लिखे। सीएजी ने इसी साल विधानसभा में टेबल की गई अपनी रिपोर्ट में इसका जिक्र भी किया।

कर्मचारियों की कटौती का पैसा है ये

दरअसल, सरकार कर्मचारियों के खाते से हर महीने जीपीएफ की कटौती करती है। लेकिन कई बार कटौती होने के बाद कर्मचारियों के एकाउंट में इसकी एंट्री नहीं होती। कर्मचारियों के सेवा काल में जीपीएफ पर लोन लेने या उनकी सेवानिवृत्ति के समय उनके खातों की जांच कर राशि समायोजित की जाती है और इन कटौतियों की एंट्री कर कर्मचारी को वापस खातों में लौटाई जाती है। इसके अलावा कई बार जीपीएफ विड्रा को लेकर न्यायिक विवाद भी होते हैं, जिसके चलते खाते से रकम नहीं निकाली जा पाती। लेकिन विवाद खत्म होने के बाद उन्हें इसी खाते से रकम लौटानी होती है। जब सरकार इस पैसे का इस्तेमाल अपने काम में कर लेगी तो कर्मचारियों को पैसा कैसे लौटाया जाएगा। अब देखने वाली बात यह होगी की भविष्य में ऐसे समायोजन व न्यायिक प्रकरणों में राशि किस फंड से लौटाई जाएगी। ऐसे में यह सरकार पर कर्ज के अलावा बड़ा बोझ होगा।

करणपुर विधानसभा सीट पर 5 को मतदान

जिले में आदर्श आचार संहिता लागू

श्रीगंगानगर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर जिले की करणपुर सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी की मृत्यु के कारण स्थगित हुए चुनावों के लिए मतदान की तिथि 5 जनवरी निर्धारित की गई है। भारत निर्वाचन आयोग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी की है।

राज्य के श्रीगंगानगर जिले की करणपुर विधानसभा सीट पर स्थगित हुए चुनावों के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने 5 जनवरी की तिथि निर्धारित की है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण गुप्ता ने इस संबंध में आधिकारिक सूचना जारी कर दी है।

ज्ञात रहे कि करणपुर विधानसभा सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी गुरमीत सिंह की मृत्यु के कारण यहां चुनाव प्रक्रिया स्थगित कर दी गई थी। अधिसूचना जारी होने के साथ ही नामांकन पत्र जमा करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि करणपुर सीट पर चुनाव की तिथि घोषित होने के साथ ही कांग्रेस प्रत्याशी 19 दिसंबर तक अपना नामांकन भर सकेंगे। 22 दिसंबर नामांकन पत्र वापस लेने की अंतिम तिथि होगी। चुनाव के मद्देनजर पूरे जिले में आदर्श आचार संहिता लागू कर दी गई है।

करणपुर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी के अलावा 11 अन्य उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे। ज्ञात रहे कि क्षेत्र के करीब 2 लाख 40 हजार मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे। जिसकी मतगणना 8 जनवरी को होगी।

जयपुर में दोहराया गया गोगामेड़ी हत्याकांड

दोनों शूटर्स को लेकर उसी कमरे में पहुंची पुलिस, पूछा- किस व्यक्ति पर कितने फायर किए

जयपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। श्री राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के मामले में जयपुर पुलिस लगातार जांच में जुटी है। मंगलवार को पुलिस ने मौके पर सीन रीक्रिएट किया। इसमें दोनों आरोपियों को उसी जगह बैठाया गया, जहां वे हत्या के वक्त बैठे थे। इसके बाद पूरा घटनाक्रम दोहराया गया। पूछा किस व्यक्ति को कितनी गोली मारी। वहीं, NIA की दिल्ली और जयपुर टीमें भी इस केस की जांच करेंगी। आज शाम को जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ अब तक की जांच रिपोर्ट को एनआईए के अधिकारियों को देंगे।

जयपुर पुलिस के सीनियर ऑफिसर की टीम मंगलवार दिन में हत्याकांड से जुड़े मुख्य आरोपियों को लेकर गोगामेड़ी के आवास पर पहुंची। इसमें नितिन फौजी और रोहित राठौड़ को हाई सिक्योरिटी में मौके पर लाया गया। घटना के वक्त दोनों जिस सोफे पर बैठे थे। दोनों को उसी जगह बैठाया गया। दोनों के सामने

सुखदेव सिंह गोगामेड़ी और नवीन सिंह शेखावत के डमी बैठाए गए। फिर घटना अनुसार तय वक्त पर पूरा घटनाक्रम दोहराया गया। इस दौरान सभी को बीच क्या बात हुई, इसके बारे में भी अफसरों ने पूछताछ की।

सीन रीक्रिएशन के दौरान पुलिस ने पूछा कि सबसे पहले किस पर फायर किया। उसके बाद दूसरी तरफ से किसने फायर किया। गोगामेड़ी पर कितने राउंड चलाए गए। नवीन पर कितने राउंड चलाए। कमरे से बाहर आकर कितनी गोलियां चलाई। पुलिस हर बात की बारीकी से जांच कर रही है।

एक महिला समेत 5 बदमाश गिरफ्तार

इस पूरे मामले में पुलिस अब तक एक महिला सहित 5 बदमाशों को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस की गिरफ्त में आई महिला को अब से कुछ देर में कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा।

बता दें कि गोगामेड़ी के मर्डर के लिए पहले रोहित राठौर और नितिन फौजी नहीं, बल्कि लॉरेंस गैंग के 3 शूटर को चुना गया था। इससे पहले ये वारदात को अंजाम देते उन पर पुलिस पर फायरिंग का इल्जाम लगा। महेंद्रगढ़ पुलिस ने इन्हें गिरफ्तार कर गुड़गांव की भोंडसी जेल में भेज दिया। ये शूटर भवानी सिंह उर्फ रोनी, राहुल और सुमित थे। इन्हीं के साथ उस दिन आर्मी से छुट्टी पर आए नितिन फौजी का भी नाम आया था। नितिन फौजी फरार हो गया था। इस दौरान जेल में बंद अपने दोस्त भवानी सिंह के संपर्क में रहा।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक भोंडसी जेल में बैठकर भवानी सिंह ने फिर से गोगामेड़ी हत्याकांड की साजिश रची। फरारी काट रहे नितिन फौजी का गैंगस्टर रोहित गोदारा और वीरेंद्र से संपर्क कराया। दोनों गैंगस्टर ने नितिन फौजी को झांसा दिया कि वह उसे फर्जी पासपोर्ट के जरिए कनाडा भेज देंगे। उसे बस जयपुर में एक हत्या करनी है।

5 दिसंबर को दोपहर करीब 1:03 बजे 2 बदमाशों ने गोगामेड़ी पर गोलियां चलाईं, फिर भाग निकले थे। गोगामेड़ी को मेट्रो मास हॉस्पिटल ले जाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था। गोगामेड़ी के साथ घटना के दौरान मौजूद गार्ड अजीत सिंह गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए थे। बदमाशों की फायरिंग में नवीन शेखावत की भी मौत हो गई थी। नवीन ही बदमाशों को गोगामेड़ी के घर ले गया था।

गोगामेड़ी कौन थे

सुखदेव सिंह गोगामेड़ी राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। इससे पहले लंबे समय तक राष्ट्रीय करणी सेना से जुड़े रहे थे। विवाद के बाद राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के नाम से अलग संगठन बना लिया था।

साल 2006 में सबसे पहले करणी सेना बनी थी। बाद में लोकेंद्र सिंह कालवी ने अलग संगठन राजपूत करणी सेना बनाया था। साल 2012 में सुखदेव सिंह गोगामेड़ी को श्री राजपूत करणी सेना का प्रदेशाध्यक्ष बनाया गया था, लेकिन बाद में कालवी और गोगामेड़ी में विवाद हो गया था। सुखदेव सिंह गोगामेड़ी ने 2017 में राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के नाम से अलग संगठन बना लिया था। श्री राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना है। वहीं सुखदेव सिंह राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना नाम का संगठन संभाल रहे थे।

कोचिंग स्टूडेंट को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा, मौत

लोहे के सरिए-चेन से हमला किया

पुलिस ने कहा- इंटरनल ब्लीडिंग के चलते दम तोड़ा

कोटा, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। कोटा में एक जेईई की तैयारी कर रहे स्टूडेंट की सरिए से हमला कर हत्या कर दी गई। सरेआम हुई मारपीट से इलाके में सनसनी मच गई। बदमाशों ने उसे दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। जब उन्हें लगा कि भीड़ जुटने लगी है तो वे उसे घायल हालत में छोड़ कर भाग गए।

घटना के बाद स्टूडेंट के 2 दोस्तों ने उसे घर पहुंचाया जहां रात साढ़े 10 बजे उसकी तबीयत बिगड़ गई। उसे अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान इंटरनल ब्लीडिंग होने के कारण उसने दम तोड़ दिया। घटना कोटा के इंद्र विहार, जवाहर नगर थाने की है।

इंटरनल ब्लीडिंग से मौत हुई

कोटा डीएसपी भवानी सिंह ने बताया कि कोचिंग स्टूडेंट सत्यवीर (17) यूपी के गोरखपुर का रहने वाला था और कोटा में रहकर 2 साल से JEE की तैयारी कर रहा था। वह इंद्र विहार इलाके में अपनी मां के साथ रह रहा था। साथ पंजाबी मैस के पास एक थड़ी पर चाय पी रहा था। इस दौरान दर्जनभर बदमाश वहां आए और सत्यवीर पर सरिए से हमला कर दिया।

सत्यवीर के दोस्तों ने उसे घर पहुंचाया और उसकी तबीयत बिगड़ी तो उसे हॉस्पिटल पहुंचाया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सत्यवीर के सिर और मुंह पर चोटें आई थी इसके कारण इंटरनल ब्लीडिंग के चलते उसकी मौत हुई है। फिलहाल झगड़े के कारण सामने नहीं आए हैं। शव को न्यू मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में शिफ्ट करवाया है। 10 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। पिता को सूचना दी गई है और उनके आते ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रत्यक्षदर्शी गजेंद्र यहां किराने की दुकान चलाते हैं। उन्होंने बताया कि घटना के वक्त उनकी बहन और वो दुकान पर थे। इस दौरान 9 से 10 युवक मुंह पर कपड़ा बांधे एक युवक के पीछे भाग रहे थे। वह मेरी ही दुकान के सामने आकर गिरा। पीटने आए युवकों के हाथ में लोहे के सरिए और चेन थी। जिससे वह मृतक (सत्यवीर) को पीट रहे थे।

वसुंधरा को मुख्यमंत्री बनाने के लिए टीचर का मौन वृत

टोंक, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में इन दिनों राजनैतिक माहौल चरम पर है। अपने पसंदीदा नेता को मुख्यमंत्री बनाने के लिए कार्यकर्ताओं में दीवानगी सिर चढ़कर बोल रही है। कोई मंदिर में पूजा कर रहा तो कोई मौन वृत्त ले रखा है। ऐसी ही दीवानगी पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को तीसरी बार मुख्यमंत्री बनाने के लिए टोंक में एक रिटायर्ड महिला टीचर नीलिमा सिंह आमेरा में देखी गई है। यह भाजपा कार्यकर्ता वसुंधरा राजे की जोरदार फेन है और 12 दिन से मौन वृत कर भगवान की भक्ति में लीन है। वह अपनी दैनिक दिनचर्या से निवृत होकर घर में बने भगवान के छोटे से मंदिर के आगे मौन धारण कर बैठी रहती है। उसने अपने पास की दीवार पर एक दो तख्तियां टांग रखी है। उनमें लिखे शब्द वसुंधरा राजे को फिर से मुख्यमंत्री बनाने के लिए है।

रिश्वत मामले में 18 दिनों से फरार थानेदार-हैड कांस्टेबल

अब तक क्यों नहीं पकड़ सकी एसीबी और पुलिस की टीम?

4.50 लाख रुपए की रिश्वत मामले में फरार हैं आरोपी

उदयपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। जिस पुलिस की अपराधियों को पकड़ने की ड्यूटी और जिम्मेदारी है। उसी महकमे के थानेदार और हैड कांस्टेबल को पकड़ने के लिए एसीबी और पुलिस की टीम बीते 18 दिनों से लगातार तलाश में जुटी हुई है। एसीबी के लिए इन दोनों ही आरोपियों को पकड़ना बेहद चुनौतिपूर्ण साबित हो रहा है। एसीबी और पुलिस ने अभी तक दोनों आरोपियों को पकड़ने के लिए क्या प्रयास किए और इनकी जांच आखिर कहां तक पहुंची। इस बारे में आला अधिकारी चुप्पी साधे हुए हैं। इस बारे में कोई

खुलकर कुछ बताने को तैयार नहीं।

4.50 लाख रुपए की रिश्वत के मामले में फतहनगर थानाधिकारी सुरेश मीणा और डबोक थाने के हैड कांस्टेबल महावीर प्रसाद फरार चल रहे हैं। एसीबी की टीम को अभी तक इनका कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लगा है। जानकारी अनुसार इस मामले में एसीबी की टीम ने पुलिस का भी सहयोग लिया है लेकिन बड़ा सवाल ये उठ रहा है कि शातिर अपराधियों को पकड़ने वाली पुलिस अभी तक अपने ही विभाग के कर्मचारियों को क्यों नहीं ढूंढ पाई।

जानकारी अनुसार रिश्वत का यह मामला विधानसभा चुनाव के मतदान से ठीक एक दिन पहले 24 नवंबर का है। जब फतहनगर थानाधिकारी सुरेशचंद मीणा मावली में चुनाव ड्यूटी में थे। ढील पक्की होने के बाद जब परिवादी 4.50 लाख रुपए रिश्वत लेकर फतहनगर पहुंचा। तब थानाधिकारी ने खुद के चुनाव में व्यस्त होने की बात कहकर अपने बेटे सौरभ को पैसे लेने भेज दिया था। बेटे सौरभ को इस पूरे मामले के बारे में खबर नहीं थी।

कारोबारी बोला- लॉरेंस गैंग के नाम से मांगे 10 लाख

पुलिस का जवाब- स्थानीय युवक की करतूत; 40 दिन बाद भी पकड़ से दूर

बयाना, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। भरतपुर के बयाना में 20 अक्टूबर की रात मिठाई कारोबारी की दुकान के शटर के नीचे से 10 लाख रंगदारी की चिट्ठी रखी गई, इसके दूसरे दिन 21 अक्टूबर को कारोबारी को फोन कर कहा गया कि हमारी चिट्ठी मिल गई होगी, हम हरियाणा से लॉरेन्स गैंग के मेंबर बोल रहे हैं, 10 लाख नहीं दिए तो रिजल्ट देख लेना।

पीड़ित कारोबारी राजकुमार गोयल की दुकान बयाना के छोटे बाजार में है। उसने उसी दिन बयाना थाने में धमकी का मामला दर्ज कराया, लेकिन अभी तक इस मामले में आरोपी पकड़ा नहीं गया। बड़ी बात ये कि बयाना पुलिस 40 दिन तक मामले को दबाए बैठी रही। कारोबारी को जब लगा कि पुलिस मामले में

उदासीनता बरत रही है तो उसने धमकी वाली बात का खुलासा किया।

इस मामले में बयाना पुलिस से सवाल किया तो बताया- इस मामले में जांच चल रही है। अभी तक यह सामने आया कि भुसावर थाना इलाके के गांव निठार के रहने वाले किसी व्यक्ति की मोबाइल सिम खो गई थी, यह सिम बयाना के सिंघाड़ा गांव के युवक के हाथ लगी। युवक ने लॉरेंस गैंग के नाम से व्यापारी को डराने और रकम ऐंठने के लिए पहले रात को दुकान के शटर के नीचे से खत डाला और फिर कॉल किया।

एडिशनल एसपी ओम प्रकाश किलानिया ने बताया- लॉरेंस गैंग के नाम से फर्जी कॉल करने वाले युवक की पहचान कर ली गई है, उसे पकड़ने के लिए लगातार दबिश दे रहे हैं।

इस मामले में पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठा है। पुलिस का दावा है कि किसी खोई हुई सिम से किसी युवक ने धमकी दी और चिट्ठी डाली। इसके बावजूद 40 दिन में भी पुलिस आरोपी को पकड़ नहीं पाई है।

मिठाई कारोबारी का कहना है कि जिस तरह की आपराधिक वारदातें हो रही हैं, इससे डर लगता है। चिट्ठी और कॉल वाली घटनाओं से वह और उसका परिवार डर के साये में जीने को मजबूर है। दस लाख की रंगदारी मांगी गई, धमकी देने वाले में लॉरेंस गैंग का सदस्य बताया, अंजाम भुगतने की चेतावनी दी। ऐसे में डर स्वाभाविक है।

वारदात के इरादे से रेकी कर रहे बदमाशों को पुलिस ने धर दबोचा, अवैध हथियार और कारतूस बरामद

धौलपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। धौलपुर शहर के निहालगंज क्षेत्र के थाना प्रभारी भोजाराम ने बताया पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार के निर्देशन में जिले में अपराधियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत स्थानीय पुलिस ने मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के मुताबिक सूचना

मिलने पर पुलिस ने टीम गठित कर घेराबंदी करके सौरभ निवासी परौआ एवं मोनू निवासी भुजबल का पुरा को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी ने बताया दोनों बदमाश के कब्जे से अवैध हथियार समेत दो जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए हैं। दोनों बदमाश रीको एरिया में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। मुखबिर की सूचना पर दोनों बदमाशों को वारदात से पूर्व ही दबोच लिया गया। थाना प्रभारी ने बताया बदमाशों विरुद्ध आर्म्स एक्ट में आपराधिक प्रकरण दर्ज किया गया है।

भजनलाल ने भाजपा से बागी होकर लड़ा था पहला चुनाव

जमानत जब्त हुई थी, दूसरा चुनाव जीते तो राजस्थान के सौम बने

जयपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)।राजस्थान के भरतपुर के अटारी गांव में जन्मे भजनलाल शर्मा की पहचान मंगलवार शाम 4 बजे से पहले, पहली बार जीते भाजपा विधायक की थी। विधायक दल की बैठक में जैसे ही उन्हें सीएम बनाए जाने की घोषणा हुई तो सब चौंक गए। जब उसके मुख्यमंत्री चुने जाने की खबर मिली तो मां-बाप की आंखों में खुशी के आंसू थे। वह भगवान का शुक्र अदा करते नहीं थक रही थे।

27 साल की उम्र में अटारी गांव में सरपंच का चुनाव जीतकर भजनलाल राजनीति में आए थे। सांगानेर (जयपुर) से पहले भी 2003 में नदबई (भरतपुर) विधानसभा सीट से उन्होंने सामाजिक न्याय मंच पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा था, लेकिन निर्दलीय प्रत्याशी के सामने उनकी जमानत जब्त हो गई थी।

भजनलाल शर्मा 34 साल से राजनीति में सक्रिय हैं। उन्होंने 10वीं क्लास 1984 और 12वीं क्लास 1986 में नदबई के गगवाना हाईस्कूल से पास की थी। इसके बाद बीए 1989 में एमएसजे कॉलेज भरतपुर से किया था। 1993 में राजस्थान यूनिवर्सिटी से नॉन कॉलेज स्टूडेंट के तौर पर राजनीति शास्त्र से एमए किया था।

पाली में डॉग को मारी गोली, मौत

मुर्गे का शिकार करने से गुस्साए मुर्गी मालिक ने मारी गोली, मामला दर्ज

पाली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। पाली में पालुत डॉग (कुतिया) की गोली मार कर हत्या करने का मामला सामने आया है। बेजुबान कुतिया का कसूर सिर्फ इतना था कि उसने खेत में घूम रहे मुर्गे का शिकार कर दिया। यह बात मुर्गे के मालिक को इतनी अखरी की उसने गोली मार पालूत कुतिया की हत्या कर दी। इस पर कुतिया के मालिक ने आरोपी के खिलाफ बगड़ी नगर थाने में मुकदमा दर्ज करवाया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। बगड़ी नगर एसएचओ गोपाल राणा ने बताया कि थाना क्षेत्र के लाडपुर निवासी रमेश देवड़ा पुत्र बस्तीराम नायक ने रिपोर्ट दी। जिसमें बताया कि 9 दिसम्बर की शाम करीब चार बजे उनकी पालतू कुतिया को चंदू पुत्र श्रवणलाल नायक ने गोली मार दी। जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के समय वे गांव से बाहर गए हुए थे। वापस आए तो बच्चों ने रोते हुए उनकी पालतु कुतिया को चंदू नायक द्वारा गोली मार कर हत्या करने की बात बताई। रिपोर्ट में बताया कि कुतिया लादूबेन के खेत में जा रही थी।

साक्षात्कार से ही होगा मन के महिषासुर का अंत और धर्म की स्थापना : साध्वी अदिति भारती

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा आयोजित श्रीमद् देवी भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ में लगा भक्तों का ताँता

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल पुलिस ग्राउंड में आयोजित दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा प्रस्तुत श्रीमद देवी भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ में बढ़-चढ़ के श्रद्दालु भाग ले रहे हैं। तृतीय दिवस की कथा में दिव्य गुरु आशुतोष महाराज जी की शिष्या कथा व्यास साध्वी अदिति भारती ने दुर्गा सप्तशती में दर्ज मध्यम चरित्र, महिषासुर वध गाथा का विस्तृत वर्णन किया। भारतीय शास्त्र ग्रंथों की विलक्षणता को उद्घाटित करते हुए साध्वी जी ने बताया की माँ के अवतरण की यह विविध कहानियाँ अपने भीतर जीवन परिवर्तनीय व समाज को आंदोलित करने वाले विलक्षण रहस्यों को समेटे है। महिषासुर वध की गाथा का भी गूढ़ विश्लेषण प्रस्तुत करते हुए साध्वी जी ने कहा कि आज समाज मे बढती हिंसा, बढते बलात्कार, देह व्यापार, बढती अश्लीलता और पथभ्रष्ट होते युवा इस सब का मूल कारण मानव अंतस मे जोर पकड़ते काम वासना से विक्षिप्त हुए महिषासुर रुपी मन ही है। माँ का महिषासुरमर्दिनी स्वरुप इन सब महिषासुरों के लिए चुनौती है। उन्होंने बताया की जब-जब काम से पीड़ित मनुष्य नारी का तिरस्कार करता है, उसे वस्तु के रूप में देखता है, तब-तब समाज असंतुलित हो जाता है। बढ़ते महिला उत्पीड़न के मामलों की ओर इंगित करते हुए साध्वी जी ने कहा, आशुतोष महाराज जी का कथन है की यदि समाज को संतुलित करना है, तो आज नारी को अपने वास्तविक शक्ति स्वरुप के प्रति जागृत होना होगा और साथ ही समाज को भी उसकी ओजस्विता को समझना होगा। साध्वी जी ने बताया की श्री आशुतोष महाराज जी के नेतृत्व में दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान अपने लिंग समानता कार्यक्रम संतुलन के माध्यम से नारियों को सशक्त, समाज को नारी के अस्तित्व के प्रति जागृत और कन्या भ्रूण हत्या नामक कुरीति को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए निरंतर कार्यरत है। साध्वी जी ने कहा कि शांतमय विश्व की स्थापना हेतु सकारात्मकता को संगठित होना होगा और यह संगठन विचारों के स्तर पर कायम नहीं किया जा सकता। एक शक्तिशाली संगठन का आधार आध्यात्मिक जागरण ही हो सकता है क्योंकि आत्मा ही वह स्तर है जहाँ कोई भेद नहीं।

दसवीं व इंटर की परीक्षाओं का प्रबंधन बेहतर हो : रेवंत रेड्डी

सीएम ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने निर्देश दिया है कि आगामी दसवीं कक्षा और इंटर की परीक्षाएं बिना किसी समस्या के सबसे कुशल और प्रभावी तरीके से आयोजित की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने पिछले पेपर लीक और अन्य समस्याओं का जिक्र करते हुए कहा कि परीक्षाएं सुचारु रूप से आयोजित की जानी चाहिए ताकि छात्रों पर परीक्षा के दौरान कोई दबाव न रहे।

आज डॉ. बीआर अंबेडकर सचिवालय में शिक्षा विभाग पर एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस समीक्षा बैठक में राज्य सरकार की मुख्य सचिव शांति कुमारी, उच्च शिक्षा आयुक्त नवीन मित्तल, शिक्षा विभाग के सचिव वकाति करुणा, सीएमओ सचिव शेषाद्री और शिक्षा आयुक्त देवसेना ने भाग लिया। मुख्यमत्री ए रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को राज्य में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में संचालित विश्वविद्यालयों के प्रदर्शन पर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया है। राज्य में विश्वविद्यालयों के प्रदर्शन पर एक विस्तृत रिपोर्ट के साथ-साथ राज्य में कहां जूनियर कॉलेजों की आवश्यकता है, इसका विवरण तुरंत प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया है। यह स्पष्ट किया गया है कि मुख्य रूप से लड़कियों के लिए जूनियर कॉलेजों की जांच की जानी चाहिए जहां उनकी आवश्यकता है और उन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

महालक्ष्मी योजना : टीएसआरटीसी बसों में यात्री यातायात बढ़ा

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जब से महिलाओं के लिए 'महा लक्ष्मी' मुफ्त बस यात्रा योजना शुरू की गई है, तब से तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) में औसतन यात्री यातायात में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। प्रतिदिन लगभग 45 लाख यात्री बसों का उपयोग करते हैं। इनमें से लगभग 14 लाख सवारियां महिलाएं हैं। राज्य भर में मुफ्त बस यात्रा का लाभ उठाने वाली महिला यात्रियों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। 10 दिसंबर को दर्ज की गई यात्रियों की संख्या 3 दिसंबर (दोनों रविवार) की तुलना में लगभग 15 प्रतिशत अधिक थी। आरटीसी अधिकारियों ने कहा कि 'जीरो टिकट' सॉफ्टवेयर अस्तित्व में आने के बाद योजना का लाभ उठाने वाली महिला यात्रियों की वास्तविक संख्या ज्ञात या उपलब्ध हो जाएगी। तब तक, बस कंडक्टरों को महिलाओं के निवास स्थान की पुष्टि करने के लिए उनके पहचान पत्र पर पते को सत्यापित करने और सिस्टम में मैन्युअल रूप से विवरण दर्ज करने का निर्देश दिया गया है। 'महालक्ष्मी' योजना के शुभारंभ के साथ, जो महिलाएं विभिन्न मार्गों पर निजी बसों में यात्रा करती थीं, वे अब सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा सुविधा का विकल्प चुन रही हैं। अधिकारियों के अनुसार, सोमवार को आमतौर पर अन्य दिनों की तुलना में अधिक भीड़ होती है और आरटीसी को बहुत अधिक यात्री भार की उम्मीद है। कार्तिक मास के मद्देनजर शैव क्षेत्रों के लिए 10 प्रतिशत अतिरिक्त बसें चलाने के लिए सभी ड्राइवरों और कंडक्टरों की छुट्टियां भी रद्द कर दी गई हैं। हम महिला यात्रियों के भार के अनुसार बसें चलाने का प्रयास करेंगे। हम मौजूदा बसों के साथ यात्रियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए नई रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। आरटीसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, इसमें 'कटौती' यात्राएं शामिल हैं ताकि अगर यातायात हो तो दूर के स्थानों पर जाने के बजाय बसों को अधिक यात्री भार वाले मार्गों पर चलाया जाएगा। 1 से 11 दिसंबर के बीच 2.7 करोड़ से अधिक यात्रियों ने बसों में यात्रा की।

सीएम ने सस्पेंड डीजीपी को बहाल किया

> काउंटिंग के दौरान रेवंत से मिले थे अंजनी
> ईसी ने आचार संहिता का उल्लंघन माना था

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने हाल ही में सस्पेंड किए गए पुलिस प्रमुख अंजनी कुमार को बहाल कर दिया है। 3 दिसंबर को काउंटिंग के दिन जब कांग्रेस जब बहुमत मिलने की तरफ बढ़ रही थी, तब अंजनी, रेवंत से मिलने पहुंचे थे। चुनाव आयोग (ईसी) ने अंजनी के इस कदम को आचार संहिता का उल्लंघन माना था।

अंजनी कुमार की रेवंत रेड्डी को गुलदस्ता देते फोटो वायरल हुई थी। तब सवाल उठे थे कि जब काउंटिंग चल रही है, तब पुलिस प्रमुख का किसी कैंडिडेट से मिलना कहां तक सही है? अंजनी कुमार के साथ दो पुलिस अफसर संजय कुमार जैन और महेश एम भागवत भी थे।

सिर्फ रेवंत रेड्डी से मिलने पर सवाल उठे थे :

तेलंगाना चुनाव में 16 पार्टियों के 2290 कैंडिडेट थे। तब (3 दिसंबर) कांग्रेस के रेवंत भी एक उम्मीदवार ही थे। लिहाजा अंजनी के रेवंत से मिलने पर पक्षपात (फेवरेटिज्म) की बात उठी थी, जबकि चुनाव के दौरान अफसरों को निष्पक्ष होना चाहिए।

चुनाव आयोग ने पुलिस प्रमुख के इस कदम को गलत करार दिया था। चुनाव आयोग ने ये भी माना था कि अंजनी कुमार के कदम से जूनियर अफसरों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। लिहाजा अंजनी को सस्पेंड करते हुए एक सीनियर आईपीएस अफसर रवि गुप्ता को डीजीपी का एडिशनल चार्ज दिया था। कांग्रेस नेता रेवंत रेड्डी ने 7 दिसंबर को तेलंगाना के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। भट्टी विक्रमार्क डिप्टी सीएम बनाए गए हैं। उनके साथ 11 मंत्रियों ने भी शपथ ली। शपथ ग्रहण कार्यक्रम एलबी स्टेडियम में हुआ। इसमें सोनिया गांधी, राहुल, प्रियंका गांधी वाड्रा और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे शामिल हुए।

अमावस्या पर इमलीबन गोशाला हैदराबाद में गायों को चारा खिलाते हुये जामबाग डिवीजन के पार्षद राकेश जयसवाल, एमसी सलाहाकार मेम्बर ए. गौतम जैन। इस अवसर पर उपस्थित पी. राजेन्द्र यादव, मनिलाल शाह, गजानंद चौधरी, रघुनंद गोपी, नरसिंग राव, विष्णु यादव, सुरेश यादव, रामचंदर रघु, सारद कुमार, आदि ने गौ सेवा की।

अमावस्या पर 'सामुदायिक सेवा कार्यक्रम' के हिस्से के रूप में बजरंग सेना टीम ने 'मैटरनिटी हॉस्पिटल, सुल्तान बाजार' में 'मुफ्त नाश्ता वितरित किया। इसमें भाग लेते हुए टीम के एन.आर. लक्ष्मण राव, सूर्या शुक्ला, मनोज व अन्य।

अमावस्या के अवसर पर शिव मंदिर गौशाला, शमशेरगंज, हैदराबाद में गौ भक्तों ने भारी संख्या में पहुंचकर गौ सेवा की।

कोमाटिरेड्डी ने केंद्र से किया सड़क परियोजनाओं को मंजूरी देने का आग्रह

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क और भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने मंगलवार को नई दिल्ली में एनएचएआई के अध्यक्ष संतोष कुमार यादव से मुलाकात की और विभिन्न प्रस्तावों की मंजूरी के लिए उन्हें ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधित्व में, मंत्री ने नलगोंडा रिंग रोड, आरआरआर सदारन क्षेत्र, आरमूर से मंचरियाल खंड और मलकापुर से विजयवाड़ा तक एनएच 65 पर नए 6 लेन ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस हाईवे बिछाने सहित विभिन्न परियोजनाओं को मंजूरी देने का आग्रह किया।

कापरा मंडल स्थित श्री आईजी गौशाला में धार्मिक अमावस्या के अवसर पर भोजन-प्रसादी के लाभार्थी सुरेश चौधरी, वेनाराम माली, हितेश राठौड़, लक्ष्मणराम माली, जीताराम चौधरी, माणकचन्द माली का सम्मानकर, गायों को हरा चारा खिलाकर, दान-पुण्यकर उपस्थित अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, उपाध्यक्ष कालुराम काग, सचिव हुक्माराम सानपुरा, पदाधिकारी व गौभक्त।

आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने नगर निगम आयुक्त को एक महीने कैद की सजा सुनाई

अमरावती, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने मंगलवार को गुंटूर नगर निगम आयुक्त चेकुरी कीर्ति को अदालत की अवमानना के मामले में एक महीने की कैद की सजा सुनाई।

हाईकोर्ट ने 2,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। उन्हें 2 जनवरी को हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया गया था। अदालत ने पाया कि अधिकारी ने गुंटूर के कोठापेट इलाके में एक चैरिटी संगठन यादवल्ली वारी सतराम से संबंधित पट्टा मामले में उसके आदेशों का पालन नहीं किया।

याचिकाकर्ता ने अदालत द्वारा पिछले दिनों दिए गए आदेशों का पालन न होने की शिकायत करते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया था।कोर्ट ने इसे अदालत की अवमानना का मामला माना और अधिकारी को सजा सुनाई।

मुधोल के अमरवीरों को न्याय दिलाए : रामकृष्ण गौड

निर्मल, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुधोल निर्वाचन क्षेत्र के विधायक के रूप में सफलता के अवसर पर पवार रामाराव पाटिल को तेलंगाना कार्यकर्ताओं ने बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने तेलंगाना आंदोलन के दौरान अलग तेलंगाना के गठन के लिए अपने प्राणों की आहूति देने वाले मुधोल निर्वाचन क्षेत्र के शहीदों के परिवारों को न्याय दिलाने और सभी सरकारी योजनाओं में कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता और सम्मान देने की अपील की। तेलंगाना के गठन के 9 साल पूरे होने के बाद भी मुधोल संविधान आंदोलन के शहीदों के परिवारों ने कितनी भी अपील की, पिछली सरकार द्वारा घोषित वित्तीय सहायता और नौकरी प्रदान नहीं की गई। कार्यक्रम में तेलंगाना मूवमेंट्स फोरम के निर्मल जिला अध्यक्ष डॉ. मुस्कान रामकृष्ण गौड़, मुधोल निर्वाचन क्षेत्र के कार्यकर्ता चकेटी लस्मान्ना, तेलंगाना तेलुगु कला निलयम पुंडलिक राव जादव, भैंसा पार्षद गौतम पिंगले, भीमराव डोंगरे, बासर नेता मनोहर, छात्र आंदोलन नेता साई संदीप, मुधोल राम रेड्डी, राजलिंगु, रघुवीर, लोकेश्वरम करुणासागर, अमरवीर परिवार के सदस्य लता भास्कर, राधम्मा, मुन्नुरू कापू मित्र परिषद के पेडप काशीनाथ, कोरवा गल्ली नेता नरसैय्या और अन्य ने भाग लिया।

यूबीआई में दो दिवसीय हिन्दी कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया के अंचलीय ज्ञानार्जन केंद्र, हैदराबाद के परिसर में कंप्यूटर आधारित दो दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में भारत सरकार की राजभाषा नीति से लेकर प्रयोजनमूलक हिन्दी पर आधारित गहन सत्र लिए गए। साथ ही प्रतिभागियों को यूनिकोड टाइपिंग, बैंकिंग शब्दावली, पत्राचार, आंतरिक कामकाज में हिन्दी का प्रयोग जैसे विषयों पर जानकारी दी गई। कार्यशाला के दौरान चैट जीपीटी, बार्ड जैसे आधुनिक उपकरणों का पत्राचार, आंतरिक कामकाज़ और अनुवाद में उपयोग का प्रायोगिक अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम के समापन समारोह में दीपक एन.एस., सहायक महाप्रबंधक, यूनियन ज्ञानार्जन अकादमी, ग्रामीण एवं वित्तीय समावेशन ने प्रतिभागियों से फीडबैक प्राप्त किया और बैंकिंग के क्षेत्र में स्थानीय भाषा और राजभाषा हिन्दी के प्रयोग, प्रसार के साथ-साथ व्यापार विस्तार में उनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया। अंचल कार्यालय, हैदराबाद से देवकांत पवार भी उपस्थित रहें। संकाय की भूमिका में उपासना सिरसैया, स्नेहा सिंह, साहेबराव कांबले, अंगेश कुमार उपस्थित रहें। सुश्री श्रुति पांडेय ने कार्यक्रम समन्वयक की भूमिका में अपना योगदान दिया।

राज्य के लोगों के पक्ष में है बीआरएस : हरीश राव

संगारेड्डी, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने आज कहा कि वे उन कार्यकर्ताओं का ख्याल रखेंगे, जिन्होंने पार्टी के लिए कड़ी मेहनत की है। उन्होंने उनसे हाल ही में विधानसभा चुनाव में मिली हार से निराश नहीं होने को कहा। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से अगले पंचायत चुनाव और संसदीय चुनाव में अपनी ताकत दिखाने को कहा। मंगलवार को यहां आयोजित बीआरएस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए, हरीश राव ने कहा कि हालांकि राज्य भर में कुछ कठिनाई थी, लेकिन संगारेड्डी विधानसभा क्षेत्र में इस बार पार्टी का गुलाबी झंडा फहराया गया उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल उनकी मानसिक स्थिरता को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहा है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

महिलाओं के लिए परेशानी मुक्त यात्रा की व्यवस्था करें : कलेक्टर

निर्मल, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिलाधीश आशीष सांगवान ने महालक्ष्मी योजना के माध्यम से आरटीसी बसों में यात्रा करने वाली महिलाओं के लिए बिना किसी परेशानी के यात्रा की व्यवस्था करने के निर्देश दिये। मंगलवार को जिला कलेक्टर ने निर्मल शहर के आरटीसी बस स्टैंड पर बस में यात्रा करने वाली महिलाओं के लिए यात्रा सुविधाओं का औचक निरीक्षण किया। डीएम प्रतिमा रेड्डी ने महिला यात्रियों को सुखद माहौल में अपनी यात्रा जारी रखने में मदद करने की सलाह दी। इसके बाद सिरगापुर में धर्मसागर, वैकुंठ धाम, नर्सरी, फिल्टर बेड और बंगालपेट में स्वच्छता संसाधन पार्क का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि धर्मसागर तालाब के पास बन रहे सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थल और बैल बाजार के पास बन रहे कब्रिस्तान कार्य का निरीक्षण करें और काम को जल्द से जल्द पूरा करें। सिरगापुर में संचालित नर्सरी एवं वाटर हेड कार्यों का निरीक्षण किया गया। इसके बाद, एफएसटीपी ने नगर निगम के डंपिंग यार्ड का निरीक्षण किया और डंपिंग यार्ड में जल्द से जल्द बायो-माइनिंग कार्य शुरू करने का निर्देश दिया। इस दौरे में नगर निगम आयुक्त सी.वी.यान. राजू, डी.ई. संतोष, विनय, हरिभुवन, टी. पी.ओ. सुमलता, सेनेटरी इंस्पेक्टर देवीदास और अन्य ने भाग लिया।

212 अधिकारियों के पाठ्यक्रम का सीजीपी 17 को

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वायु सेना अकादमी (एएफए), डुंडीगल में 212 अधिकारियों के पाठ्यक्रम की संयुक्त स्नातक परेड (सीजीपी) प्री-कमीशन प्रशिक्षण के सफल समापन को चिह्नित करने के लिए 17 दिसंबर, 2023 को आयोजित की जाएगी। रक्षा मंत्री सीजीपी के मुख्य अतिथि और समीक्षा अधिकारी (आरओ) होंगे। समारोह के दौरान, आरओ स्नातक प्रशिक्षुओं को राष्ट्रपति सम्मान प्रदान करेंगे। समारोह में फ्लाइट कैडेटों, भारतीय नौसेना, भारतीय तटरक्षक बल के अधिकारियों के साथ-साथ मित्र विदेशी देशों के अधिकारियों को विंग्स और ब्रेवेट्स की प्रस्तुति शामिल है।

डिप्टी सीएम से मिले कई संघ के लोग

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उप- मुख्यमंत्री, वित्त, योजना और ऊर्जा मंत्री मल्लु बट्टी विक्रमार्क का आज सचिवालय में कई वरिष्ठ अधिकारियों, संघ नेताओं और जन प्रतिनिधियों द्वारा अभिनंदन किया गया।

ऊर्जा विभाग के विशेष प्रधान सचिव सुनील शर्मा सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने मंत्री को बधाई दी। इस अवसर पर मंत्री बट्टी विक्रमार्क ने राज्य वित्त विभाग द्वारा तैयार की गई पुस्तक तेलंगाना स्टेट एट ए ग्लांस का विमोचन किया। इस कार्यक्रम में वित्त विभाग के विशेष प्रधान सचिव रामकृष्ण राव व अन्य शामिल हुए।

एससीआर पेंशन अदालत 15 दिसंबर को

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) की पेंशन अदालत 15 दिसंबर को सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों की शिकायतों के निवारण के लिए कार्यशालाएँ और अन्य इकाइयाँ अलग से एससीआर मुख्यालय और जोन के सभी छह डिवीजनों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़ में आयोजित की जाएगी। अदालत की अधिसूचना दक्षिण मध्य रेलवे की वेबसाइट पर डाली है। रेलवे पेंशनभोगी द्वारा शिकायतें निर्धारित प्रोफार्मा में प्रस्तुत की जा सकती हैं।

आईपीएल ऑक्शन 2024 की प्लेयर्स लिस्ट जारी

333 खिलाड़ियों की होगी नीलामी, ट्रैविस हेड समेत 23 प्लेयर्स का बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए

मुंबई, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। आईपीएल 2024 के ऑक्शन की प्लेयर लिस्ट जारी हो गई है। बीसीसीआई ने 333 खिलाड़ियों के नाम शेयर किए जो कि 19 दिसंबर को होने वाले आईपीएल मिनी ऑक्शन में शामिल होंगे। 10 टीमों के बीच 77 स्लॉट खाली हैं, यानी 333 में से 77 खिलाड़ी नीलाम होंगे, जिनमें से 30 विदेशी रहेंगे।

वर्ल्ड कप 2023 में ऑस्ट्रेलिया के टॉप प्लेयर ट्रैविस हेड समेत कुल 23 खिलाड़ियों का बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए है। 333 खिलाड़ियों में से 214 भारतीय है। जबकि, 199 विदेशी यानी ओवरसीज प्लेयर्स है। वहीं, 2 प्लेयर एसोसिएट नेशन से हैं।

23 प्लेयर्स का बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए

ऑक्शन में 23 प्लेयर्स की बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए है, जो कि सबसे ज्यादा है। इनमें ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के 7-7 , भारत और साउथ अफ्रीका के 3-3 प्लेयर्स शामिल है। वहीं, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के 1-1 खिलाड़ी हैं जिनका बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए है।

ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस, ट्रैविस हेड, मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, स्टीव स्मिथ, जोश इंग्लिस और सीन एबॉट की बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए हैं। भारतीयों में हर्षल पटेल, शार्दूल ठाकुर और उमेश यादव की बेस प्राइस सबसे ज्यादा है।

इनके अलावा 12 प्लेयर्स की बोली 1.50 करोड़ और 13 प्लेयर्स की बोली 1 करोड़ रुपए से शुरू होगी। बाकी के प्लेयर्स की बेस प्राइस 20 से 75 लाख रुपए के बीच है।

IPL 2024 ऑक्शन में सबसे ज्यादा बेस प्राइस के प्लेयर्स

प्लेयर	देश	रोल
हैरी ब्रूक	इंग्लैंड	बैटर
ट्रैविस हेड	ऑस्ट्रेलिया	बैटर
राइली रूसो	साउथ अफ्रीका	बैटर
स्टीव स्मिथ	ऑस्ट्रेलिया	बैटर
जेराल्ड कूट्जी	साउथ अफ्रीका	ऑलराउंडर
पैट कमिंस	ऑस्ट्रेलिया	ऑलराउंडर
हर्षल पटेल	भारत	ऑलराउंडर
शार्दूल ठाकुर	भारत	ऑलराउंडर
क्रिस वोक्स	इंग्लैंड	ऑलराउंडर
जोश इंग्लिस	ऑस्ट्रेलिया	विकेटकीपर
लॉकी फर्ग्यूसन	न्यूजीलैंड	बॉलर
जोश हेजलवुड	ऑस्ट्रेलिया	बॉलर
मिचेल स्टार्क	ऑस्ट्रेलिया	बॉलर
उमेश यादव	भारत	बॉलर
मुजीब उर रहमान	अफगानिस्तान	बॉलर
आदिल रशीद	इंग्लैंड	बॉलर
जेम्स विन्स	इंग्लैंड	बैटर
सीन एबट	ऑस्ट्रेलिया	बैटर
जेमी ओवरटर्न	इंग्लैंड	ऑलराउंडर
डेविड विली	इंग्लैंड	ऑलराउंडर
बेन डकेट	इंग्लैंड	विकेटकीपर
मुस्ताफिजुर रहमान	बांग्लादेश	बॉलर
रासी वान डर डसन	साउथ अफ्रीका	बैटर

** सभी प्लेयर्स का बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए हैं।*

गुजरात के पास सबसे ज्यादा पैसा

गुजरात टाइटंस के पास ऑक्शन में सबसे ज्यादा पैसा रहेगा। गुजरात के पास 38.15 करोड़ रुपए का पर्स है। जबकि, लखनऊ सुपर जायंट्स के पास सबसे कम 13.15 करोड़ रुपए का पर्स मौजूद है। 77 स्लॉट के लिए सभी टीमों का कुल 262.95 करोड़ रुपए का पर्स होगा।

केकेआर के पास सबसे ज्यादा स्लॉट

कोलकाता नाइट राइडर्स के पास सबसे ज्यादा स्लॉट है। केकेआर अपने स्क्वाड में कुल 12 खिलाड़ी शामिल कर सकता है, जिसमें से 4 खिलाड़ी विदेशी हो सकते है। वहीं, डिफेंडिंग चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स के पास सबसे कम 6 प्लेयर्स के लिए स्लॉट खाली हैं, जिनमें से 3 विदेशी प्लेयर्स के लिए हैं।

10 टीमों में 77 खिलाड़ियों की ही जगह खाली

मिनी ऑक्शन 19 दिसंबर को यूएई के दुबई में दोपहर 2:30 बजे से होगा। टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली 10 टीमों ने अपने ज्यादातर खिलाड़ियों को रिटेन कर लिया है। इसलिए ज्यादा से ज्यादा 77 खिलाड़ी ही खरीदे जा सकेंगे, जिनमें 30 विदेशी रहेंगे। टीमों के पास 262.95 करोड़ रुपए बाकी हैं, हर टीम का पर्स इस बार 100 करोड़ रुपए का रहेगा।

आईसीसी टूर्नामेंट की चोकर्स साउथ अफ्रीका बाइलेटरल सीरीज में शेर

विदेश में 54% टी-20, 62% वनडे जीते; हर देश में टेस्ट सीरीज जीत चुकी

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका को आईसीसी टूर्नामेंट की सबसे बड़ी चोकर्स टीम कहा जाता है। 1992 से आज तक टीम एक भी वर्ल्ड कप फाइनल नहीं खेल सकी, लेकिन बाइलेटरल यानी द्विपक्षीय सीरीज आते ही टीम शेर बन जाती है। साउथ अफ्रीका के नाम भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया तक में टेस्ट सीरीज जीतने का रिकॉर्ड दर्ज है। टीम ने वनडे में 62% और टी-20 में 54% सीरीज घर से बाहर जाकर जीती हैं।

अपने घरेलू मैदान पर साउथ अफ्रीका और भी खतरनाक हो जाती है। टीम को यहां 78% वनडे और 60% टेस्ट सीरीज में जीत मिली। हालांकि, टी-20 में टीम अपने घर पर ही सबसे ज्यादा हारती है। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच आज टी-20 सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला जाएगा। चलिए जानते हैं साउथ अफ्रीका का द्विपक्षीय सीरीज में रिकॉर्ड...

साउथ अफ्रीका ने टी-20 फॉर्मेट में 57 सीरीज खेलीं और उन्हें 47% में सफलता मिली। टीम ने 22 सीरीज गंवाईं, लेकिन 8 सीरीज ड्रॉ भी खेलीं। द्विपक्षीय सीरीज में टीम 54% टी-20 मुकाबले जीतती है, अब तक खेले 131 मुकाबलों में उन्हें महज 57 में हार का सामना करना पड़ा। साउथ अफ्रीका ने अपने घर से बाहर 24 सीरीज खेलीं। 14 में उन्हें जीत मिली, यानी सक्सेस रेट 58% का रहा। उन्होंने 60 में 37 मुकाबले जीते, यानी 62% सफलता मिली। इस दौरान टीम ने महज 21 मैच ही गंवाए। साउथ अफ्रीका अपने ही घरेलू मैदान पर टी-20 में फिसड्डी टीम साबित होती है। यहां उन्होंने 33 सीरीज खेलीं, लेकिन 13 में ही जीत मिली। उन्होंने 45% सीरीज गंवाईं, जबकि 5 ड्रॉ भी हो गईं।

घरेलू मैदान पर टीम 71 में से 34 ही मुकाबले जीत सकी। यानी जीत परसेंट करीब 48% रहा, जो टॉप टीमों के घरेलू प्रदर्शन के मुकाबले खराब है। घरेलू मैदान पर सबसे अच्छा रिकॉर्ड भारत का है, टीम द्विपक्षीय सीरीज में 65% मुकाबले जीतती है। भारत का तो साउथ अफ्रीका में भी टी-20 रिकॉर्ड शानदार है। टीम ने यहां 5 बाइलेटरल सीरीज खेलीं और 4 को अपने नाम किया। हालांकि, 3 सीरीज में एक-एक मुकाबले ही खेले गए। साउथ अफ्रीका ने एकमात्र सीरीज 2012 में जीती, तब टीम ने भी एकमात्र मुकाबला 11 रन से जीता था। द्विपक्षीय सीरीज में दोनों टीमों ने साउथ अफ्रीका में 7 मैच खेले। भारत को 5 में जीत और महज 2 में हार मिली।

टी-20 वर्ल्ड कप में 9 साल से नॉकआउट में नहीं पहुंचे

साउथ अफ्रीका का आईसीसी के टी-20 वर्ल्ड कप में भी रिकॉर्ड कुछ खास अच्छा नहीं है। अब तक हुए 8 टूर्नामेंट में टीम 2 ही बार सेमीफाइनल खेल सकी। फाइनल में तो उन्हें एक बार भी पहुंचने का मौका नहीं मिला और 6 बार टीम ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई। सेमीफाइनल में साउथ अफ्रीका 2009 और 2014 में पहुंची थीं, लेकिन उन्हें पाकिस्तान और भारत से हार का सामना करना पड़ गया।

66% वनडे सीरीज जीतीं, विदेश में 52% सक्सेस रेट

साउथ अफ्रीका वनडे फॉर्मेट की द्विपक्षीय सीरीज में सुपरपावर टीम है। उन्होंने 101 में से 67 सीरीज जीती हैं, यानी 66% सक्सेस रेट। बाइलेटरल में टीम ने 408 वनडे खेले और 252 जीते। टीम ने महज 137 मुकाबले गंवाए। 62% का सक्सेस रेट दुनिया में सबसे बेहतर है। साउथ अफ्रीका का विदेश में भी बेहतरीन रिकॉर्ड है। घर से बाहर टीम ने 46 वनडे सीरीज खेलीं और 24 में जीत हासिल की। उन्होंने 6 सीरीज ड्रॉ भी कराईं और महज 16 में हार का सामना करना पड़ा। विदेश में टीम ने 174 वनडे खेले और 52% जीते भी। विदेश में जीत का बेस्ट रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के बाद साउथ अफ्रीका का ही है। ऑस्ट्रेलिया ने 53% वनडे जीते हैं।

घरेलू मैदान पर 78% सफलता मिली, भारत से एक ही बार हारे

होम कंडीशन में साउथ अफ्रीका वनडे खेलने वाले देशों में सबसे खतरनाक है। टीम ने 55 सीरीज खेलीं और 43 में जीत हासिल की, यानी 78% बार सफलता मिली। 3 सीरीज ड्रॉ रहीं और महज 9 में टीम को हार मिली। घर में टीम को 234 में से 161 वनडे में जीत मिली। 69% का सक्सेस रेट दुनिया में बेस्ट है।

खेलो इंडिया पैरा गेम्स का शुभारंभ

खेल मंत्री बोले- भारत 2030 पैरा एशियाड में 200 पार पहुंचेगा

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रथम खेलो इंडिया पैरा गेम्स का खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने केडी जाधव इंडोर स्टेडियम में रंगारंग अंदाज में उद्घाटन किया। खेल मंत्री ने कहा कि खेलो इंडिया पैरा गेम्स की बदौलत भारत 2030 के एशियाई पैरा खेलों में दो सौ पदक जीत सकता है। इस बार के हांगझोऊ पैरा एशियाई खेलों में भारत ने भारतीय पैरा खिलाड़ियों ने 29 स्वर्ण समेत रिकॉर्ड 111 पदक जीते।

खेल मंत्री ने कहा कि पैरा गेम्स से नए खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा, जिसका फायदा हमें आने वाले पैरा एशियाई खेलों और पैरालंपिक में मिलेगा। उन्होंने कहा कि अगर हम पैरा एशियाड में 111 पदक जीत सकते हैं तो हम 2030 के पैरा एशियाड में 200 पदकों को भी पार कर सकते हैं।

276 स्वर्ण पदक दांव पर

खेल मंत्री ने इन खेलों की मशाल स्थापित करते हुए कहा कि पैरा गेम्स देश में खेलों की दिशा बदलने का अभियान साबित होंगे। खेल मंत्री को पैरालंपिक के स्वर्ण पदक विजेता जेवलिन थ्रोअर सुमित अंतिल और पैरालंपिक का पदक जीतने वाली टेबल टेनिस खिलाड़ी भाविना पटेल ने खेलों की मशाल प्रदान की।

इन खेलों में 32 राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड के 1400 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। बैडमिंटन, टेबल टेनिस, एथलेटिक्स, फुटबाल, पॉवरलिफ्टिंग, तीरंदाजी, निशानेबाजी में ये खिलाड़ी 276 स्वर्ण पदकों के लिए संघर्ष करेंगे। ये खेल राजधानी के जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी स्टेडियम और कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में खेले जा रहे हैं।

आईपीएल-2024 में खेलते नजर आएंगे ऋषभ पंत

विकेटकीपिंग नहीं, तो बैटिंग-फील्डिंग कर सकेंगे, मेडिकल टीम की मंजूरी जरूरी

बेंगलुरु, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत इंडियन प्रीमियर लीग-2024 से मैदान पर वापसी करेंगे। उनकी फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स के एक अधिकारी ने बताया कि पंत के फरवरी में पूरी तरह फिट होने की उम्मीद है। वे अगले सीजन में टीम की कप्तानी करते नजर आएंगे। पंत विकेटकीपिंग नहीं, तो बैटिंग और फील्डिंग करते जरूर नजर आएंगे। अधिकारी ने यह भी कहा कि पंत की वापसी उनकी फिटनेस और बीसीसीआई मेडिकल टीम की मंजूरी पर निर्भर करेगी। IPL का अगला सीजन मार्च-अप्रैल में हो सकता है। इसके लिए मिनी ऑक्शन 19 दिसंबर को दुबई में होना है। पंत एक साल पहले 30 दिसंबर को दिल्ली से रूड़की जाते समय एक कार दुर्घटना का शिकार हो गए थे। उनके सिर और पैर में चोट आई थी। उनके घुटने का भी ऑपरेशन हुआ था। फिलहाल, वे अभी नेशनल क्रिकेट एकेडमी में विशेषज्ञों की निगरानी में रिहैब कर रहे हैं। पंत चोट से काफी तेजी से रिकवर हो रहे हैं। उन्होंने 5 दिन पहले जिम में ट्रेनिंग करते हुए वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। वीडियो में वेट उठाने के साथ ही साइक्लिंग करते हुए नजर आ रहे हैं।

प्रोफेशनल बॉक्सिंग में उतर सकती हैं मैरीकॉम

कहा- पेशेवर बन सकती हूं, लेकिन अभी नहीं पता क्या करूंगी

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रमंडल खेलों के 2022 में हुए चयन ट्रायल के दौरान एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट (एसीएल) की चोट के बाद से इस छह बार की विश्व चैंपियन मुक्केबाज ने प्रतिस्पर्धा पेश नहीं की है। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज मैरीकॉम ने आगामी वर्षों में पेशेवर मुक्केबाज बनने की संभावना को खारिज नहीं किया है क्योंकि यह अनुभवी मुक्केबाज आयु से जुड़ी सीमाओं के कारण अब एमेच्योर (गैर-पेशेवर) मुक्केबाजी में चुनौती पेश नहीं कर सकतीं।

राष्ट्रमंडल खेलों के 2022 में हुए चयन ट्रायल के दौरान एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट (एसीएल) की चोट के बाद से इस छह बार की विश्व चैंपियन मुक्केबाज ने प्रतिस्पर्धा पेश नहीं की है। उन्होंने हालांकि अब तक संन्यास की घोषणा नहीं की है। नियमों के अनुसार 40 वर्ष से अधिक की उम्र की मुक्केबाज एमेच्योर वर्ग में चुनौती पेश नहीं कर सकती और मैरीकॉम अब 41 साल की हैं।

खेलो इंडिया पैरा खेलों में पदक विजेताओं को पदक देने के बाद मैरीकॉम ने कहा, 'अगर मैं अपने दिल से कहूं तो मेरे में अब भी कुछ करने की भूख है। अब भी प्रतिस्पर्धा करना चाहती हूं और अपने देश का प्रतिनिधित्व करना चाहती हूं। लेकिन इस साल से मैं आयु सीमा के कारण प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाऊंगी।'

उन्होंने कहा, 'लेकिन मैं फिर भी मुक्केबाजी से जुड़ा कुछ करने की कोशिश करूंगी। मैं पेशेवर बन सकती हूं लेकिन अभी नहीं पता कि मैं क्या करूंगी। मेरे अंदर अब भी एक से दो साल या यहां तक कि चार साल तक खेलने का जज्बा है।' मैरीकोम ने कहा कि पैरा एथलीट असली नायक हैं क्योंकि उन्हें देश को गौरव करने के लिए बाधाओं से लड़ना पड़ता है। मैरीकॉम ने कहा, 'मैं इस साल आयु सीमा के कारण प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकी, मैं कई प्रतियोगिताओं से चूक गई। मुझे बड़ी चोट लगी थी, एसीएल चोट और ठीक होने के बाद मैं राष्ट्रमंडल खेलों, एशियाई खेलों और विश्व चैंपियनशिप जैसी कई प्रतियोगिताओं से चूक गई।'

अनुराग ठाकुर से मिले बजरंग और साक्षी

बृजभूषण के करीबी संजय सिंह को चुनाव लड़ने से रोकने की मांग

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। बजरंग, विनेश फोगाट और साक्षी ने बृजभूषण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया था। पहलवानों ने भाजपा सांसद पर जूनियर सहित कई महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था।

भारतीय कुश्ती संघ के चुनाव 21 दिसंबर को होना है। उसी दिन नतीजे भी सामने आ जाएंगे। चुनाव से पहले ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पुनिया और साक्षी मलिक ने खेल मंत्री अनुराग ठाकुर से मुलाकात की। दोनों ने यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया कि संजय सिंह अध्यक्ष पद के लिए चुनाव न लड़ें। संजय सिंह को बृजभूषण शरण सिंह का करीबी माना जाता है। बृजभूषण शरण पर महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया गया है।

बजरंग, विनेश फोगाट और साक्षी ने बृजभूषण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया था। पहलवानों ने भाजपा सांसद पर जूनियर सहित कई महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न का

आरोप लगाया था। दिल्ली की एक अदालत इस मामले की सुनवाई कर रही है। टोक्यो खेलों के कांस्य पदक विजेता बजरंग ने कहा कि सरकार द्वारा आश्वासन दिए जाने के बाद कि बृजभूषण से संबंधित कोई भी व्यक्ति चुनाव नहीं लड़ेगा, इसलिए उन्होंने अपना विरोध वापस ले लिया था। भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष पद के लिए दो उम्मीदवार संजय सिंह और अनीता श्योराण हैं। संजय सिंह को बृजभूषण शरण का वफादार माना जाता है। वहीं, अनीता 2010 राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता हैं। बजरंग ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा, "हां, हमने आज खेल मंत्री से मुलाकात की और उन्हें उनका वादा याद दिलाया कि बृजभूषण से जुड़ा कोई भी व्यक्ति चुनाव नहीं लड़ेगा।"

बजरंग ने कहा, संजय सिंह उनके करीबी सहयोगी हैं और उन्हें चुनाव से हट जाना चाहिए अन्यथा हम जल्द ही अपनी भविष्य की रणनीति तय करेंगे। हमने खेल मंत्री यह बता दिया है। संजय सिंह भारतीय कुश्ती संघ की पिछली कार्यकारी परिषद का हिस्सा थे। वह 2019 से राष्ट्रीय महासंघ के संयुक्त सचिव भी थे।

व्हाइट बॉल क्रिकेट में स्टॉप क्लॉक ट्रायल

60 सेकेंड में अगला ओवर शुरू करना होगा; वेस्टइंडीज-इंग्लैंड टी-20 सीरीज से होगी शुरुआत

खेल डेस्क, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने दिसंबर 2023 से अप्रैल 2024 के बीच फुल टाइम मेंबर्स टीमों के वनडे और टी-20 मैचों में स्टॉप क्लॉक रूल लागू किया है। इंटरनेशनल क्रिकेट में खेल की गति तेज करने के प्रयास में यह नियम लाया गया है।

अब इंटरनेशनल क्रिकेट में एक ओवर खत्म होने के बाद अगला शुरू करने के लिए 60 सेकेंड (एक मिनट) का टाइम ही मिलेगा। ट्रायल की शुरुआत 12 दिसंबर को बारबाडोस में

वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के बीच पहले टी20 मैच से होगी।

अगर बॉलिंग टीम 60 सेकंड के अंदर बॉलर चेंज नहीं कर सकी तो उन्हें 2 वॉर्निंग मिलेगी। तीसरी बार ऐसा करने पर बैटिंग टीम के स्कोर में 5 रन जुड़ जाएंगे। मैच में हर तीसरी बार ऐसा होने पर बॉलिंग टीम पर 5 रन की पेनल्टी लगेगी।

इसे उदाहरण से समझते हैं। मान लीजिए भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किसी टी-20 में 6 बार 60 सेकेंड के अंदर अगला शुरू नहीं किया। तो इस कंडीशन में टीम इंडिया पर 2 बार पेनल्टी लगेगी और ऑस्ट्रेलिया के स्कोर में 10 रन जुड़ जाएंगे।

पिछले 25 वर्षों में गूगल पर सबसे ज्यादा इस क्रिकेटर को किया गया सर्च, ये एथलीट टॉप पर

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। जब से गूगल अस्तित्व में आया है, दुनिया में कई बेहतरीन क्रिकेटरों ने जलवे बिखेरे। इस लिस्ट में सचिन तेंदुलकर, शेन वॉर्न, मुथैया मुरलीधरन, रिकी पोंटिंग, एमएस धोनी, रोहित शर्मा समेत कई खिलाड़ी शामिल हैं। हालांकि, सबसे ज्यादा सर्च जिस क्रिकेटर को किया गया है, वह अभी भी अपनी चमक बिखेर रहा है।

क्रिकेट जगत में विराट कोहली नाम किसी परिचय का मोहताज नहीं है। सर्च इंजन 'गूगल' ने अपने पूरे 25 साल के इतिहास में सबसे ज्यादा सर्च किए जाने वाले विषयों की सूची जारी की। इनमें क्रिकेटरों में कोहली का नाम सबसे ऊपर है। यानी जब से गूगल अस्तित्व में आया है, दुनिया में कई बेहतरीन क्रिकेटरों ने जलवे बिखेरे हैं। इस लिस्ट में सचिन तेंदुलकर, शेन वॉर्न, मुथैया मुरलीधरन, रिकी पोंटिंग, एमएस धोनी, रोहित शर्मा समेत कई खिलाड़ी शामिल हैं। हालांकि, इनके इतर कोहली गूगल के इतिहास में 'सबसे अधिक सर्च किए जाने वाले क्रिकेटर' के रूप में सामने आए हैं।

जब सूची में सबसे अधिक खोजे जाने वाले एथलीट की बात आती है, तो इसमें कोहली शीर्ष

पर नहीं हैं। रियल मैड्रिड और मैनचेस्टर यूनाइटेड के पूर्व दिग्गज और पुर्तगाल फुटबॉल टीम के मौजूदा कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो इस लिस्ट में शीर्ष पर हैं। 38 साल की उम्र में भी यह फुटबॉलर सऊदी अरब के क्लब अल-नस्र के लिए शानदार प्रदर्शन कर रहा है।

रोनाल्डो ने इस लिस्ट में शीर्ष पर आने के लिए कुछ महान एथलीट्स को पीछे छोड़ा। इनमें लियोनल मेसी, रोजर फेडरर, राफेल नडाल और जोकोविच जैसे नाम शामिल हैं।

रोनाल्डो और मेसी अपनी पीढ़ी के सबसे बेहतरीन एथलीट्स में गिने जाते हैं और लगभग पिछले 15 वर्षों से अपने खेल पर हावी रहे हैं। वहीं, सबसे ज्यादा खोजे जाने वाले खेल की बात आती है, तो 'फुटबॉल' इसमें शीर्ष पर है।

दिलचस्प बात यह है कि कोहली भी मेसी की तुलना में रोनाल्डो के बड़े फैन हैं।

पूर्व भारतीय कप्तान अपने पिछले कई इंटरव्यू में बता चुके हैं कि वह पुर्तगाली फुटबॉलर के फिटनेस के कायल हैं। जब पुर्तगाल की टीम फीफा विश्व कप 2022 में हारकर बाहर हो गई थी तो रोनाल्डो खूब रोए थे। तब कोहली ने इंस्टाग्राम पर उनके लिए लिखा था, 'आपने इस खेल में और दुनिया भर के खेल फैंस के लिए जो कुछ भी किया है, उससे कोई भी ट्रॉफी या कोई भी खिताब नहीं छीन सकता या बयां नहीं कर सकता।

कोहली ने लिखा था, 'कोई भी टाइटल लोगों पर पड़ने वाले आपके प्रभाव को बयां नहीं कर सकता या ये नहीं बता सकता कि जब हम आपको खेलते हुए देखते हैं तो मैं और दुनिया भर के कई लोग क्या महसूस करते हैं। यह भगवान की ओर से आपको मिला एक उपहार है।

एक ऐसे व्यक्ति के लिए एक ऐसा वरदान जो हर मैच में अपना दिल लगाकर खेलता है और कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रतीक है और किसी भी खिलाड़ी के लिए एक सच्ची प्रेरणा है। पोस्ट में विराट ने लिखा था, 'आप मेरे लिए ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.